सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

www.stpi.in

वार्षिक रिपोर्ट

2023 - 2024

वार्षिक रिपोर्ट

2023-2024

विषय सूची

शासी परिषद* 1

सामान्य निकाय* 2

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया (एसटीपीआई) की प्रबंधन संरचना 3

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी परिदृश्य 4

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई)-एक अवलोकन 5

एसटीपीआई की पंजीकृत इकाइयों का प्रदर्शन 6

एसटीपीआई में पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों द्वारा निर्यात.. 7

आईटी ग्रेड इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रावधान 9

डेटा संचार और अन्य मूल्य वर्धित सेवाएं.. 10

डेटा केंद्र सेवाएं.. 11

परियोजना प्रबंधन और परामर्श (पीएमसी) सेवाएं 12

बीपीओ संवर्धन योजनाएँ-आईटी नौकरियों का सृजन... 16

संशोधित इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर योजना/ईएमसी 2.0... 17

सेंटर ऑफ़ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई).. 18

नेक्स्ट जेनरेशन इन्क्यूबेशन स्कीम (एनजीआईएस) 26

संवर्धनात्मक कार्यकलाप 27

एसटीपीआई का वित्तीय विश्लेषण... 30

लेखा विवरण 31

स्वत्रंत लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट.. 33

लेखा परीक्षक 36

अनुसूची-22क.. 55

सूचना का अधिकार.. 63

एसटीपीआई के केन्द्र 64

शासी परिषद*

अध्यक्ष

श्री अश्विनी वैष्णव
माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा
इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री,
भारत सरकार

उपाध्यक्ष

श्री जितिन प्रसाद
माननीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिकी
एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री,
भारत सरकार

कार्यकारी उपाध्यक्ष

श्री एस कृष्णन
सचिव,
इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी
मंत्रालय, भारत सरकार

सदस्य

श्री भुवनेश कुमार
अपर सचिव (सोसाइटीज),
इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री कृष्ण कुमार सिंह
संयुक्त सचिव एवं एसटीपीआई के समूह समन्वयक,
इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री राजेश सिंह
संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार,
इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री किशोर भगतानी
उप महानिदेशक (डी एस),
दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय
भारत सरकार

श्री अभिजीत सिन्हा
संयुक्त सचिव (सीआईएस),
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

श्री जनार्दन सिंह
संयुक्त निदेशक, आसूचना ब्यूरो,
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

श्री योगेन्द्र गर्ग
महानिदेशक
प्रणाली एवं डेटा प्रबंधन,
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड,
राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार

श्री संतोष कुमार सारंगी
महानिदेशक विदेश व्यापार,
वाणिज्य विभाग,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

श्री वीर सागर
अध्यक्ष,
इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर निर्यात
प्रमोशन काउंसिल (ईएससी)

श्री प्रशांत पिट्टी
सह-संस्थापक,
मेसर्स ईज़मायट्रिप

डॉ. आनंद देशपांडे
संस्थापक, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक,
मैसर्स परसिस्टेंट सिस्टम्स

श्री देबाशीष चटर्जी
सीआईओ एवं प्रबंध निदेशक,
मैसर्स एलटीआईमाइंडट्री

श्री राजेश नांबियार
अध्यक्ष, नैसकॉम

श्री पंकज मोहिन्द्रू
अध्यक्ष,
इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन

डॉ. देवेश त्यागी
वरिष्ठ निदेशक, एसटीपीआई

सदस्य सचिव

श्री अरविन्द कुमार
महानिदेशक, एसटीपीआई

** सितम्बर, 2024 की स्थिति के अनुसार*

सामान्य निकाय*

अध्यक्ष

श्री अश्विनी वैष्णव
माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा
इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री,
भारत सरकार

उपाध्यक्ष

श्री जितिन प्रसाद
माननीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिकी
एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री,
भारत सरकार

कार्यकारी उपाध्यक्ष

श्री एस कृष्णन
सचिव,
इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

सदस्य

श्री भुवनेश कुमार
अपर सचिव (सोसाइटीज),
इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री कृष्ण कुमार सिंह
संयुक्त सचिव एवं एसटीपीआई के समूह समन्वयक,
इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री राजेश सिंह
संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार,
इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री किशोर भगतानी
उप महानिदेशक (डी एस),
दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री अभिजीत सिन्हा
संयुक्त सचिव (सीआईएस),
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

श्री जनार्दन सिंह
संयुक्त निदेशक, आसूचना ब्यूरो,
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

श्री योगेन्द्र गर्ग
महानिदेशक,
प्रणाली एवं डेटा प्रबंधन,
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड,
राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार

श्री संतोष कुमार सारंगी
महानिदेशक विदेश व्यापार,
वाणिज्य विभाग,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

डॉ. देवेश त्यागी
वरिष्ठ निदेशक, एसटीपीआई

सदस्य सचिव

श्री अरविन्द कुमार
महानिदेशक, एसटीपीआई

** सितम्बर, 2024 की स्थिति के अनुसार*

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया (एसटीपीआई) की प्रबंधन संरचना

शासी परिषद

शासी परिषद, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) का शीर्ष प्रबंधन निकाय है, जो एसटीपीआई की समग्र कार्यप्रणाली का निर्देशन और देखरेख करती है तथा नीतिगत निर्देश प्रदान करती है। माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार, शासी परिषद के 'अध्यक्ष' हैं। माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री, भारत सरकार, शासी परिषद के 'उपाध्यक्ष' हैं। सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, शासी परिषद के 'कार्यकारी उपाध्यक्ष' हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, गृह मंत्रालय, संचार मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग एवं उद्योग संघों के प्रतिनिधि शासी परिषद के सदस्य हैं ।

महानिदेशक

महानिदेशक (डीज़ी), एसटीपीआई शासी परिषद के सदस्य-सचिव हैं तथा शासी परिषद के मार्गदर्शन के अंतर्गत एसटीपीआई के प्रबंधन तथा संचालन के लिए उत्तरदायी हैं। संस्था के कुशल संचालन के लिए महानिदेशक को आवश्यक कार्यकारी शक्तियां तथा अधिकार प्रत्यायोजित किए गए हैं।

निदेशकों की कार्यकारी समिति (ईकॉड)

संस्था के संस्थापना प्रलेख के अनुसार, निदेशकों की कार्यकारी समिति (ईकॉड), जो संस्था का एक अंग है, शासी परिषद एवं प्रशासनिक मंत्रालय की ओर से प्रशासनिक, वित्तीय, संचालन और इस तरह के नीतिगत मामलों की समीक्षा एवं मंजूरी प्रदान करने जैसे कार्य करती है। ईकॉड की अध्यक्षता सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा कार्यकारी उपाध्यक्ष, शासी परिषद, एसटीपीआई द्वारा की जाती है।

स्थायी कार्यकारी बोर्ड (एसईबी)

ऐसे प्रत्येक राज्य में जहाँ एसटीपीआई का केन्द्र है, नीतिगत और संचालन संबंधी मामलों में उद्योग और सरकार के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने के लिए एक स्थायी कार्यकारी बोर्ड (एसईबी) का गठन किया जाता है। स्थायी कार्यकारी बोर्ड, एसटीपीआई केन्द्रों/उपकेन्द्रों की भावी विस्तार योजनाएं तैयार करने, सुविधाओं का दर्जा बढ़ाने, प्रत्येक एसटीपीआई केंद्र की वार्षिक योजना एवं बजट तैयार करने और महानिदेशक, एसटीपीआई को परामर्श देने का कार्य करता है।

वरिष्ठ निदेशक

वरिष्ठ निदेशक, एसटीपीआई मुख्यालय के प्रमुख हैं। वरिष्ठ निदेशक, एसटीपी और ईएचटीपी योजनाओं के प्रशासन के लिए क्षेत्राधिकार निदेशक के रूप में कार्य करते हैं।

निदेशक

निदेशक, एसटीपीआई केन्द्र के तकनीकी एवं प्रशासनिक प्रमुख होते हैं। निदेशक, एसटीपी और ईएचटीपी योजनाओं के प्रशासन के लिए सबंधित अधिकार क्षेत्र में क्षेत्राधिकार निदेशक के रूप में कार्य करते हैं।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी परिदृश्य

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र लंबे समय से देश की आर्थिक सफलता के पीछे एक प्रमुख शक्ति रहा है, जिसने नौकरियां सृजित करने, निर्यात बढ़ाने और भारत को प्रौद्योगिकी सेवाओं के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डिजिटल क्रांति ने दुनिया भर में व्यापारिक कार्यों को फिर से परिभाषित किया है, और भारत का आईटी क्षेत्र इस परिवर्तन के अग्रिम मोर्चे पर है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), स्वचालन, क्लाउड कंप्यूटिंग, ब्लॉकचेन और डेटा एनालिटिक्स जैसी उभरती प्रौद्योगिकियां आईटी परिदृश्य को बदल रही हैं। भारतीय आईटी कंपनियां इन क्षेत्रों पर तेजी से ध्यान केंद्रित कर रही हैं ताकि उन्नत डिजिटल समाधानों की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके।

जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी विकसित हो रही है, आउटसोर्सिंग मॉडल भी बदल रहे हैं। व्यवसाय लेन-देन आधारित आउटसोर्सिंग से आगे बढ़कर ऐसे रणनीतिक साझेदारों की तलाश कर रहे हैं, जो उत्पादों का सह-विकास कर सकें और डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ा सकें। भारतीय आईटी कंपनियां खुद को केवल सेवा प्रदाताओं के रूप में नहीं, बल्कि नवाचार भागीदारों के रूप में स्थापित कर रही हैं, जो सिस्टम इंटीग्रेशन से लेकर उत्पाद जीवनचक्र प्रबंधन तक व्यापक समाधान प्रदान करती हैं। यह बदलाव अनुसंधान और विकास, नवाचार और बौद्धिक संपदा सृजन के क्षेत्रों में अधिक अवसर पैदा करने के लिए तैयार है।

भारतीय आईटी-बीपीएम उद्योग ने 3.3% की वृद्धि दर्ज की, जिसमें उद्योग का राजस्व FY 2023-24 में $254 बिलियन तक पहुंच गया, जो FY 2022-23 में $245 बिलियन था। इस उद्योग से निर्यात FY 2022-23 में $194 बिलियन से बढ़कर FY 2023-24 में $200 बिलियन हो गया, जबकि घरेलू राजस्व (हार्डवेयर सहित) $54 बिलियन तक पहुंच गया। आईटी सेवाओं का निर्यात 2023-24 में $105.2 बिलियन रहा, जबकि 2022-23 में यह $103.7 बिलियन था, जिससे 2% की वृद्धि दर्ज की गई। आईटीईएस/बीपीएम निर्यात 2022-23 में $42.1 बिलियन से बढ़कर 2023-24 में $43.2 बिलियन हो गया, जो सालाना 2.7% की वृद्धि दर्शाता है। ईआर एंड डी (इंजीनियरिंग रिसर्च एंड डेवलपमेंट) में लगभग 7.4% की वृद्धि हुई है, जो 2022-23 में $47.6 बिलियन से बढ़कर 2023-24 में $50.7 बिलियन तक पहुंच गई है। *(स्त्रोत: नैसकॉम)*

FY 2023-24 में, कुल प्रत्यक्ष रोजगार आधार 5.34 मिलियन तक पहुंच गया है। आईटी-बीपीएम क्षेत्र कुल भारतीय सेवाओं के निर्यात में 50% के साथ सबसे बड़ा हिस्सा रखता है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान के रूप में, भारतीय आईटी-बीपीएम क्षेत्र (हार्डवेयर सहित) के राजस्व ने 1998-99 के दौरान 1.2% से बढ़कर 2023-24 में लगभग 7% तक वृद्धि की है। *(स्त्रोत: नैसकॉम)*

अमेरिका ने लगातार आईटी-बीपीएम निर्यात वृद्धि को बढ़ावा देते हुए अपनी सबसे बढ़ी बाजार हिस्सेदारी को 62% पर बरकरार रखा हुआ है, इसके बाद यूके का 17%, यूरोप महाद्वीपीय का 11%, एशिया प्रशांत क्षेत्र का 8% और शेष विश्व 2% है। कुल निर्यात में 90% का योगदान देने वाले शीर्ष पांच क्षेत्रों में बीएफएसआई (बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा) 41%, हाई-टेक/टेलीकॉम 18%, विनिर्माण 16%, रिटेल 10% और स्वास्थ्य सेवा 5% शामिल हैं। *(स्त्रोत: नैसकॉम)*

एसटीपीआई-पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों द्वारा किया गया निर्यात वित्त वर्ष 2022-23 में ₹8.48 लाख करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 11% की वृद्धि दर के साथ ₹9.42 लाख करोड़ हो गया है।

भारत के उभरते स्टार्टअप इकोसिस्टम ने, विशेष रूप से तकनीकी क्षेत्र में, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा दिया है। भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम की सफलता डिजिटल बुनियादी ढांचे के विकास में सरकार की भूमिका को रेखांकित करती है, जिसमें आधार, यूपीआई और जेम जैसे सार्वजनिक डिजिटल प्लेटफॉर्मों का निर्माण शामिल है; डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और स्किल इंडिया जैसी प्रमुख योजनाओं की सफलता ने डिजिटल समावेशन, वित्तीय समावेशन और ईकॉमर्स के प्रसार को तेज किया है। देश में लगभग 950+ स्टार्टअप जुड़े हैं, जिससे इनकी कुल संख्या 31,000+ हो गई है। वित्त वर्ष 2023-24 में सॉफ्टवेयर उत्पाद उद्योग का कुल राजस्व $17 बिलियन रहा, जो वित्त वर्ष 2022-23 में $14.4 बिलियन था।

आईटी/आईटीईएस उद्योग को बढ़ावा देने के अलावा, एसटीपीआई देश को सॉफ्टवेयर उत्पाद राष्ट्र में बदलने के लिए एक जीवंत टेक स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाने के लिए काम कर रहा है। इसके लिए, एसटीपीआई ने उभरती तकनीकों में सहयोगी मॉडल के तहत पूरे भारत में 24 उद्यमिता केंद्र (सीओई) स्थापित किए हैं। 31 मार्च 2024 तक, 581 स्टार्टअप्स को शामिल किया गया है। टियर 2/टियर 3 शहरों में टेक स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए, एसटीपीआई ने नेक्स्ट जनरेशन इनक्यूबेशन स्कीम (एनजीआईएस) लागू की है। इस योजना के तहत, एसटीपीआई स्टार्टअप्स को ₹25 लाख का वित्तीय समर्थन प्रदान कर रहा है। 31 मार्च 2024 तक, एनजीआईएस के तहत 530 स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया गया है। इसके अलावा, एसटीपीआई ने उन टेक स्टार्टअप्स के लिए लीप अहेड नामक एक त्वरक कार्यक्रम लॉन्च किया है, जो विकास के चरण में हैं, अपने उत्पाद लाइनों में विविधता ला रहे हैं या नए भौगोलिक स्थानों में विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। इस पहल के तीन प्रमुख स्तंभ हैं – गुणवत्ता मार्गदर्शन, वैश्विक कनेक्ट और स्केलअप फंडिंग। इन पहलों के साथ, एसटीपीआई आईटी उद्योग को आगे बढ़ा रहा है और भारत में उद्यमिता के फलने-फूलने के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान कर रहा है।

जैसे-जैसे भारत उभरती तकनीकों को अपनाता जा रहा है, देश का स्टार्टअप इकोसिस्टम अभूतपूर्व वृद्धि के लिए तैयार है। सरकारी समर्थन, वेंचर कैपिटल निवेश और नवाचार तकनीकों का एकीकरण न केवल भारत के नवाचार परिदृश्य को मजबूत करेगा बल्कि देश को सॉफ्टवेयर उत्पाद और प्रौद्योगिकी-चालित समाधानों में एक वैश्विक नेता के रूप में भी स्थापित करेगा।

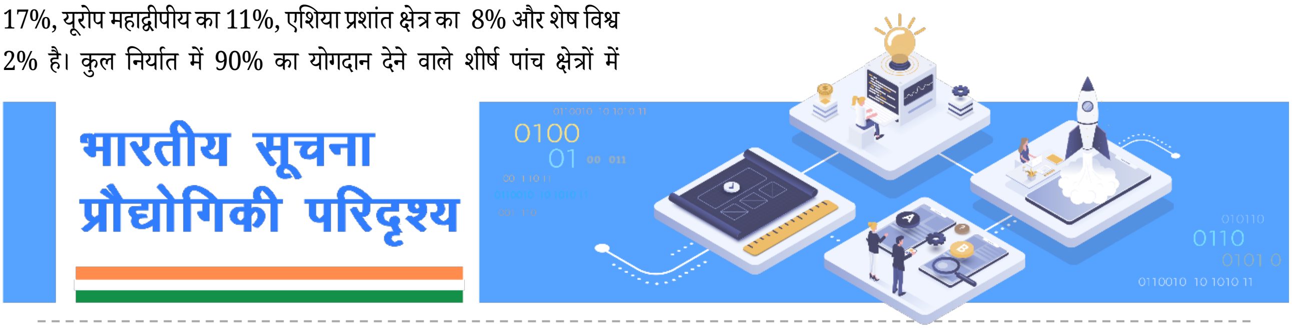

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई)-एक अवलोकन

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) की स्थापना और पंजीकरण, संस्था पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अधीन एक स्वायत्त संस्था के रूप में तत्कालीन इलेक्ट्रॉनिकी विभाग (अब इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय), भारत सरकार के अंतर्गत 5 जून, 1991 को की गई थी, जिसका उद्देश्य सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (एसटीपी) तथा इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (ईएचटीपी) योजनाओं के कार्यान्वयन, आधारभूत सुविधाओं की स्थापना और उनका प्रबंधन तथा प्रौद्योगिकी मूल्यांकन एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसी अन्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

संस्था के उद्देश्य

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया के उद्देश्य हैः

क) आईटीईएस/जैव-आईटी सहित सॉफ्टवेयर और सॉफ्टवेयर सेवाओं के विकास और निर्यात को बढ़ावा देना।

ख) एसटीपी/ईएचटीपी तथा इनके जैसी अन्य योजनाओं को, जोकि सरकार द्वारा समय-समय पर तैयार करके सौंपी जाती हैं, कार्यान्वित करके निर्यातकों को सांविधिक तथा अन्य संवर्धनात्मक सेवाएं उपलब्ध करवाना।

ग) आईटी/आईटीईएस संबंधित उद्योगों को मूल्य वर्धित सेवाओं सहित डेटा संचार सुविधाएं उपलब्ध कराना।

घ) आईटी/आईटीईएस के क्षेत्र में उद्यमशीलता के लिये अनुकूल वातावरण सृजित करके छोटे, लघु व मझौले उद्यमियों को बढ़ावा देना।

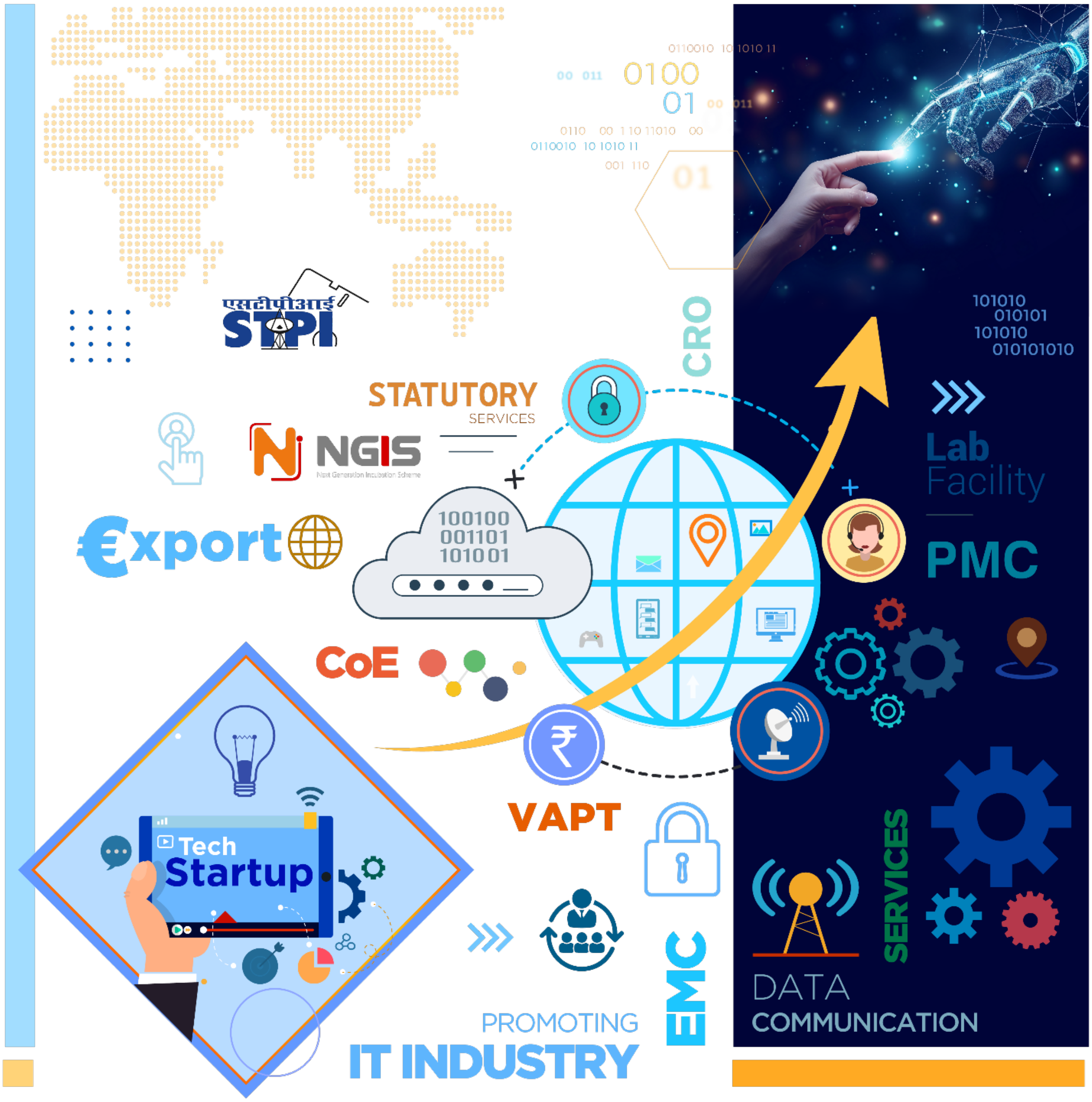

एसटीपीआई की पंजीकृत इकाइयों का प्रदर्शन

संस्था के उद्देश्यों को प्राप्त करने की दृष्टि से वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान हासिल की गई मुख्य उपलब्धियां तथा निष्पादित कार्यों का विवरण नीचे दिया गया हैः

सांविधिक सेवाओं का प्रावधान

एसटीपीआई प्रारंभ से ही निम्नलिखित योजनाओं के अंतर्गत पूरे देश में फैले विभिन्न एसटीपीआई केन्द्रों से सिंगल विन्डो क्लीयरेंस मैकेनिज्म द्वारा सांविधिक सेवाएं प्रदान कर रहा हैः

(क) सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (एसटीपी) योजना

(ख) इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क(ईएचटीपी) योजना

एसटीपीआई की पंजीकृत इकाइयों का विवरण

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान एसटीपी योजना में 93 नयी इकाइयां और केवल साफटेक्स अनुप्रमाणन सेवाएं प्राप्त करने वाली 705 इकाइयां पंजीकृत की गयी। इस प्रकार, वित्त वर्ष 2023 – 24 के दौरान कुल 798 इकाइयाँ पंजीकृत की गई। पिछले 4 वर्षों के दौरान, एसटीपीआई के साथ पंजीकृत इकाइयों की कुल संख्या का ग्राफ नीचे दर्शाया गया है:

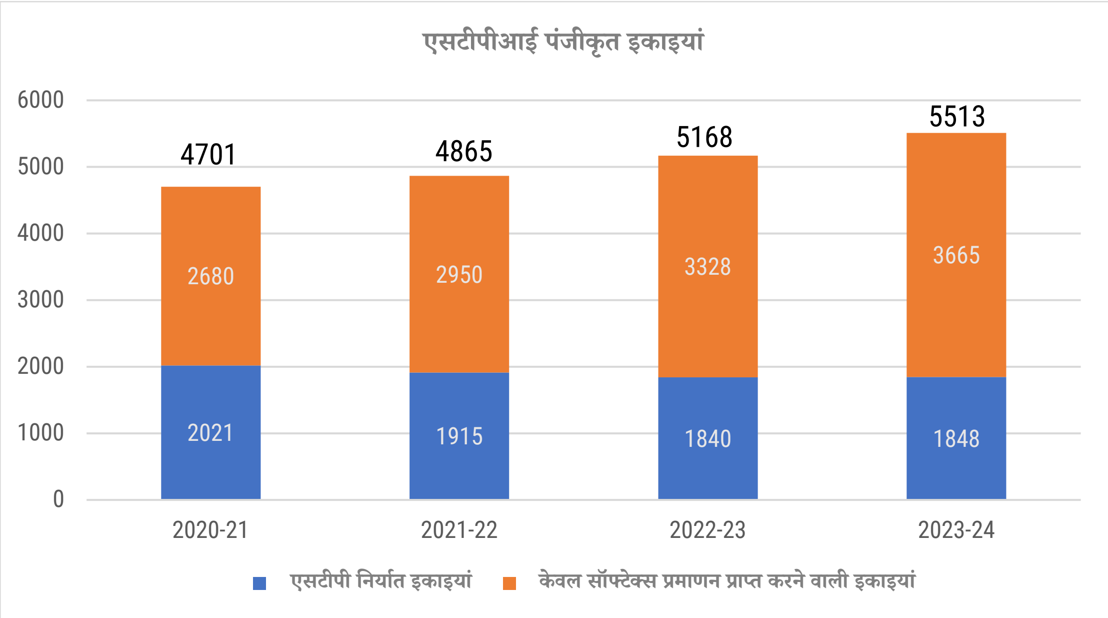

एसटीपीआई में पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों द्वारा निर्यात

एसटीपीआई - पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों द्वारा किए गए वर्ष 2022-23 के ₹8,48,398 करोड़ के कुल निर्यात की तुलना में वर्ष 2023-24 में निर्यात बढ़कर ₹9,43,312.66 हो गया है और यह वृद्धि 11.18% है।

वर्ष 2023-24 के दौरान किए गए निर्यात का विवरण निम्नानुसार है:

(क) एसटीपी योजना (एफटीडीआर अधिनियम 1992) के अंतर्गत सेवाएं प्राप्त करने वाली इकाइयों ने ₹ 6,36,619.87 करोड़ का निर्यात किया।

(ख) केवल सॉफ्टेक्स अनुप्रमाणन सेवाऐं प्राप्त करने वाली इकाइयों ने ₹3,06,692.80 करोड़ का निर्यात किया।

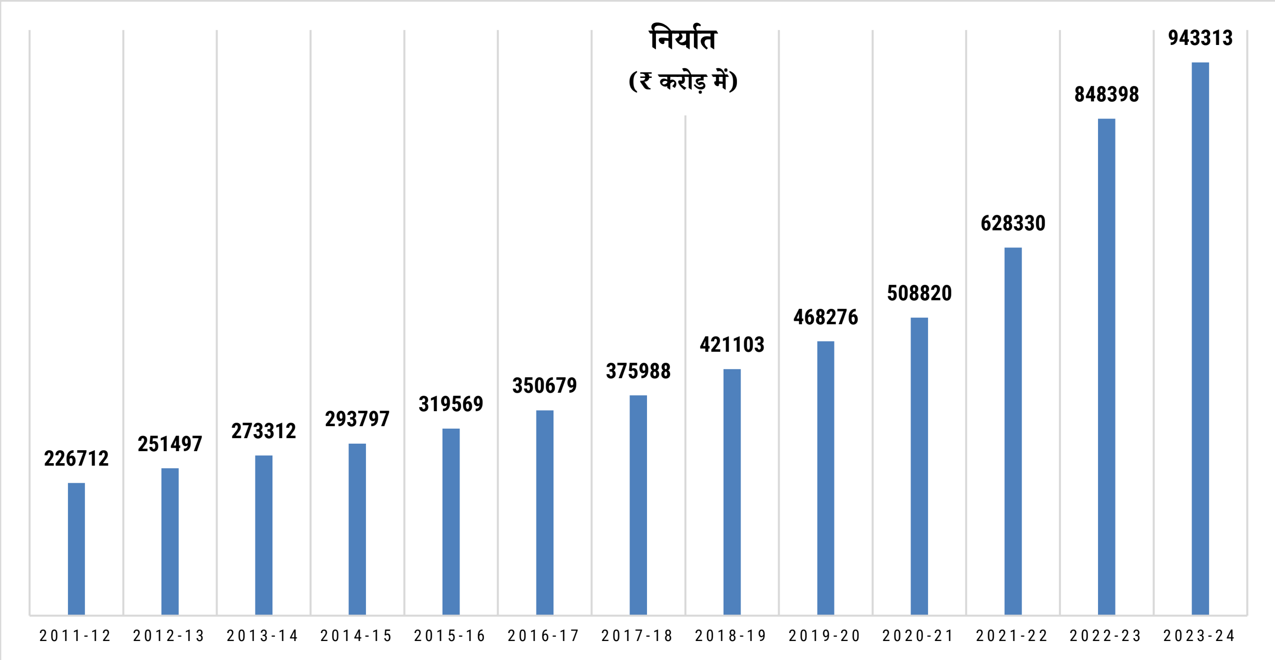

पंजीकृत इकाइयों द्वारा एसटीपीआई के माध्यम से सॉफ्टवेयर निर्यात का राज्यवार ब्यौरा नीचे दी गई तालिका के अनुसार है:

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश का नाम	2023-24
1	आंध्र प्रदेश	2,850.23
2	असम	42.51
3	बिहार	0.74
4	चंडीगढ़	1,417.64
5	छत्तीसगढ़	81.28
6	दिल्ली	8,348.57
7	गोवा	259.45
8	गुजरात	8,703.20
9	हरियाणा	53,172.07
10	हिमाचल प्रदेश	12.03
11	जम्मू और कश्मीर	41.93
12	झारखंड	53.14

13	कर्नाटक	4,09,095.04
14	केरल	6,303.40
15	मध्य प्रदेश	1,960.34
16	महाराष्ट्र	1,83,847.52
17	मेघालय	123.78
18	ओडिशा	3,302.87
19	पुदुचेरी	301.88
20	पंजाब	2,570.34
21	राजस्थान	3,217.82
22	सिक्किम	7.29
23	तमिलनाडु	80,677.43
24	तेलंगाना	1,21,116.62
25	उत्तर प्रदेश	42,416.13
26	उत्तराखंड	241.11
27	पश्चिम बंगाल	13,148.30
	कुल	**9,43,312.66**

ईएचटीपी इकाइयों द्वारा निर्यात

ईएचटीपी इकाइयों द्वारा किया गया निर्यात वर्ष 2022-23 के ₹9,881.65 करोड़ से 2.06% घटकर वर्ष 2023-24 में ₹9,677.98 करोड़ हो गया है।

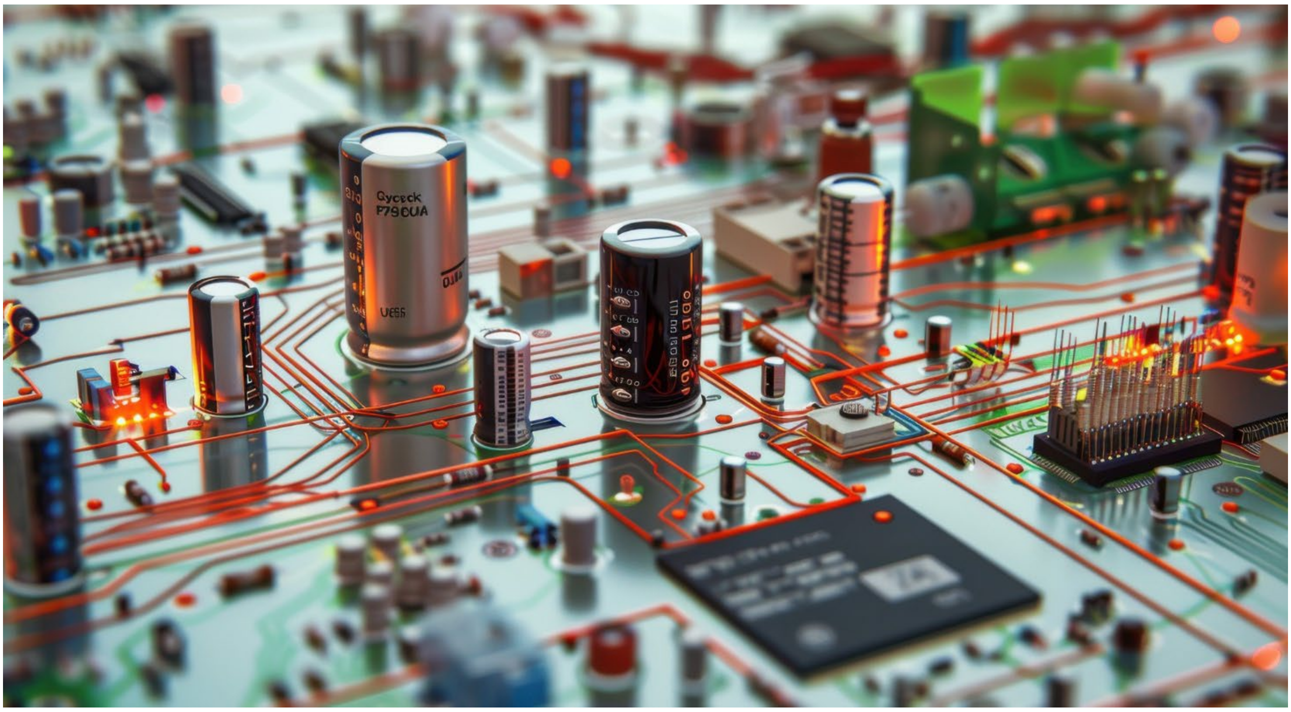

आईटी ग्रेड इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रावधान

आईटी उद्योगों को सेवा प्रदान करने के लिए केन्द्रों/सुविधाओं की स्थापना और विस्तार

आईटी/आईटीईएस/ईएसडीएम उद्योग को बढ़ावा देने और विकास के अपने मुख्य उद्देश्य को प्राप्त करने के प्रयास में, नए एसटीपीआई केंद्रों की स्थापना और मौजूदा केंद्रों में सुविधाओं के पुनर्गठन और विस्तार पर विशेष जोर दिया गया। नए केंद्र और सुविधाएं उद्योग को वैधानिक, इनक्यूबेशन, डेटाकॉम और स्टार्टअप प्रमोशनल सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से बनाई गई हैं, ताकि सॉफ्टवेयर और सॉफ्टवेयर सेवाओं के यथा संभव उच्चतम निर्यात के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके और स्टार्टअप इकोसिस्टम का पोषण किया जा सके। वर्तमान में, देश भर में 65 एसटीपीआई केंद्र संचालित हैं, जिनमें से 57 केंद्र टियर II और टियर III शहरों में स्थित हैं।

वर्तमान में, एसटीपीआई के पास देश भर में 14.70 लाख वर्ग फुट आईटी ग्रेड इंफ्रास्ट्रक्चर है, जिसमें से 5.60 लाख वर्ग फुट अपरिष्कृत इनक्यूबेशन जगह और 3700+ प्लग-एन-प्ले सीटें इनक्यूबेशन सेवाओं के लिए प्रदान की गई हैं। 31 मार्च 2024 तक, एसटीपीआई देश भर में 396 इनक्यूबीट्स को इनक्यूबेशन सेवाएँ प्रदान कर रहा है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान एसटीपीआई की निम्नलिखित बुनियादी सुविधाओं का परिचालन शुरू हो गया:

- 10,000 वर्ग फुट निर्मित क्षेत्र के साथ भागलपुर में एसटीपीआई के नए केंद्र की स्थापना।
- 41,200 वर्ग फुट निर्मित क्षेत्र के साथ कोच्चि में एसटीपीआई के नए केंद्र की स्थापना।
- एसटीपीआई जयपुर में 20,000 वर्ग फुट की अतिरिक्त इंक्यूबेशन सुविधा का निर्माण।
- एसटीपीआई नागपुर में 22,000 वर्ग फुट की अतिरिक्त इंक्यूबेशन सुविधा का निर्माण।
- एसटीपीआई तिरुवनंतपुरम में 38,200 वर्ग फुट की अतिरिक्त इंक्यूबेशन सुविधा का निर्माण।

निम्नलिखित नये केन्द्रों में बुनियादी ढांचे की स्थापना कार्यान्वयन के विभिन्न चरणो में है:

1. आगरा
2. गोरखपुर
3. बरेली
4. ईटानगर
5. अमृतसर
6. काँगड़ा
7. पंचकुला
8. जाजपुर
9. कोरापुट
10. संबलपुर
11. जमशेदपुर
12. दरभंगा
13. धनबाद
14. बालासोर

डेटा संचार और अन्य मूल्य वर्धित सेवाएं

डेटा संचार सेवाओं का प्रावधान

एसटीपीआई का सॉफ्टवेयर निर्यात क्षेत्र में एक उल्लेखनीय योगदान उच्च गति की डेटा (एचएसडीसी) सेवाएं उपलब्ध कराना है। एसटीपीआई वर्ष 1993 से ही भारत में डेटा संचार सेवा प्रदाता के रूप में अग्रणी रहा है। एसटीपीआई को श्रेणी-क इन्टरनेट सेवा प्रदाता (आईएसपी) का एकीकृत लाइसेंस प्राप्त है।

एसटीपीआई गुणवत्ता के प्रति जागरूक भारतीय आईटी उद्योग, शिक्षा संस्थाओं, सरकारी संगठनों आदि को एसटीपीआई द्वारा डिजाइन और विकसित किये गए सॉफ्टनेट, जो की आधुनिकतम एचएसडीसी नेटवर्क है, के माध्यम से सॉफ्टलिंक सेवाएं प्रदान करके डेटा संचार जरूरतों को पूरा करता है। यह सेवा पूरे भारत में प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य पर उपलब्ध है।

सॉफ्टलिंक

सॉफ्टलिंक एक ऐसी सेवा है, जो प्रीमियम इंटरनेट एक्सेस उपलब्ध करा रही है। उद्योगों की बढ़ती हुई माँग को पूरा करने की दृष्टि से बेहतर गुणवत्ता और प्रतिबद्धता के लिए यह सेवा शुरू की गयी थी। आज, काफी संख्या में ग्राहकों द्वारा सॉफ्टलिंक सेवा का लाभ उठाया जा रहा है। आज, सॉफ्टलिंक सेवा को एक बड़ा ग्राहक आधार प्राप्त है। 2023-24 में, एसटीपीआई देश भर में लगभग 37 जीबीपीएस इंटरनेट बैंडविड्थ के साथ 700 ग्राहकों को सेवा दे रहा था, जिनमें ज्यादातर एसटीपीआई-पंजीकृत इकाइयां शामिल हैं।

ऐक्सेस नेटवर्क/लास्ट माईल कनेक्टिविटी

विश्वसनीय लास्ट माईल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की दृष्टि से, एसटीपीआई ने पॉइंट-टू-पॉइंट और पॉइंट-टू-मल्टी पॉइंट वायरलेस नेटवर्क का प्रयोग करते हुए स्वयं का माइक्रोवेव नेटवर्क स्थापित किया है, जिससे एसटीपी इकाइयों की मूल आवश्यकताएं पूरी होती हैं। माइक्रोवेव ईथरनेट रेडियो के इस्तेमाल से नेटवर्क और अधिक सुदृढ़ हुआ है है ताकि एसटीपीआई के कुल नियंत्रण में लास्ट माईल की लंबी दूरी तक बड़ी बैंडविड्थ की डिलीवरी की जा सके। जहाँ कहीं भी संभव है वहाँ स्थानीय केबल (फाइबर/कॉपर) भी इस्तेमाल किये जाते हैं। माइक्रोवेव/ फाइबर लास्ट माईल कनेक्टिविटी के माध्यम से एसटीपीआई लगभग 99.9 प्रतिशत का उच्च अप-टाईम कायम रखने में सक्षम हुआ है।

ये संचार सुविधाएं अपतटीय सॉफ्टवेयर कार्यकलापों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है और कई आईटी/आईटीईएस उद्यमों की सफलता के लिए आधार के रूप में कार्य करती हैं।

वल्नरेबिलिटी अस्सेस्मेंट एंड पेनेट्रेशन टेस्टिंग (वीएपीटी):

भारत सरकार की एजेंसी होने के नाते, एसटीपीआई का एक प्रमुख उद्देश्य उद्योग को सक्षम बनाने में सहायता प्रदान करना है, ताकि वे अपने व्यवसाय को अधिक सुरक्षित तरीके से संचालित कर सकें, मूल्यवान डेटा की गोपनीयता, वफ़ादारी और उपलब्धता बनाए रखें (सीआईए) और विभिन्न सूचना संबंधी धमकियों और हमलों के परिणामस्वरूप होने वाले व्यावसायिक नुकसान को कम कर सकें। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, एसटीपीआई ने विभिन्न सरकारी और अन्य संगठनों की सूचना सुरक्षा ऑडिट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वीएपीटी सेवा की शुरुआत की और वित्तीय वर्ष 2023-24 में 42 ग्राहकों को सेवा प्रदान की। इसे आगे बढ़ाने के लिए एसटीपीआई को वीएपीटी सेवाओं के लिए सर्ट-इन में सूचना सुरक्षा लेखा परीक्षक (आईएसए) के रूप में पैनलबद्ध भी किया गया है।

डेटा केंद्र सेवाएं

ऑनलाइन सेवाओं के लिए नागरिकों की बढ़ती अपेक्षाओं और सरकारी और निजी और साथ ही कॉर्पोरेट ग्राहकों द्वारा शुरू की जा रही स्वचालन परियोजनाओं की संख्या के साथ, डेटा सेंटर की आवश्यकताएं तेजी से बढ़ रही हैं। उद्योग की जरूरत को पूरा करने के लिए, एसटीपीआई उच्च उपलब्धता, त्वरित मापनीयता, कुशल प्रबंधन और संसाधनों के इष्टतम उपयोग की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है।

एसटीपीआई ने चेन्नई, बेंगलुरु, मोहाली, भुवनेश्वर और विजयवाड़ा में लगभग कुल 55,000 वर्ग फुट के क्षेत्रफल और 700 रैक की क्षमता के साथ पांच अत्याधुनिक टियर III अनुपालन डेटा केंद्र स्थापित किये हैं। ये डेटा केंद्र सरकारी संगठनों/संस्थानों/उद्योगों और ऐसी अन्य एजेंसियों की आवश्यकता को पूरा कर रहे हैं । 31 मार्च 2024 तक, 79 ग्राहक इन केंद्रों से डेटा सेंटर सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं।

एसटीपीआई डेटा केंद्र का विवरण इस प्रकार हैं:

1. चेन्नई डेटा केंद्र

एमटीएनएल-एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लिमिटेड (एमएसआईटीएसएल), एमटीएनएल और एसटीपीआई की एक संयुक्त उद्यम कंपनी ने चेन्नई में संबद्ध कार्यालय (5,000 वर्ग फुट) के साथ 3,500 वर्ग फुट आकार का एक अत्याधुनिक विश्व स्तरीय टियर-III डेटा सेंटर और अपवार्ड स्केलेबल ऑपरेशन स्थापित किया है।

2. मोहाली डेटा केंद्र

यह डेटा केंद्र चंडीगढ़ के ट्राईसिटी में स्थित है, जो चंडीगढ़ के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से 8 किमी दूर स्थित है। एसटीपीआई-मोहाली डेटा केंद्र 6,000 वर्ग फुट के समर्पित सर्वर फार्म क्षेत्र के साथ लगभग 15,000 वर्ग फुट माप वाले भवन की पहली मंजिल पर स्थित है।

3. बेंगलुरु डेटा केंद्र

यह डाटा सेंटर 8,000 वर्ग फुट के सर्वर फार्म क्षेत्र के साथ लगभग 20,000 वर्ग फुट का है। यह सुविधा सरकार, उद्योग और शिक्षा संस्थानों को सर्वर को-लोकेशन, क्लाउड सेवाएं और प्रबंधित आईटी सेवाएं प्रदान करती है और यह बेंगलुरु, इलेक्ट्रॉनिक सिटी में एसटीपीआई परिसर में स्थित है।

4. भुवनेश्वर डेटा केंद्र

यह डेटा सेंटर सरकार/उद्योग और अन्य एजेंसियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 2,500 वर्ग फुट के सर्वर फार्म क्षेत्र के साथ लगभग 7,500 वर्ग फुट में स्थित है।

5. विजयवाड़ा डेटा केंद्र

यह डेटा केंद्र अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 22 किमी दूर आंध्र प्रदेश की राजधानी में स्थित है। यह डेटा सेंटर लगभग 2,500 वर्ग फुट का है, जिसमें सर्वर फार्म क्षेत्र लगभग 700 वर्ग फुट है।

व्यवसाय और तकनीकी आवश्यकताओं के आधार पर, ग्राहक विभिन्न प्रकार की सेवाओं जैसे को-लोकेशन सेवाओं, प्रबंधित सेवाओं के साथ ही क्लाउड और डीआर सेवाएं चुन सकते हैं।

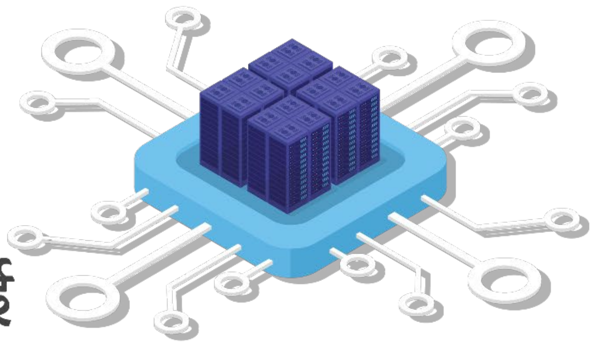

एसटीपीआई
डेटा सेंटर

परियोजना प्रबंधन और परामर्श (पीएमसी) सेवाएं

पिछले कई वर्षों में, एसटीपीआई प्रौद्योगिकी सेवाओं ने विस्तार और सेवा दोनों पोर्टफोलियो में बहुत विकास किया है। आज, एसटीपीआई के पोर्टफोलियो में संचार एवं आईटी, परियोजना प्रबंधन और परामर्श सेवाऐं और आईटी सुरक्षा लेखा परीक्षा सेवाऐं शामिल हैं जो कि विविध प्रकार के ग्राहकों कि सेवा में कार्यरत है जिनमे सरकारी विभागों, आईटी उद्योग, शिक्षा जगत के साथ-साथ विदेशी सरकारी संगठन शामिल है।

एसटीपीआई अपने ठोस डोमेन ज्ञान, तकनीकी क्षमता तथा प्रक्रिया ज्ञान के जरिए अपने उपभोक्ताओं की आवश्यकता को पूरा करने के लिए तदनुकूल समाधान हेतु बेहतर नीति बनाने में सक्षम हुआ है। इन समाधानों के परिणामस्वरूप संस्थागत संसाधनों का उचित उपयोग हुआ है और अपेक्षाऐं पूरी हुई हैं। दशकों से एसटीपीआई ने परियोजना प्रबंधन और परामर्श सेवाएं प्रदान करके कई सरकारी संगठनों की सहायता की है।

31 मार्च 2024 तक, कुछ प्रमुख परियोजनाओं के विवरण इस प्रकार हैं:

क्योंझर और जाजपुर माइनिंग सर्कल में सीयूजी

ग्राहक: खनन निदेशालय, ओडिशा सरकार।

एसटीपीआई -भुवनेश्वर को ओडिशा सरकार के खनन निदेशालय द्वारा क्योंझर और जाजपुर रोड माइनिंग सर्कल में एक क्लोज़्ड यूज़र ग्रुप (सीयूजी) नेटवर्क स्थापित करने का कार्य सौंपा गया है।

- जाजपुर रोड माइनिंग सर्कल के पारादीप में चेक गेट और खनन कार्यालय क्योंझर, ३ चेक गेट्स और खान उप निदेशक (डीडीएम) और सहायक खनन कार्यालय (एएमओ) को जोड़ने के लिए एक मजबूत और सुरक्षित नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण और प्रबंधन करना।
- खनिज परिवहन के लिए ऑनलाइन ई-पास सत्यापन और अपडेट के लिए चेक गेट स्तर पर आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करना ।
- वास्तविक समय निगरानी बनाए रखने के लिए निगरानी सुविधा का निर्माण।
- सीयूजी नेटवर्क का प्रबंधन और निगरानी करने के लिए विशेषज्ञता वाली समर्पित तकनीकी टीम की तैनाती।
- सीयूजी के लिए एक विकल्प/बैकअप के रूप में और कार्यालय उपयोग के लिए भी इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करना ।
- इसकी स्थापना के बाद वर्तमान में 5 वर्ष की अवधि के लिए बुनियादी ढांचे का रखरखाव चल रहा है ।

खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता कल्याण विभाग के लिए ओडिशा राज्य डेटा सेंटर और एसटीपीआई डेटा सेंटर में आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर/बिज़नेस कॉन्टिन्यूइटी प्रोसेस (बीसीपी)

ग्राहक: खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता कल्याण विभाग (एफएस एंड सीडब्ल्यू), ओडिशा सरकार।

खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता कल्याण विभाग (एफएस एंड सीडब्ल्यू), ओडिशा सरकार द्वारा एसटीपीआई-भुवनेश्वर को ओडिशा राज्य डेटा सेंटर (ओएसडीसी) और एसटीपीआई डेटा सेंटर इन्फ्रास्ट्रक्चर के बीच निम्नलिखित डिलीवरेबल्स के साथ बिजनेस कॉन्टिन्यूइटी सर्विस स्थापित करने का काम सौंपा गया है:

- सर्वर, स्टोरेज, नेटवर्क, फ़ायरवॉल, सीओटीएस आदि की खरीद।
- सक्रिय-निष्क्रिय क्लस्टरिंग मोड में सर्वर, स्टोरेज, स्विच, फ़ायरवॉल ऑपरेटिंग सिस्टम, वर्चुअल एनवायरनमेंट और डेटाबेस सहित आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर की स्थापना, कॉन्फ़िगरेशन और कमीशनिंग।
- ओएसडीसी और एसटीपीआई के डेटा सेंटर में फेल-ओवर मोड के साथ आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर की स्थापना और कॉन्फ़िगरेशन।
- तकनीकी सहायता और रखरखाव, साथ ही 5 साल की वारंटी कवरेज, वर्तमान में जारी है।

खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता कल्याण के लिए डेटा एन्क्रिप्शन समाधान

ग्राहक: खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता कल्याण विभाग, ओडिशा सरकार।

एसटीपीआई-भुवनेश्वर को खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता कल्याण विभाग, ओडिशा सरकार द्वारा खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता कल्याण के लिए डेटा एन्क्रिप्शन समाधान की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग और रखरखाव का काम ऑनसाइट संचालन और तीन साल के लिए व्यापक वारंटी के साथ निम्नलिखित डिलीवरेबल्स के साथ सौपा गया है:

- डिजिटल डेटा सुरक्षा और गोपनीयता - कंप्यूटर पर संग्रहीत और इंटरनेट पर प्रसारित डेटा के लिए।
- हितधारकों के रिकॉर्ड और सूचना सुरक्षा और गोपनीयता
- रिकॉर्ड की सुरक्षा या अखंडता के लिए किसी भी प्रत्याशित खतरे या जोखिम के खिलाफ सुरक्षा
- सूचना तक अनधिकृत पहुंच के खिलाफ सुरक्षा जिसके परिणामस्वरूप किसी भी हितधारक को काफी नुकसान या असुविधा हो सकती है।
- तकनीकी सहायता और रखरखाव, साथ ही 3 साल की वारंटी कवरेज, वर्तमान में जारी है।

खनन निदेशालय के लिए ओएसडीसी और एसटीपीआई डेटा सेंटर (डीसी) में आईटी अवसंरचना/(बीसीपी)

ग्राहक: खनन निदेशालय, ओडिशा सरकार

एसटीपीआई-भुवनेश्वर को खनन निदेशालय, ओडिशा सरकार द्वारा ओएसडीसी और एसटीपीआई डीसी में आईटी अवसंरचना की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग के लिए खान निदेशालय, ओडिशा सरकार द्वारा सौंपा गया है। उनके व्यवसाय निरंतरता योजना/ डीसी – डीआर के लिए ओडिशा राज्य डेटा सेंटर के साथ तीन साल के सपोर्ट के साथ निम्नलिखित डिलीवरेबल्स:

- ओएसडीसी और एसटीपीआई इलीट डेटा सेंटर में सभी उपकरणों की आपूर्ति, स्थापना, कॉन्फ़िगरेशन और कमीशनिंग। सिस्टम को आवश्यक मेमोरी, घटकों, चयनित या निर्दिष्ट ऑपरेटिंग सिस्टम और एप्लिकेशन सॉफ़्टवेयर के साथ पूरी तरह से कॉन्फ़िगर किया जाना चाहिए।
- ऑपरेटिंग सिस्टम, वर्चुअल एनवायरनमेंट और स्टोरेज एनवायरनमेंट पर डेटाबेस की सक्रिय-निष्क्रिय क्लस्टरिंग मोड में स्थापना और कॉन्फ़िगरेशन। सभी प्रकार के कॉन्फ़िगरेशन (ओएस और डेटाबेस दोनों) को 10,000 की संख्या के समवर्ती सत्र को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।
- ओएसडीसी और एसटीपीआई डीसी में आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर का कॉन्फ़िगरेशन डीसी-डीआर में फेलओवर मोड के साथ।
- 5 साल के लिए तकनीकी सहायता और रखरखाव, वर्तमान में चल रहा है।

एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एससीबीएमसीएच) में कैंपस वाई-फाई परियोजना के तहत नेटवर्किंग उपकरणों के सुविधा प्रबंधन के साथ व्यापक रखरखाव

ग्राहक: एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, ओडिशा सरकार

एसटीपीआई-भुवनेश्वर को एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, ओडिशा सरकार द्वारा एससीबी मेडिकल कॉलेज, ओडिशा सरकार में कैंपस वाई-फाई परियोजना के तहत नेटवर्किंग उपकरणों के सुविधा प्रबंधन के साथ व्यापक रखरखाव स्थापित करने का काम सौंपा गया है, जिसमें निम्नलिखित डिलीवरेबल्स शामिल हैं:

- एससीबीएमसीएच परिसर में सभी प्रमुख आवासीय और शैक्षणिक भवनों में ओएफसी बैकबोन कनेक्टिविटी के साथ एक कैंपस-वाइड वाई-फाई नेटवर्क।
- सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए सुरक्षित वायरलेस एक्सेस को कैंपस नेटवर्क में उपयोगकर्ता-आधारित सुरक्षा कारकों जैसे उपयोगकर्ता-आधारित बैंडविड्थ प्रबंधन, उपयोगकर्ता-डिवाइस स्तर फ़िल्टरिंग और नीति नियंत्रण सहित एप्लिकेशन फ़िल्टरिंग के साथ एकीकृत किया जाना है।
- दैनिक रखरखाव और हेल्पडेस्क उद्देश्यों के लिए पर्याप्त आवासीय इंजीनियरों की तैनाती की जाएगी।
- रखरखाव के लिए आईटी हार्डवेयर की आपूर्ति, वायरलेस और नेटवर्क प्रबंधन सेवाओं के साथ, वर्तमान में 3 वर्षों से चल रही है।

फाइबर बैकबोन के साथ कैंपस वाई-फाई नेटवर्क का विस्तार, एससीबीएमसीएच

ग्राहक: एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, कटक, भारत सरकार

एसटीपीआई-भुवनेश्वर को एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल द्वारा मौजूदा वाई-फाई नेटवर्क के विस्तार के लिए निम्नलिखित कार्य सौंपे गए हैं:

- वाई-फाई कवरेज का विस्तार करना और अपने भवनों और विभागों में कैंपस वायरलेस नेटवर्क को बेहतर बनाना और वाई-फाई सिग्नल को मजबूत करना।
- इंटरनेट के साथ-साथ राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) सुविधाओं को छात्रावास भवनों में 24x7 आधार पर उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है ताकि सभी हितधारकों को संसाधनों का लाभ उठाने में सक्षम बनाया जा सके।
- सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए सुरक्षित वायरलेस एक्सेस को कैंपस नेटवर्क में उपयोगकर्ता-आधारित सुरक्षा कारकों जैसे उपयोगकर्ता-आधारित बैंडविड्थ प्रबंधन, उपयोगकर्ता-डिवाइस स्तर फ़िल्टरिंग और नीति नियंत्रण सहित एप्लिकेशन फ़िल्टरिंग के साथ एकीकृत किया जाना है।
- रखरखाव के लिए आईटी हार्डवेयर की आपूर्ति, साथ ही वायरलेस और नेटवर्क प्रबंधन सेवाएं, वर्तमान में 3 वर्षों से चल रही हैं।

ओडिशा में पर्यटन और आतिथ्य सेवाओं की बुकिंग प्रणाली के लिए वेब और मोबाइल आधारित अनुप्रयोगों का संवर्धन, संचालन और प्रबंधन

ग्राहक: ओडिशा पर्यटन विभाग, ओडिशा सरकार।

एसटीपीआई-भुवनेश्वर को ओडिशा में पर्यटन और आतिथ्य सेवाओं की बुकिंग प्रणाली के लिए वेब-आधारित अनुप्रयोगों के संवर्धन, संचालन और प्रबंधन के लिए आईटी सेवा प्रदाता के रूप में तीन साल के समर्थन और सेवा के साथ सौंपा गया है, जिसमें निम्नलिखित डिलीवरेबल्स हैं:

- ओटीडीसी द्वारा प्रदान की जाने वाली सभी सेवाओं के लिए वेब पेज बुक करना।
- मौजूदा ओडिशा पर्यटन साइट के साथ नए बुकिंग इंजन का सहज एकीकरण।
- पर्यटकों को सेवाओं को बुक करने और खरीदने के लिए एक ऑल-इन-वन प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करना।
- सभी मौजूदा ओटीडीसी बुकिंग साइटों को नए बुकिंग पोर्टल के साथ विलय करना।
- बुकिंग प्रणाली के लिए मोबाइल एप्लिकेशन बनाना
- परिवर्तन अनुरोध
- परियोजना का 3 साल का रखरखाव वर्तमान में चल रहा है।

i3एम्एस परियोजना के लिए स्वचालित मानव रहित वेब्रिज

ग्राहक: खनन निदेशालय, ओडिशा सरकार।

STPI-भुवनेश्वर को खान निदेशालय, ओडिशा सरकार द्वारा i3MS परियोजना के लिए स्वचालित मानव रहित वेब्रिज की स्थापना के लिए चार साल के समर्थन और

सेवा के साथ सौंपा गया है, जिसमें निम्नलिखित डिलीवरेबल्स शामिल हैं:

- मानव रहित वेब्रिज समाधान के लिए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की आपूर्ति, स्थापना और विन्यास
- चेक-गेट संचालन निगरानी के लिए एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर का विकास
- i3MS एप्लिकेशन, सीसीटीवी, आईआर सेंसर, ट्रैफिक लाइट और बूम बैरियर जैसे हार्डवेयर घटकों के साथ एकीकरण।
- वारंटी समर्थन के साथ-साथ प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण वर्तमान में चल रहा है।

जोडा और कोइरा खनन सर्किल में सीयूजी आईटी नेटवर्क के लिए आपूर्ति, स्थापना, रखरखाव और प्रबंधन सेवाएँ

ग्राहक: खान निदेशालय, ओडिशा सरकार।

एसटीपीआई-भुवनेश्वर को खान निदेशालय, ओडिशा सरकार द्वारा जोडा और कोइरा खनन सर्किल में सीयूजी आईटी नेटवर्क के लिए आपूर्ति, स्थापना, रखरखाव और प्रबंधन सेवाओं के लिए तीन साल के लिए सौंपा गया है, जिसमें निम्नलिखित कार्य शामिल हैं:

- जोडा और कोइरा खनन सर्किल में क्लोज्ड यूजर ग्रुप (सीयूजी) आईटी नेटवर्क का उन्नयन, प्रतिस्थापन, रखरखाव और सुविधा प्रबंधन सेवाएं।
- जोडा सीयूजी/उपकरण के पुराने और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे का सर्वेक्षण करना और उसे उच्च संस्करण से बदलना।
- दोनों स्वतंत्र नेटवर्क (जोडा और कोइरा) को एक एकल नेटवर्क क्षेत्र में विलय करना और सेवाओं और प्रबंधन क्षमता को एक मंच में विलय करना।
- 5 वर्षों की अवधि के लिए सीयूजी नेटवर्क के लिए समर्पित जनशक्ति की तैनाती और प्रबंधन का कार्य वर्तमान में जारी है।

डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाएं

ग्राहक: कर्नाटक म्युनिसिपल डेटा सोसाइटी (केएमडीएस)

एसटीपीआई म्युनिसिपल डेटा सेंटर के लिए संचालन और रखरखाव सेवाएं प्रदान कर रहा है, जिसमें सर्वर और सिस्टम प्रशासन, नेटवर्क प्रशासन, डीबीए, आदि शामिल हैं, जो नागरिक-केंद्रित अनुप्रयोगों के लिए हैं, जिन्हें केएमडीएस डेटा सेंटर में शुरू से ही होस्ट किया गया है। एसएएन और इंटरनेट जैसी संबद्ध सेवाएं भी केएमडीएस को दी जा रही हैं। इसके साथ ही, म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन निदेशालय (डीएमए) सभी नागरिक-केंद्रित अनुप्रयोगों की उच्च उपलब्धता सफलतापूर्वक प्रदान करने में सक्षम रहा है। एसटीपीआई ने सफलतापूर्वक सेवाएँ प्रदान की हैं और सिस्टम, डेटाबेस और नेटवर्क का 99.9 प्रतिशत अपटाइम हासिल करने में सक्षम रहा है। केएमडीएस डेटा सेंटर के लिए डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर (संचालन और रखरखाव) सेवाओं में निम्नलिखित शामिल हैं:

- सिस्टम प्रशासन
- नेटवर्क प्रशासन
- डेटाबेस प्रशासन
- आईटी प्रबंधन सहायता सेवाएं
- 1 वर्ष की अवधि के लिए समर्पित जनशक्ति की तैनाती वर्तमान में चल रही है।

एकीकृत शहर संचालन मंच (आईसीओपी) सहित स्मार्ट सिटी अनुप्रयोगों की मेजबानी के लिए केंद्रीकृत डेटा सेंटर की स्थापना के लिए पीएमसी सेवाएं

ग्राहक: कर्नाटक शहरी अवसंरचना विकास एवं वित्त निगम लिमिटेड (केयूआईडीएफसी), शहरी विकास विभाग, जीओके

केयूआईडीएफसी ने डीएमए के माध्यम से एसटीपीआई को आईसीओपी सहित स्मार्ट सिटी अनुप्रयोगों की मेजबानी के लिए केंद्रीकृत डेटा सेंटर की स्थापना के लिए परियोजना प्रबंधन सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है। एसटीपीआई सेवाओं के व्यापक दायरे में डेटा सेंटर का डिजाइन, आईसीटी अवसंरचना (आईटी और गैर-आईटी) का आकार, डीपीआर की तैयारी, उपयुक्त सिस्टम इंटीग्रेटर के चयन के लिए आरएफपी दस्तावेज की तैयारी, कार्यान्वयन के दौरान परियोजना की निगरानी आदि शामिल हैं। एसटीपीआई ने बोली मूल्यांकन और मास्टर सिस्टम इंटीग्रेटर की पहचान के दौरान डीएमए (केएमडीएस), जीओके का समर्थन किया है। एसटीपीआई केएमडीएस में केंद्रीकृत डेटासेंटर की स्थापना के लिए परियोजना निगरानी और परामर्श सेवाएं प्रदान कर रहा है। वर्तमान में, डेटासेंटर के सहायक बुनियादी ढांचे के कार्य और आईटी उपकरणों की स्थापना का कार्य पूरा हो चुका है और आईसीओपी कार्य और जीआईएस कार्य प्रगति पर हैं।

स्टोरेज एरिया नेटवर्क (SAN) / रिमोट बैकअप सेवा

ग्राहक: कर्नाटक म्युनिसिपल डेटा सोसाइटी (केएमडीएस)

एसटीपीआई वर्ष 2007 से कर्नाटक म्युनिसिपल डेटा सोसाइटी (केएमडीएस) को स्टोरेज एरिया नेटवर्क (एसएएन) / रिमोट बैकअप सेवा प्रदान कर रहा है, जिसमें केएमडीएस डेटा सेंटर का बैकअप एसटीपीआई बेंगलुरु के स्टोरेज एरिया नेटवर्क (एसएएन) में लिया जाता है, जिससे आपदाओं के दौरान केएमडीएस डेटा सेंटर में कर्नाटक सरकार के अनुप्रयोगों के डेटा हानि को रोकने के लिए स्वचालित बैकअप समाधान द्वारा डेटा सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है।

परियोजना प्रबंधन सेवा

ग्राहक: ई-गवर्नेंस केंद्र, कर्नाटक सरकार

ई-गवर्नेंस केंद्र, कर्नाटक सरकार ने ई-गवर्नेंस, कर्नाटक सरकार की विभिन्न आईसीटी परियोजनाओं के लिए परियोजना निगरानी सेवाओं के लिए एसटीपीआई को नियुक्त किया है। परियोजना निगरानी सेवा प्रदान करने के लिए एसटीपीआई द्वारा एक परियोजना प्रबंधन संसाधन को पूर्णकालिक आधार पर तैनात किया गया है।

पीएमसी सेवाएँ या केरल राज्य डेटा केंद्रों के गैर-कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे का विस्तार और पुनर्गठन

ग्राहक: केरल राज्य आईटी मिशन (केएसआईटीएम)

केएसआईटीएम, कोर आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, ई-गवर्नेंस एप्लीकेशन, सेवा वितरण प्लेटफॉर्म, क्षमता निर्माण, अभिनव परियोजनाओं, आईटी सुरक्षा पहल आदि के लिए केरल सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के लिए एक स्वायत्त नोडल आईटी कार्यान्वयन एजेंसी है, जो को-बैंक टावर्स में स्थित एसडीसी-1 और टेक्नोपार्क, तिरुवनंतपुरम में एसडीसी-2 का प्रबंधन करती है।

केएसआईटीएम ने 1 मार्च 2021 को एसटीपीआई को पीएमसी के रूप में कार्य

सौंपा है, जिसके अंतर्गत तिरुवनंतपुरम के टेक्नोपार्क में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार स्टेट डेटा सेंटर-2 में अतिरिक्त सर्वर फार्म क्षेत्र का डिजाइन और कार्यान्वयन, एसडीसी-2 के विस्तार को ध्यान में रखते हुए मौजूदा विद्युत अवसंरचना का उन्नयन और एसडीसी-1 और 2 में मौजूदा बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम (बीएमएस) का उन्नयन शामिल है। एसडीसी-2 में विस्तार के लिए उपलब्ध क्षेत्र लगभग 2750 वर्ग फुट है। पीएमसी गतिविधि का संक्षिप्त दायरा जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:

- परियोजना व्यवहार्यता का मूल्यांकन और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत करना
- परियोजना आवश्यकताओं को एकत्रित करने और अंतिम रूप देने में केएसटीआईएम को सहायता प्रदान करना
- निविदा प्रक्रिया, बोली मूल्यांकन और सिस्टम इंटीग्रेटर की पहचान में सहायता करना
- परियोजना के कार्यान्वयन के दौरान सिस्टम इंटीग्रेटर के साथ समन्वय करना
- आवधिक परियोजना प्रगति समीक्षा और केएसआईटीएम प्रबंधन को अद्यतन करना
- सिस्टम इंटीग्रेटर द्वारा यूजर एक्सेप्टेंस टेस्टिंग (यूएटी) का सत्यापन किया गया, परियोजना को केएसआईटी को सौंप दिया गया

केरल राज्य डेटा केंद्रों के गैर-आईटी बुनियादी ढांचे का विस्तार और पुनरुद्धार

ग्राहक: केरल राज्य आईटी मिशन (केएसआईटीएम)

केरल राज्य ई-गवर्नेंस के लिए नोडल एजेंसी है जो कोर आईटी बुनियादी ढांचे, ई-गवर्नेंस एप्लिकेशन, सेवा वितरण प्लेटफॉर्म, क्षमता निर्माण, अभिनव परियोजनाएं, आईटी सुरक्षा पहल आदि को लागू करती है। केरल में राज्य डेटा केंद्रों में गैर-आईटी बुनियादी ढांचे के विस्तार और पुनरुद्धार के लिए परामर्श के लिए एसटीपीआई त्रिवेंद्रम को केएसआईटीएम द्वारा नियुक्त किया गया है। पीएमसी गतिविधि का संक्षिप्त दायरा जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:

- अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार सभी आवश्यक सिविल, इलेक्ट्रिकल, एचवीएसी और अन्य प्रणालियों के साथ सर्वर फार्म क्षेत्र का डिजाइन, निर्माण।
- राज्य डेटा केंद्रों पर मौजूदा बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम (बीएमएस) को अपग्रेड करना
- निविदाओं का मूल्यांकन करना, कार्यान्वयन के बाद स्वीकृति परीक्षण करना।

स्मार्ट डेटा सेंटर की स्थापना

ग्राहक: केरल यूनिवर्सिटी ऑफ डिजिटल साइंसेज, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी

केरल यूनिवर्सिटी ऑफ डिजिटल साइंसेज, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी की स्थापना केरल सरकार द्वारा एक राज्य विश्वविद्यालय के रूप में की गई है। विश्वविद्यालय में डेटा इंजीनियरिंग, मशीन लर्निंग, डेटा सुरक्षा, ब्लॉक चेन, जियो स्पैटियल एनालिटिक्स, कृषि सूचना विज्ञान आदि क्षेत्रों में कई शोध केंद्र हैं। केरल यूनिवर्सिटी ऑफ डिजिटल साइंसेज, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ने मार्च 2022 में एसटीपीआई को पीएमसी सेवाओं के लिए टियर III प्रमाणन के साथ स्मार्ट डेटा सेंटर को डिजाइन और कार्यान्वित करने के लिए नियुक्त किया है, जिसका कार्य क्षेत्र निम्नलिखित है:

- अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार सभी आवश्यक सिविल, इलेक्ट्रिकल, नेटवर्किंग (पैसिव), बीएमएस घटकों के साथ सर्वर फ़ार्म क्षेत्र के डिज़ाइन, निर्माण के लिए व्यवहार्यता अध्ययन और आरएफपी को अंतिम रूप देना।
- निविदा प्रक्रिया के सुचारू संचालन, बोलियों के मूल्यांकन और सिस्टम इंटीग्रेटर का चयन करने के लिए केरल यूनिवर्सिटी ऑफ डिजिटल साइंसेज, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी का समर्थन करना।
- परियोजना के कार्यान्वयन की निगरानी करना और कार्यान्वयन के बाद स्वीकृति परीक्षण करना।
- टियर-III अनुपालन प्रमाणन प्रक्रिया के लिए आवश्यक सहायता और समर्थन प्रदान करना।

बीपीओ संवर्धन योजनायें-आईटी नौकरियों का सृजन

संतुलित क्षेत्रीय विकास और छोटे शहरों में आईटी उद्योग के विस्तार के लिए, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने डिजिटल इंडिया पहल के तहत भारत बीपीओ संवर्धन योजना (आईबीपीएस) और पूर्वोत्तर बीपीओ संवर्धन योजना (एनईबीपीएस) आरम्भ की हैं। योजना के उद्देश्य छोटे शहरों में बीपीओ/आईटीईएस परिचालन स्थापित कर स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और संबंधित क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निवेश आकर्षित करना हैं। एसटीपीआई दोनों योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी है। उपरोक्त योजनाएं पात्र कंपनियों को वायबिलिटी गैप फंडिंग के रूप में प्रति सीट 1 लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं।

एनईबीपीएस का लक्ष्य पूर्वोत्तर राज्यों में 5000 सीटों की स्थापना के लिए सहायता प्रदान करना है। योजना के अंतर्गत बीपीओ/आईटीईएस के संचालन के लिए 30 सफल बोलीदाताओं को 3511 सीटें आवंटित की गई हैं। एनईबीपीएस के तहत 19 बीपीओ/आईटीईएस इकाइयां परिचालन में हैं, जिन्होंने 810 व्यक्तियों को रोजगार दिया है।

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) और मेट्रो शहरों को छोड़कर आईबीपीएस योजना के अंतर्गत, पूरे देश में 48,300 सीटों के वितरण की योजना बनाई गई है। आईबीपीएस के तहत पूरे देश में बीपीओ/आईटीईएस ऑपरेशन की स्थापना के लिए 227 सफल बोलीदाताओं को 57,697 सीटों का आवंटन किया गया है।

आईबीपीएस के तहत 227 बीपीओ/आईटीईएस इकाइयां या तो परिचालन में हैं या उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा कर लिया है और इसमें 52,566 व्यक्तियों को रोजगार दिया है।

योजनाओं के तहत बीपीओ/आईटीईएस इकाइयों को कुल 133.37 करोड़ रुपये की कुल वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) स्वीकृत/वितरित की गई है।

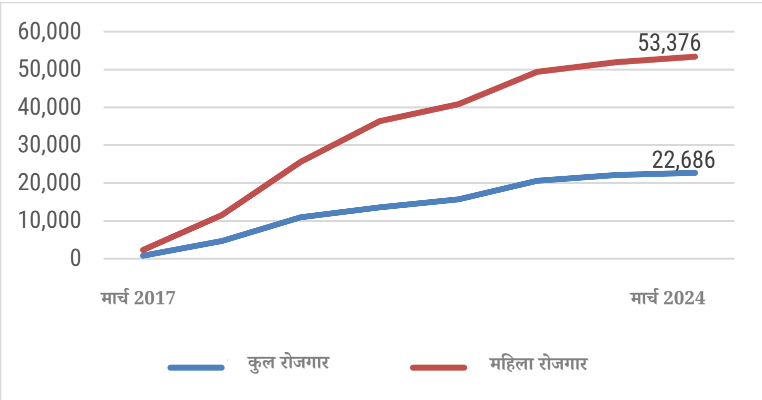

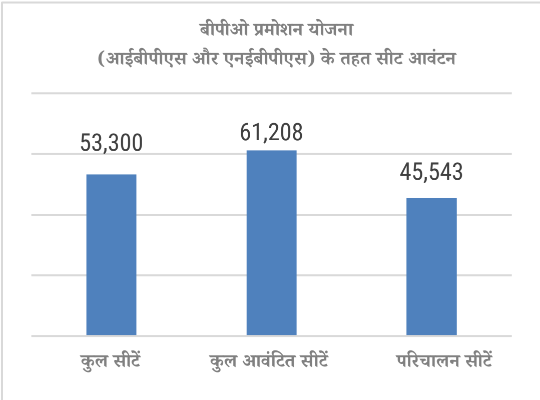

संशोधित इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर योजना/ईएमसी 2.0

ईएमसी 2.0 योजना को 1 अप्रैल 2020 को 8 साल की कार्यान्वयन अवधि (अर्थात् मार्च 2028 तक) के साथ अधिसूचित किया गया था। योजना में 31 मार्च 2023 तक आवेदन किया जा सकता है। ईएमसी 2.0 योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण आधार सुदृढ़ करने, अपनी सप्लाई चेन के साथ उत्पादन करने के लिए एंकर इकाइयों को आकर्षित करने, विश्व स्तरीय प्लग-एन-प्ले बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक लागत को कम करने के लिए एक व्यापक सप्लाई चेन/ इकोसिस्टम बनाना है। योजना के लिए कुल बजटीय सहायता ₹3,762 करोड़ है।

ईएमसी 2.0 के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता नीचें दी गई है:

- ईएमसी परियोजना प्रत्येक 100 एकड़ भूमि के लिए ₹70 करोड़ की सीमा के साथ परियोजना लागत का 50% तक। एक ईएमसी परियोजना के लिए कुल वित्तीय सहायता की राशि ₹350 करोड़ से अधिक नहीं हो सकती है।
- सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी): प्रति परियोजना ₹75 करोड़ की अधिकतम सीमा के साथ परियोजना लागत का 75% तक।

यह योजना भारत में भारी निवेश लाएगी जिससे भारत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में सर्वोच्च स्थान बन सकेगा।

एसटीपीआई को ईएमसी 2.0 के सुचारू कार्यान्वयन का नेतृत्व करने के लिए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा परियोजना प्रबंधन एजेंसी (पीएमए) के रूप में नियुक्त किया गया है।

31 मार्च 2024 के अनुसार ईएमसी 2.0 योजना: छह स्वीकृत परियोजनाएं (पांच ईएमसी एक सीएफसी)

राज्य	स्थान	परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए)	क्षेत्र (एकड़ में)	विक्रेय क्षेत्र (एकड़ में)	परियोजना लागत (₹ करोड़ में)	स्वीकृत वित्तीय एमईआईटीवाई से सहायता (₹ करोड़ में)	स्थिति
आन्ध्र प्रदेश	कडपा, वाईएसआर	एपीआईआईसी	540	347.40	748.76	350.00	आवेदन अनुमोदित
हरियाणा	आईएमटी, सोहना	एचएसआईआईडीसी	500	291 .69	662.08	331.04	आवेदन अनुमोदित
महाराष्ट्र	रंजनगांव, फेज III, पुणे	एम्आईडीसी	297.11	200.05	492.85	207.98	आवेदन अनुमोदित
कर्नाटक	कोतूर – बेलूर, आईए, धारवाड़	केआईएडीबी	224.5	151.10	179.14	89.57	आवेदन अनुमोदित
उत्तराखंड	आईआईई काशीपुर	सिडकुल	133.82	73.20	136.35	57.78	आवेदन अनुमोदित
तेलंगाना	टी-वर्क्स सीएफसी हैदराबाद	टी- वर्क्स	1	लागू नहीं	104.63	75.00	आवेदन अनुमोदित

विवरण	वर्ष समाप्ति	
	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2023-24
परियोजनाओं की संख्या		
लागू परियोजनाओं की कुल संख्या	12	31
स्वीकृत परियोजनाओं की कुल संख्या	4	6
स्वीकृत परियोजनाओं की स्थिति		
परियोजना क्षेत्र (एकड़ में)	1,561.61	1696.43
परियोजना की लागत (₹ करोड़ में)	2,082.79	2323.81

सेंटर ऑफ़ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई)

माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने पूरे भारत में सहयोगी तरीके से एसटीपीआई द्वारा “डोमेन केन्द्रित सीओई” स्थापित करने के संबंध में 13 फ़रवरी 2018 को एक घोषणा की है ताकि यह सुनिश्चित हो कि भारत आईओटी, ब्लाकचेन, फिनटेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, ऑगमेंटेड और वर्चुअल रियलिटी, गेमिंग और एनीमेशन, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और हेल्थ इन्फार्मेटिक्स, डेटा साइंस और एनालिटिक्स, साइबर सिक्यूरिटी, चिप डिजाइनिंग, ईएसडीएम आदि उभरते क्षेत्रों में नेतृत्व और उदीयमान उद्यमियो की एक नयी पौध का निर्माण करे।

एसटीपीआई इस अवधारणा को और आगे बढ़ाते हुए देश के विभिन्न भागों में उपयुक्त सहभागियों के साथ सहयोग कर अनेक डोमेन केन्द्रित सीओई स्थापित कर रहा है। प्रत्येक सीओई एक एकल-खिड़की सुगमता केंद्र के रूप में कार्य करता है, जिसका उद्देश्य भारत सरकार, विभिन्न राज्य सरकारों, उद्योग, शैक्षणिक समुदायों, डोमेन और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों, वेंचर कैपिटलिस्टों और अन्य स्टार्टअप इकोसिस्टम के हितधारियों के सहयोग से प्रयोगशाला और इन्क्यूबेशन, प्रशिक्षण, परामर्श देना, मार्गदर्शन, एक्सेस-टू-फण्ड, नेटवर्किंग, मार्केट कनेक्ट आदि सहित व्यापक संरचनात्मक और मौलिक समर्थन प्रदान करना है। सीओई के इस सहयोगी मॉडल में प्रतिष्ठित उद्योग/शैक्षणिक समुदायों/उद्यमियों को ‘चीफ मेंटर’ के रूप में शामिल कर उसका और विस्तार किया जाता है, जो सीओई के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में भी काम करता है।

सीओई अपने समर्पित परिचालन टीम और सहायक कर्मचारियों के सहयोग से रणनीति, संचालन, नेटवर्किंग, आउटरीच, सलाह और सेवाओं को प्रदान करता है। सीओई स्टार्टअप्स के पोषण और प्रोत्साहन पर ध्यान देते हैं ताकि वे विश्व स्तरीय आईटी उत्पादों और बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) को घरेलू स्तर पर विकसित करने के साथ “नौकरी निर्माता” बन सकें

मार्च 2024 तक, एसटीपीआई ने देश के विभिन्न हिस्सों में उपयुक्त भागीदारों के सहयोग से निम्न 24 डोमेन-केंद्रित सीओई का संचालन किया है:

- दिल्ली में इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क
- एसटीपीआई-बेंगलुरु में आईओटी ओपनलैब
- एसटीपीआई-चेन्नई में फिनब्लू
- एसटीपीआई-भुवनेश्वर में इलेक्ट्रोप्रेन्योर पार्क, एक ईएसडीएम सीओई
- एसटीपीआई-मोहाली में न्यूरॉन
- आईआईटी-भुवनेश्वर में वीएआरसीओई
- एसटीपीआई-हैदराबाद में इमेज
- एसटीपीआई-गुरुग्राम में एपीअरी
- एसटीपीआई-पुणे में मोशन
- एसजीपीजीआई-लखनऊ में मेडटेक
- एसटीपीआई-बेंगलुरु में अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी)
- एसटीपीआई-गुवाहाटी में आक्टेन (OctaNE)- कृषि में आईओटी सीओई
- एसटीपीआई-शिलांग में आक्टेन (OctaNE)-एनिमेशन सीओई
- एसटीपीआई-इंफाल में आक्टेन (OctaNE) एआर/वीआर
- एसटीपीआई-गंगटोक में आक्टेन (OctaNE)- आईटी एप्लीकेशन सीओई (हेल्थकेयर और एग्रीटेक)
- एसटीपीआई-ईटानगर में आक्टेन (OctaNE) - ड्रोन टेक सीओई सहित जीआईएस एप्लीकेशन
- एसटीपीआई-कोहिमा में आक्टेन (OctaNE - आईटी एप्लीकेशन सीओई)-(ग्राफिक डिजाइन)

- एसटीपीआई-आइजोल में आक्टेन (OctaNE)-गेमिंग और इंटरटेनमेंट सीओई
- एसटीपीआई-अगरतला में आक्टेन (OctaNE)- डाटा विश्लेषण एवं एआई सीओई
- एसटीपीआई-बेंगलुरू में एफिशिएंसी औगुमेंटेशन सीओई
- डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ अकोला में फसल सीओई
- आर आई एन एल विशाखपटनम में कल्पतरु सीओई
- भुवनेश्वर में इमर्जिंग टेक्नोलॉजी सीओई और बीपीयूटी, राउरकेला में सैटेलाइट सेंटर
- फिनग्लोब – गांधीनगर, गुजरात में फिनटेक सीओई।

एसटीपीआई सीओई एक 360 डिग्री समर्थन पारिस्थितिक तंत्र को सक्षम बना रहे हैं, जिसमें अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा, मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता, मेंटरिंग और नेटवर्किंग अवसर शामिल हैं, जो नवाचार आधारित स्टार्टअप्स को उभरती तकनीकों में पोषित करने और भारत को प्रोडक्ट नेशन बनाने में मदद कर रहे हैं। कुल मिलाकर, 24 ऑपरेशनल सीओई द्वारा सार्वजानिक रूप से आयोजित ओपन चैलेंज कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं के माध्यम से कुल 1333 स्टार्ट अप का चुनाव किया गया है, इनमे से 581 कार्यरत है। परिणामस्वरूप, इन स्टार्ट-अप्स ने अपने शानदार विचारों को 634 अग्रणी उत्पादों में बदल दिया है, 336 आईपी बनाए हैं और 742 प्रोटोटाइप प्रदर्शित किए हैं। इनमें से, वित्तीय वर्ष 2023-24 में, कुल 188 स्टार्टअप को ऑनबोर्ड किया गया है, 154 उत्पाद विकसित किए गए हैं, और 160 नए प्रोटोटाइप प्रदर्शित किए गए हैं।

कुछ सीओई के की परफॉरमेंस इंडीकेटर्स (केपीआई) नीचे सूचीबद्ध किये गये हैं:

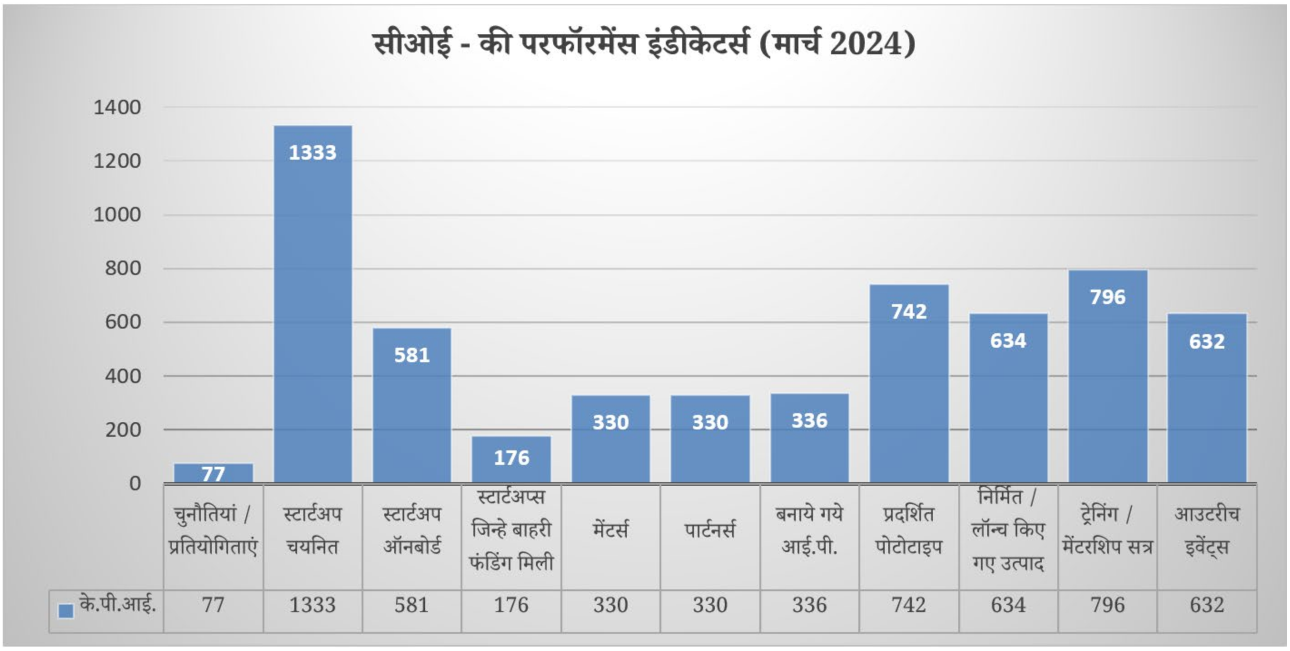

प्रत्येक एसटीपीआई सीओई की संक्षिप्त सामान्य रूपरेखा एवं वर्तमान स्थिति नीचे दी गई है:

दिल्ली में इलेक्ट्रोप्रेन्योर पार्क (ईपी)

इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक है। इस उद्योग के नए उद्यमियों को समर्थन देने के लिए, एसटीपीआई ने इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) और शैक्षणिक भागीदारों के सहयोग से दिल्ली में एक इलेक्ट्रोप्रेन्योर पार्क (ईपी) स्थापित किया है।

ईपी दिल्ली ईएसडीएम क्षेत्र में 50 स्टार्टअप को सहायता करने और पांच साल की अवधि में कम से कम 5 वैश्विक कंपनियों के सृजन का लक्ष्य रखती है। ईपी दिल्ली स्थानीय आईपी निर्माण और स्वदेशी उत्पाद विकास पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे घरेलू मूल्य संवर्धन होगा और शिक्षा, उद्योग, सरकार और अन्य सहायक तत्वों का एक अनूठा एकीकरण होगा। यह उद्योग जगत में एक अनूठी पहल है, जो देश में इन्क्यूबेशन केन्द्रो के संरक्षण और विकास के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा । ईपी दिल्ली को 25 अक्टूबर, 2015 में परिचालित किया गया था और 27 अगस्त 2016 को इसका औपचारिक उद्घाटन किया गया।

ईपी के पास इसके लाभार्थियों के रूप में 59 स्टार्टअप हैं। इस अवधि के दौरान स्टार्टअप द्वारा महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गयी जहाँ उन्होंने राष्ट्रीय पेटेंट दाखिल कर अपने उत्पादों के स्तर में विकास किया है। कुल मिलाकर, ईपी के स्टार्टअप्स की उपलब्धियों के रूप में 129 नए उत्पाद के साथ 183 प्रोटोटाइप बनाए गए हैं। साथ ही, ईपी स्टार्टअप्स द्वारा 66 आईपीआर दर्ज किए गए हैं।

एसटीपीआई-बेंगलुरु में आईओटी ओपनलैब

"इन्टरनेट ऑफ़ थिंग्स" अथवा आईओटी एक कंप्यूटिंग कांसेप्ट है जो इन्टरनेट से जोड़ी जानेवाली रोजमर्रा की भौतिक वस्तुओं को एक साथ लाता है और अन्य डिवाइसों के साथ अपनी पहचान और संपर्क बनता है। भारतीय आईओटी बाजार वर्ष 2025 तक 9.28 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच जाने का अनुमान है सिर्फ "भारतीय सिलिकॉन वैली" बेंगलुरु में ही 500 से ज्यादा आईओटी स्टार्टअप्स हैं।

उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,मेसर्स एरो इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य के सहयोग से बेंगलुरु में एसटीपीआई आईओटी

ओपनलैब स्थापित किया गया है । आईओटीओपन लैब का उद्देश्य एक प्रौद्योगिकी मंच सृजन करना है ताकि नवाचार स्टार्टअप आईओटी आधारित एप्लीकेशन, उत्पाद और समाधान विकसित कर सकें, जो न सिर्फ घरेलू जरूरतों को ही पूरा करेगा बल्कि इसका परिप्रेक्ष्य भी वैश्विक होगा। आईओटीओपन लैब में 4200 वर्ग फीट का रेडी टू वर्क स्पेस, सभी सैंपल बैंक सहित एक आईओटीओपन लैब, टेस्ट उपकरण और तकनीकी सहायता, आतंरिक इंजीनियरिंग टीम द्वारा तकनीकी मेंटरिंग और समर्थन, वित्तीय संसाधनों तक पहुंच, विपणन समर्थन आदि शामिल है। इसका लक्ष्य 5 वर्ष की अवधि में प्रति वर्ष 100 स्टार्टअप (फिजिकल और वर्चुअल) का समर्थन और पोषण है। आईओटी ओपनलैब को 3 दिसम्बर, 2019 को परिचालित किया गया। आईओटी ओपनलैब ने 71 स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप्स द्वारा 36 प्रोटोटाइप और 56 उत्पादों का विकास किया गया है।

एसटीपीआई चेन्नई में फिनब्लू

डिजिटल प्रौद्योगिकियों के तेजी से विकास और आम आदमी के दैनिक जीवन पर उसके प्रभाव के साथ, वित्तीय डोमेन का प्रौद्योगिकी परिदृश्य एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। वित्तीय प्रौद्योगिकी सीओई या फिनटेक में अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा, नवाचार, रोजगार सृजन और उत्पादकता में एक नए युग की शुरुआत करने की क्षमता है। फिनटेक न सिर्फ मुद्रा का डिजिटाइज़ेसन करता है बल्कि डेटा का भी मुद्रीकरण करता है। फिनटेक सोल्यूशंस में विशेष रूप से नए और छोटे सभी व्यवसायों के लाभ की अपार संभावनाएं हैं। फिनब्लू, फिनटेक क्षेत्र में अपनी तरह का पहला सीओई है जिसे 26 जुलाई, 2019 में परिचालित किया गया था, ऐसे सोल्यूशंस प्रदान करता है जो निचले स्तर पर कुशल और प्रभावी हैं और साथ ही यह छोटे व्यवसाइयों को लाभान्वित कराता है और उन्हें अधिक से अधिक अनेक प्रकार के फंडिंग विकल्प उपलब्ध कराता है। यह सीओई न सिर्फ निवेशकों, ऋणदाताओं और उधारकर्ताओं के बीच तालमेल बढाता है बल्कि सभी के लिए एक ऐसा अवसर प्रदान करता है जिससे बाज़ार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढे। फिनब्लू द्वारा लाये जा रहे बदलाव के कारण लोग बड़ी आसानी से डिजिटल माध्यम द्वारा लेनदेन करने में सक्षम हो रहे हैं।

उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय राज्य सरकार, आईआईटी मद्रास, टीआईई चेन्नै और विभिन्न औद्योगिक भागीदारों जैसे कि इंटेललेक्ट डिज़ाइन, एनपीसीआई, येस बैंक, पे पाल, पोंटाक वैंचर, आरबीएस, टोरस इनोवेशन आदि की भागीदारी से चेन्नै में फिनब्लू सीओई की स्थापना की गयी है, जो फिनटेक के साथ काम करने मे नवाचार स्टार्टअप और उद्यमियों को पूरी सहायता और समर्थन प्रदान करता है।

यहाँ 100 से अधिक उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में रेडी-टू-वर्क प्लग-एन प्ले स्पेस एक्सेस टू एपीआई, भागीदार बैंकों का पेमेंट गेट वे और सैंडबॉक्स एनवायरनमेंट और मेसर्स इंटेल्लेक्ट का एनपीसीएल, सीएएनवीएएस टेक्नॉलाजी, तकनीकी मेंटरींग और सहायता, वित्तीय संसाधन (एंजेल बैंकिंग, सीड फ़ंड, वीसी आदि) नेटवर्किंग और मार्केटिंग गतिविधियों तक पहुँच और सहायता शामिल है।

फिनब्लू का उद्देश्य ट्रेडिंग, बैंकिंग, उधार (लेंडिंग), प्रेषण(रेमिटेंस), बीमा, जोखिम और अनुपालन, धन सम्बन्धी सलाह, वित्तीय समावेशन, बचत, भुगतान और इसी प्रकार के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान के साथ 5 वर्षों की अवधि में 58 स्टार्टअप का समर्थन करने का लक्ष्य है।

फिनब्लू ने 47 स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप्स द्वारा 112 प्रोटोटाइप और 161 उत्पादों का विकास किया गया है।

एसटीपीआई भुवनेश्वर में इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क, एक ईएसडीएम सीओई

इलेक्ट्रॉनिक्स भारत के सबसे अधिक आयातित मदों में से एक है। इस बात की आवश्यकता है कि भारत आयातित इलेक्ट्रॉनिकी पर अपनी निर्भरता को कम करे और घरेलू उत्पादन बढ़ाये। अपने मेक इन इंडिया पहल से सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के घरेलूकरण पर विशेष बल दिया है फलस्वरूप पूरे देश में अनेक मोबाइल निर्माण इकाइयां सफलतापूर्वक स्थापित हुई हैं। हांलाकि यह पर्याप्त नहीं है और अभी काफी कुछ और करने की आवश्यकता है।

एसटीपीआई ने उपरोक्त परिकल्पना के अनुरूप अपनी तरह का पहला ईएसडीएम इन्क्यूबेशन सेंटर इलेक्ट्रोप्रेन्योर पार्क नई दिल्ली में स्थापित किया है। नई दिल्ली स्थित इलेक्ट्रोप्रेन्योर पार्क (ईपी) बेहद सफल रहा है जिससे अनेक स्टार्टअप का वित्त पोषण हुआ है और अनेक पेटेंट्स दर्ज किये गए हैं।

अतः इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से एसटीपीआई इस अत्यधिक सफल सहयोगी मॉडल को भारत के विभिन्न भाग में क्रियान्वित कर रहा है और अगला ईपी राज्य सरकार, शैक्षिक समुदायों जैसे कि आईआईआईटी भुवनेश्वर, अग्रणी औद्योगिक भागीदार के रूप में आईईएसए के सहयोग से भुवनेश्वर, ओडिशा मे ईएसडीएम इन्क्यूबेशन सीओई के रूप मे स्थापित किया है। भुवनेश्वर में ईपी ईएसडीएम क्षेत्र में अनुसंधान और विकास, नवाचार, उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए एक समग्र पारिस्थितिकी प्रणाली के निर्माण के माध्यम से भारत के ईएसडीएम विकास में योगदान करेगा। यह पारिस्थितिकी प्रणाली ईएसडीएम क्षेत्र मे महत्वपूर्ण विकास, प्रोत्साहन, इन्क्यूबेशन, नवाचार सृजत करने के लिए आवश्यक है । यह ईएसडीएम क्षेत्र मे उत्पाद निर्माण और आईपी सृजन पर बल देगा।

इस पार्क के लगभग 7500 वर्गफीट निर्मित क्षेत्र मे अत्याधुनिक सुविधाओं सहित उच्च गति की कनेक्टिविटी, पावर इलेक्ट्रॉनिक के प्रोटोटाइपिंग और जांच के लिए पूर्णतया सुसज्जित ईएसडीएम लैब, एलईडी, कम्युनिकेशन आरएफ़ वाले हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, टेस्ट और मेजरमेंट आदि से पूरी तरह से सुस्सजित कार्यालय उपलब्ध है।

इसका लक्ष्य 5 वर्षों की अवधि मे 40 स्टार्टअप्स को लाभ प्रदान करना है, जिसमे उर्जा, प्रोसेस कंट्रोल और इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन और शिक्षा जैसे क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया जाएगा। ईपी भुवनेश्वर को 23 दिसम्बर, 2019 को परिचालित किया गया था।

ईपी भुवनेश्वर ने 30 स्टार्टअप को अपने साथ जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप द्वारा 72 प्रोटोटाइप और 27 उत्पादों का विकास किया गया है।

एसटीपीआई मोहाली में न्यूरॉन

मोहाली में न्यूरॉन सीओई का विज़न विशेष रूप से एआई/बिग डेटा, एवीजी और आईओटी के क्षेत्र में अत्याधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी स्टार्टअप को बढ़ावा देकर युवाओं, शोधकर्ताओं, इंजीनियर और बड़े पैमाने पर समाज में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ाना है, जो देश में आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देगा। इस दृष्टि से इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पंजाब सरकार,

आईएसबी मोहाली, पीटीयू और उद्योग के सहयोग से एआई/डेटा एनालिटिक्स, आईओटी और एवीजी में एक सीओई शुरू किया गया है जो एआई/डेटा एनालिटिक्स, आईओटी और एवीजी के क्षेत्र में नवाचार स्टार्टअप को हैंडहोल्डिंग और समर्थन देगा।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में समर्पित 500 सीटों के को-वर्किंग स्पेस के साथ इन्क्यूबेशन सुविधा और एआई/डेटा एनालिटिक्स, आईओटी और एवीजी के लिए समर्पित लैब शामिल है। भौतिक और क्षेत्र-विशिष्ट बुनियादी ढांचे के अतिरिक्त, हब के पास डोमेन विशेषज्ञों, टेक्नोक्रेट, मेंटरशिप प्रोग्राम के साथ-साथ वित्त पोषण तक पहुंच भी उपलब्ध होगा। इसमें 5 वर्षों की अवधि में शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य देखभाल आदि में वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए एआई, एमएल, डीए, आईओटी और वर्चुअल रियलिटी जैसे फोकस क्षेत्र के 100 से अधिक (संशोधित) स्टार्टअप को समर्थन देने का लक्ष्य रखा गया है। न्यूरॉन 30 सितंबर, 2019 को परिचालित किया गया था।

न्यूरॉन ने 62 स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है और परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप्स द्वारा 54 प्रोटोटाइप और 20 उत्पादों का विकास किया गया है।

आईआईटी भुवनेश्वर में वीएआरसीओई

इमर्सिव विज़ुअलाइज़ेशन में अनुसंधान एवं विकास करने, आर एंड डी, इनक्यूबेशन, आईपी क्रिएशन, उत्पाद विकास, कौशल विकास और एआर, वीआर और संबद्ध क्षेत्रों में उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से एक इकोसिस्टम बनाने के लिए आईआईटी भुवनेश्वर में वीएआरसीओई की स्थापना की गई । एलाइड मार्केट रिसर्च द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक एआर और वीआर बाजार, जो वर्ष 2017 में 11.32 बिलियन डॉलर था, उसका वर्ष 2025 तक 63.3% की सीएजीआर के साथ 571.42 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

इस परिप्रक्ष्य में, औगुमेंटेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी के क्षेत्र में एक सीओई आईआईटी-भुवनेश्वर में स्थापित किया गया है और 19 जनवरी 2018 को उक्त डोमेन में स्टार्टअप को पोषित करने के साथ-साथ उपकरणों और प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान और विकास के लिए परिचालित किया गया था। इस सीओई ने स्वास्थ्य, कला और वास्तुकला, परिवहन, निर्माण, पर्यटन, मनोरंजन और शिक्षा के क्षेत्रों में 5 वर्षों के लिए स्टार्टअप और व्यक्तिगत शोधकर्ताओं सहित 300 लाभार्थियों को लक्षित किया है। वीएआरसीओई ने वीआर/एआर के विभिन्न एप्लीकेशनों की परियोजना के पहले सेट के साथ परिचालन शुरू किया है। वर्तमान में, विभिन्न डोमेन में एआर और वीआर एप्लीकेशन की नौ प्रमुख परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जिसमे आईआईटी भुवनेश्वर के 12-15 उच्च योग्य संकाय वाले शोधकर्ता शामिल हैं।

एसटीपीआई हैदराबाद में इमेज

एनीमेशन, वीएफएक्स और कंप्यूटर विजन उद्योग विश्व स्तर पर और साथ ही भारत में घरेलू स्तर पर तेजी से बढ़ रहा है। भारत में एनीमेशन एवं वीएफ़एक्स संबंधी उधोग के 2024 तक ₹180 बिलियन तक होने का अनुमान है। (यह तीन वर्षों में 100% से अधिक की वृद्धि है।) वैश्विक रूप से कंप्यूटर विज़न (सी वी) का बाज़ार 2023 तक 17.38 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है (जो 2018 में 12 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा तेज वृद्धि है)।

इस पृष्ठभूमि और एक आशावादी भविष्य की कल्पना के साथ, गेमिंग वीएफ़एक्स, सीवी और एआई के क्षेत्र में इमेज ब्रांड से एक सीओई इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, तेलंगाना सरकार, शिक्षा और हैदराबाद एसडब्ल्यू एंटरप्राइजेज एसोसिएशन और तेलंगाना वीएफएक्स, एनिमेशन और गेमिंग एसोसिएशन जैसे उद्योगों की साझेदारी में हैदराबाद में स्थापित किया गया। इस सीओई में मेंटरिंग, प्रौद्योगिकी सहायता और गेमिंग, एनिमेशन, वीएफएक्स, कंप्यूटर विजन और एआई स्टार्टअप के लिए वित्त पोषण का प्रावधान है । स्टार्टअप्स में विकास के लिए इमेज अपनी इन्क्यूबेशन सुविधा के माध्यम से एकीकृत कार्यक्रम, सीवीएलएबी और गेम लैब प्रदान करता है। इमेज कार्यक्रम में प्रीमियम प्लग एंड प्ले, स्टार्टअप के लिए को-वर्किंग स्पेस शामिल है और इकोसिस्टम तक पहुंच प्रदान करता है, जिसमें आईपी ओनर, मेंटर, निवेशक और गो-टू-मार्केट रणनीति का समर्थन करने के लिए एक मंच शामिल हैं।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में 10,000 वर्ग फुट इन्क्यूबेशन स्थान और 3,500 वर्ग फुट के क्षेत्र में कैमरों, डिस्प्ले इकाइयों और संबंधित उपकरणों के साथ एक इमेज लैब शामिल है। इमेज लैब में कंप्यूटर विजन और एआई के लिए मोशन कैप्चर (मोकैप) सुविधा और कंप्यूटिंग सुविधा शामिल है। सीवी लैब में जीपीयू सर्वर, स्टोरेज सर्वर, हाई एंड मिड कॉन्फिग कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर के साथ 26 पोर्ट पीओई + स्विच के साथ कई कैमरों को एक साथ जोड़ना और पावर देना शामिल हैं। मोकप सुविधा में शूटिंग की जगह होगी, जिसमें हाई-एंड मोशन कैप्चर, व्यापक एनीमेशन के पूरक के लिए चेहरे का एनीमेशन और एनिमेशन, वीएफएक्स और गेमिंग डोमेन पर काम करने वाले स्टार्टअप के लिए वीएफएक्स काम होगा। मोकप लैब में मोकप कैमरा और कंट्रोल बॉक्स, क्लैम्प, हेड, केबल एक्सेसरी किट और मोकप सूट किट के साथ रेफरेंस कैमरा शामिल हैं।

इस सीओई का लक्ष्य 5 वर्षों की अवधि में सीवी और एआई, गेमिंग ,एनीमेशन और वीएफ़एक्स के क्षेत्र में 140 स्टार्टअप हैं। इमेज को 17 फ़रवरी, 2020 को परिचालित किया गया है।

इमेज ने 59 स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप्स द्वारा 35 प्रोटोटाइप और 81 उत्पादों का विकास किया गया है।

एसटीपीआई गुरुग्राम में एपीअरी

ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी सरकारी और निजी क्षेत्र के इंटरफेस के बीच पारदर्शिता लाकर उद्यमों के लिए सहयोग और हमारे नागरिकों के जीवन को सुगम बनाती है। इस तथ्य के बावजूद कि यह प्रौद्योगिकी अभी भी अपने विकास के आरंभिक चरण में है और इसे अभी अपनाया जाना है, जहाँ इस डोमेन में काफी अवसर उपलब्ध हैं।

गार्टनर के हाल के पूर्वानुमान के अनुसार ब्लॉकचेन के व्यावसायिक मूल्य में 2025 तक थोड़ी वृद्धि के साथ यह 176 बिलियन अमेरिकी डॉलर होगा और फिर 2030 तक इसमें काफी वृद्धि होगी और यह 3.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाएगा।

इस पृष्ठभूमि के साथ, एपीअरी ब्रांड से ब्लॉकचेन में एक सीओई इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, एसटीपीआई, एसटीपीआईनेक्स्ट, हरियाणा सरकार, पैडअप वेंचर प्राइवेट लिमिटेड, आईबीएम, इंटेल, ज़ीबीए और एफ़आईटीटी के सहयोग से स्थापित किया गया है।

यह ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सफल स्टार्टअप की पहचान और मूल्यांकन करने की एक पहल है जो एसटीपीआई गुरुग्राम के इनक्यूबेशन केंद्र में आयोजित किया जाएगा। यहाँ उपलब्ध सुविधा और सेवा में 7000 वर्ग फीट का इनक्यूबेशन स्पेस, आईबीएम ब्लॉकचेन प्लेटफ़ॉर्म, मेंटरिंग, अनुसन्धान और विकास, वित्तपोषण और नेटवर्किंग शामिल है। अपीअरी सीओई को 23 मार्च 2021 को

परिचालित किया गया।

इस सीओई का लक्ष्य 5 वर्ष की अवधि में 100 नवाचार स्टार्टअप को बढ़ावा देना है।

एपीआरी ने 30 स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप्स द्वारा 20 प्रोटोटाइप और 10 उत्पादों का विकास किया गया है।

एसटीपीआई पुणे में मोशन

वैश्विक गतिशीलता परिदृश्य तेजी से बदल रहा है, जिसमें प्रौद्योगिकी नवाचार, बढ़ती कनेक्टिविटी, तेजी से बढ़ रही विश्व जनसंख्या, बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताएं और पर्यावरण गिरावट का प्रभाव सरकार, उद्योग और समाज पर पड़ रहा है इन सभी को अपने अस्तित्व के लिए इस गतिशीलता से तालमेल बिठाना है।

स्वचालित वाहनों का व्यवसायीकरण भी विभिन्न उद्योगों जैसे कि आईटी, प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिकी के राजस्व वृद्धि में भी योगदान करेगा । रिसर्च एंड मार्केट्स के अनुसार, वैश्विक स्वचालित वाहन बाजार का वर्ष 2017 में कारोबार 27.09 बिलियन अमेरिकी डॉलर था और जिसके 2026 तक बढ़ कर 615.02 बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंचने की उम्मीद है।

ऑटोनॉमस, कनेक्टेड, इलेक्ट्रिक एंड शेयर्ड (एसीईएस) में सीओई जिसे मोशन कहते हैं, महाराष्ट्र सरकार, मैसर्स टाटा मोटर्स, मेसर्स काइनेटिक, मेसर्स विस्टोन, मैसर्स मैथवर्क्स इंडिया, मैसर्स इंटेल, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग पुणे (सीओईपी) और एआरएआई, एसएई-इंडिया, टीआईए-पुणे आदि जैसे संगठनों के सहयोग और साझेदारी में स्थापित किया गया है।

यहां उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में एसटीपीआई पुणे में 7000 वर्ग फीट (लैब और इन्क्यूबेशन) का स्पेस है और इनका लक्ष्य 5 वर्ष की अवधि में ऑटोनॉमस, कनेक्टेड, इलेक्ट्रिक एंड शेयर्ड (एसीईएस) मोबिलिटी में 50 डोमेन विशिष्ट स्टार्टअप को लाभ पहुँचाना है। मोशन को 10 अगस्त, 2019 को परिचालित किया गया था।

मोशन ने 52 स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप्स द्वारा 125 प्रोटोटाइप और 60 उत्पादों का विकास किया गया है।

एसजीपीजीआई लखनऊ में मेडटेक

पुराने क्लिनिकल निर्णय के मॉडल के अप्रभावी और पुराने हो जाने के साथ-साथ राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन जैसे सरकारी कार्यक्रमों के कारण जमीनी स्तर पर प्रौद्योगिकी प्रदान करने के लिए देश में चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी की मांग में तेजी आई है।

भारत वैश्विक रूप से शीर्ष 20 चिकित्सा उपकरण बाज़ारो में शामिल है तथा एशिया में जापान, चीन, और साउथ कोरिया के बाद चौथा सबसे बड़ा चिकित्सा उपकरण बाज़ार है। वर्ष 2020- 25 के बीच डायग्नोस्टिक इमेजिंग बाज़ार के सीएजीआर 13.5% की दर से बढ़ने का अनुमान है। भारत की चिकित्सा उपकरणों के आयात पर 75 से 80% निर्भरता है। वित्त वर्ष 2020-21 में भारत से 2.53 बिलियन अमेरिकी डॉलर के चिकित्सा उपकरण निर्यात किये गए है जिसके वर्ष 2025 तक 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है।

इस पृष्ठभूमि के साथ और भविष्य में एक आशाजनक परिणाम की संभावना को देखते हुए, एसटीपीआई ने लखनऊ में एसजीपीजीआई में मेडिएलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान के क्षेत्र में एक उत्कृष्टता केंद्र (CoE) की स्थापना की है, जो एसजीपीजीआई, लखनऊ, उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, और भारतीय चिकित्सा उपकरण उद्योग संघ (AiMED) के सहयोग से स्थापित किया गया है।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में 18,000 वर्ग फुट रेडी-टू-वर्क, प्लग-एंड-प्ले इनक्यूबेशन स्पेस और मेडीइलेक्ट्रॉनिक्स एंड हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स लैब (मेडलैब) और आईओटी लैब की उपलब्धता शामिल है, जो सैंपल बैंक ऑफ इंस्ट्रूमेंट्स, एनालाइजर, क्लिनिकल कंज्यूमेबल्स, इमेजिंग और ऑप्टिकल डिवाइस, टेस्ट उपकरण और तकनीकी सहायता से लैस है। मेडटेक सीओई 14 अगस्त 2020 को परिचालित किया गया था।

मेडटेक का लक्ष्य 5 वर्ष की अवधि में 50 स्टार्टअप का समर्थन करना है। मेडटेक ने 35 स्टार्टअप को अपने साथ जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप द्वारा 20 प्रोटोटाइप और 16 उत्पादों का विकास किया गया है।

एसटीपीआई बेंगलुरु में अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी)

एक जीवंत अखिल भारतीय इकोसिस्टम के निर्माण के उद्देश्य से और आईओटी, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स, ई-कॉमर्स, बिग डेटा और एआइ में फोकस क्षेत्र के साथ स्टार्टअप्स के विकास और सफल उद्यमिता के निर्माण का समर्थन करने, बढ़ावा देने और नवोन्मेष की संस्कृति का विकास करने के साझा दृष्टिकोण के लिए, एसटीपीआई अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) और नीति आयोग के सहयोग से बेंगलुरु में अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी) स्थापित किया गया है।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा और प्रयोगशाला से सुसज्जित 10,000 वर्ग फुट का स्थान, सामान्य कार्यालय सुविधाओं के साथ हैकाथॉन आयोजित करने के लिए एक समर्पित टीम, आईडिया चैलेंज, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण, तकनीकी और बिज़नस मेंटरिंग सेशन शामिल हैं जो आईपीआर फाइलिंग, कानूनी, लेखा आदि के मामले में स्टार्टअप्स की सहायता करेगा।

एआईसी को मई 2018 में मंजूरी दी गई थी और यह 5 वर्षों की अवधि में 65 इनोवेटिव स्टार्टअप्स को लक्षित करता है।

एआईसी ने 46 स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप्स द्वारा 44 प्रोटोटाइप और 32 उत्पादों का विकास किया गया है।

उत्तर पूर्व क्षेत्र में ऑक्टेन सीओई (8 सीओई जैसे कि एसटीपीआई-गुवाहाटी में कृषि में आईओटी, एसटीपीआई-शिलांग में एनिमेशन, एसटीपीआई-इंफाल में एआर/वीआर, एसटीपीआई-गंगटोक में आईटी एप्लीकेशन इन हेल्थकेयर एंड एग्रीटेक, एसटीपीआई-ईटानगर में ड्रोन टेक सहित जीआईएस एप्लीकेशन, एसटीपीआई कोहिमा में ग्राफिक डिजाइन में आईटी एप्लीकेशन, एसटीपीआई आइजोल में गेमिंग और एंटरटेनमेंट, एसटीपीआई और अगरतला में डेटा एनालिटिक्स और एआई)

भारत सरकार ने 'डिजिटल नार्थ ईस्ट विज़न 2022' प्रारंभ किया है, जिसमे 'डिजिटल इनोवेशन एंड स्टार्टअप' प्रमुख क्षेत्र हैं। उपरोक्त क्षेत्र में किये गए पहल में पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों में उभरती प्रौद्योगिकी में सीओई और ई-कॉमर्स

सुविधा सहित स्टार्टअप इनोवेशन जोन स्थापित करना है। इनोवेशन जोन को छात्रों और युवाओं द्वारा टिंकरिंग आधारित नवाचार के लिए सुविधा के रूप में पेश किया गया है, जिनमे से कुछ के स्टार्टअप बनने की उम्मीद है। यह राज्यों में डिजिटल इनोवेशन संस्कृति को जन्म देगा। ई-कॉमर्स सुविधा उभरते युवा उद्यमियों को और वैसे लोगों को जो अपनी उत्पादों की मौजूदा व्यवस्था के लिए ई-कॉमर्स विकसित करने का इरादा रखते हैं उनको न्यूनतम निवेश पर परामर्श आदि जैसे समर्थन की सुविधा प्रदान करता है।

इस विजन के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रत्येक राज्य की राजधानी में चरणबद्ध तरीके से ई-कॉमर्स सुविधा के साथ स्टार्टअप इनोवेशन ज़ोन (एसआईज़ेड) सहित आठ सीओई स्थापित करने की कल्पना की गई है।

तदनुसार, पहले चरण में ऑक्टेन के तहत 8 सीओई स्थापित किये गए है। इनमें से 3 गुवाहाटी में कृषि में आईओटी, इंफाल में नई तकनीक (ए आर वी आर) शिलांग में गेमिंग और एनीमेशन तथा दूसरे चरण में बने 5 अन्य है: अइज़ोल में गेमिंग एवं एंटरट्रेनमेंट, ईटानगर में जीआईसी एप्लीकेशन (ड्रोन तकनीकी सहित), कोहिमा में ग्राफिक डिजाइन में आईटी एप्लीकेशन, अगरतला में एनालेटिक्स एंड एआई तथा गंगटोक में हेल्थकेयर में आईटी।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में वास्तविक घटक (प्लग-एन-प्ले स्पेस, कनेक्टिविटी, क्लाउड आधारित सेवाएं, टिंकरिंग प्रयोगशाला के रूप में इनोवेशन जोन, आदि) और शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग और अन्य हितधारकों से अन्य सहायता (जैसे विपणन, सीड फण्ड सहायता, आदि) शामिल हैं। सीओई और एसआईज़ेड एक दूसरे के साथ सहयोगात्मक तरीके से अथवा क्षेत्रीय आधार पर, जैसी आवश्यकता हो, काम करेंगे। तथा 5 वर्षो में 367 स्टार्टअप्स को लाभ पहुचाने का लक्ष्य तय किया गया।

ऑक्टेन सीओई चरण- I को 20 जुलाई 2020 को चालू किया गया तथा चरण II 20 जुलाई 2021 को चालू किया गया।

ऑक्टेन ने 35 स्टार्टअप को अपने साथ जोड़ा है।

बेंगलुरू में एफिशिएंसी औगुमेंटेशन सीओई

स्वचालन और आधुनिकीकरण विनिर्माण उद्योग की संस्कृति में व्यापक बदलाव ला रहा हैं जिससे अत्यधिक कुशल श्रमिकों के लिए नए पदों का सृजन हो रहा हैं। इस बात पर बल दिया गया है कि विनिर्माण का भविष्य उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकी प्रगति में निहित है। उद्योग 4.0 कंपनियों के निर्माण, सुधार और उनके उत्पादों को वितरित करने में क्रांति ला रहा है। निर्माता आईओटी, एआई, एमएल और डेटा एनालिटिक्स सहित पूरे विनिर्माण कार्यों नई तकनीकों को एकीकृत कर रहे हैं।

एफिशिएंसी औगुमेंटेशन सीओई एक ओपन साइबर-फिजिकल सिस्टम (सीपीएस) इकोसिस्टम है जिसे प्रारंभिक चरण के नवाचार और प्रयोग को विकसित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस सीओई का उद्देश्य व्यावसायिक विचारों को तकनीकी डिलिवरेबल्स में बदलने के लिए सरकार, एसएमई/एमएसएमई और टेक स्टार्टअप लीडर्स के साथ काम करना है। यह सीओई उद्योग की जरूरतों का अनुमान लगाने और वास्तविक दुनिया की उद्योग संबंधी चुनौतियों का समाधान करने के लिए नेतृत्व प्रदान करेगा और प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं को अपनाएगा।

इस सीओई की स्थापना एसटीपीआई द्वारा कर्नाटक सरकार, हेवलेट पैकर्ड एंटरप्राइज, विद्यार्थी शिक्षा सेवा ट्रस्ट (वीएसएस ट्रस्ट), युवा संघ और इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के सहयोग से की जा रही है। यह सीओई अंतरराष्ट्रीय स्तर का होगा, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय समुदाय, उद्योग को एक साथ लाना है ताकि उद्योग (बुनियादी ढांचे और व्यापार परिवर्तन) और लोगों के विकास दोनों में उद्योग पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव को संबोधित करने के लिए बहस, विचार-विमर्श हो, कार्य किये जा सके और नवाचार विकसित हो।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में बोर्ड/सम्मेलन कक्षों के साथ 100+ कार्यस्थानों को समायोजित करने के लिए अत्याधुनिक इन्क्यूबेशन केंद्र के साथ 16,000 वर्ग फुट का क्षेत्र शामिल है। स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, स्मार्ट फार्मिंग, स्मार्ट एनर्जी, होम एंड ऑफिस ऑटोमेशन, स्मार्ट वाटर, कनेक्टेड ट्रांसपोर्टेशन मौसम की निगरानी, स्मार्ट अस्पताल, स्मार्ट सुरक्षा और बुद्धिमान संपत्ति की निगरानी पर ध्यान केंद्रित करने वाले स्टार्टअप द्वारा आवश्यक नेटवर्क, कंप्यूट और स्टोरेज एलिमेंट्स, डेवलपमेंट टूल्स/सॉफ्टवेयर और प्लेटफॉर्म की रेंज से लैस एक इनोवेशन एंड डेवलपमेंट लैब होगी।

चूंकि प्रशिक्षण कार्यक्रम सीओई द्वारा दी जाने वाली महत्वपूर्ण सेवाओं में से एक है, इसमें एक अच्छी तरह से सुसज्जित प्रशिक्षण कक्ष शामिल है। इसके अतिरिक्त, सीओई जोन होगा,जहां प्रशिक्षुओं के सीखने के लिए विभिन्न एक्चुएटर्स और सेंसर से जुड़े पीएलसी, पीएसी, वायरलेस सेंसर, ऑटोमेशन कंट्रोलर और आईआईओटी प्लेटफॉर्म जैसे विभिन्न उपकरण उपलब्ध होंगे।

यह सीओई 5 वर्षों की अवधि में 100 नवाचार स्टार्टअप्स को लक्षित करता है। यह सीओई बहुत जल्द लॉन्च किया जाएगा.

डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ अकोला में फसल

2050 तक वैश्विक जनसंख्या के 9.6 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है जो कृषि क्षेत्र के लिए अनेक चुनौतियां पेश करेगा हैं। चरम मौसम की स्थिति, बढ़ते जलवायु परिवर्तन और खेती के पर्यावरणीय प्रभाव जैसी इन चुनौतियों का मुकाबला करने के बावजूद, अधिक खाद्यान्न की मांग को भी पूरा करना होगा। इन बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए कृषि नई तकनीक की ओर रुख करना होगा। आईओटी प्रौद्योगिकियों पर आधारित स्मार्ट खेती से उत्पादक और किसान बर्बादी को कम करने और कृषि की दक्षता बढ़ाने के लिए उर्वरक के उपयोग को अनुकूलित करने से उत्पादकता बढ़ाने में सक्षम होंगे।

यह आईओटी अपने अत्यधिक इंटरऑपरेबल, स्केलेबल, व्यापक और खुली प्रकृति के कारण स्मार्ट खेती के लिए एक आदर्श योग है। स्मार्ट खेती के लिए आईओटी प्रौद्योगिकियों की इस विशाल क्षमता को महसूस करते हुए, अकोला में कृषि सीओई में एक आईओटी, फसल (फॉस्टरिंग एग्रीटेक स्टार्टअप्स फॉर ओगमेंटिंग लाइवलीहुड), स्थापित किया जा रहा है जो डिजिटल खेती, फसल संरक्षण और प्रबंधन, प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स और हाइड्रोपोनिक वीएफ सिस्टम सहित केंद्रित क्षेत्रों में पथप्रदर्शक उत्पादों के निर्माण के लिए एग्रीटेक और एग्री आईओटी के क्षेत्र में होनहार स्टार्टअप की पहचान और मूल्यांकन करेगा और उनका पोषण करेगा।

यह सीओई हाइड्रोपोनिक वीएफ सिस्टम का उपयोग करके ऑफ सीजन में किसानों की आय बढ़ाने के लिए स्मार्ट तकनीकों के विकास को सुविधाजनक बनाने में मदद करेगा। फसल सीओई का उद्देश्य खेती, शिपिंग और भोजन के भंडारण में चुनौतियों का समाधान करना और कृषि क्षेत्र में नई क्षमता का विकास करना है।

सीओई फसल की स्थापना सरकार, शिक्षा, उद्योग और उद्योग संघों के भागीदार

और प्रमुख हितधारकों के सहयोग से की गई है । इसके हितधारकों में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), एसटीपीआई, डॉ पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ (पीकेडीवी) अकोला और अन्य भागीदार जैसे कि आईसीएआर-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), और अन्य भागीदार जैसे कि एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एआईसी), कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) अकोला, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी अकोला, सतश्योर एनालिटिस इंडिया प्रा. लिमिटेड, अमेजिंग एरियल सॉल्यूशंस प्रा. लिमिटेड, आईओकेयर, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स (आईएसएई) और टीआईई मुंबई शामिल हैं।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में डॉ. पीडीकेवी, अकोला के परिसर में स्थित अत्याधुनिक इन्क्यूबेशन केंद्र के साथ 10,000 वर्ग फुट का क्षेत्र शामिल है। फसल में डोमेन विशिष्ट भौतिक प्रयोगशालाएँ होंगी जैसे डिजिटल फार्मिंग लैब, एग्री आईओटी लैब, प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स लैब और हाई-टेक हाइड्रोपोनिक वर्टिकल फार्मिंग जो आवश्यक उपकरण के साथ स्थापित की गई है, पीओसी, प्रोटोटाइप, उत्पाद विकास या उनके समाधानों का परीक्षण करने के लिए स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए डोमेन में सॉफ्टवेयर है। यह सीओई एग्रीटेक डोमेन में काम करने वाले स्टार्टअप्स और उद्यमियों को प्रशिक्षण, सलाह, मार्केटिंग, नेटवर्किंग, आउटरीच, फंडिंग संसाधनों तक पहुंच, आईपीआर/पेटेंटिंग सहायता और अन्य आवश्यक सहायता प्रदान करेगा।

इस सीओई के पास अन्य वित्तीय संसाधनों तक पहुंच के अलावा प्रति स्टार्टअप 10 लाख रुपये तक की फंडिंग सहायता प्रदान करने का प्रावधान है।

इस सीओई का लक्ष्य 3 वर्षों की अवधि में 25 नवाचार स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करना है। फसल को सितम्बर 2021 को चालू किया है।

फसल ने 27 स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप्स द्वारा 38 प्रोटोटाइप और 47 उत्पादों का विकास किया गया है।

आरआईएनएल विशाखापट्टनम में इंडस्ट्री 4.0 सीओई कल्पतरु उद्योग

कल्पतरु, आरआईएनएल- वीएसपी, पीएसयू एवं विशाखापट्टनम के आसपास मौजूद अन्य उद्योगो के लिये इंडस्ट्री 4.0 समाधानो को डिज़ाइन और विकसित करने के लिये इंडस्ट्री 4.0 पर और साथ ही समग्र भारतीय इंडस्ट्री 4.0 की अवाश्यक्ताओं में योगदान करने के लिए एक सीओई है।

बढ़ते औद्योगिक स्वचालन की पृष्ठिभूमि में इंडस्ट्री 4.0 उत्पाद एवं साल्यूशन की मांग में बहुत तीव्र वृद्धि होने जा रही है। इंडस्ट्री 4.0 उत्पादों और समाधानों की घरेलू क्षमताओं को मजबूत करने से उत्पादों, पेटेंट और आईपीआर में वृद्धि के माध्यम से घरेलू उद्योग को मूल्य श्रृंखला में महत्वपूर्ण रूप से ऊपर ले जाएगा। इंडस्ट्री 4.0 में प्रस्तुत किये गए अवसरों द्वारा सीओई इन क्षेत्रों में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देगा तथा स्थानीय रूप से विश्वस्तरीय सॉलूशन तैयार करके भारत सरकार के मेक इन इंडिया एवं डिजिटल इंडिया कार्यक्रमों में अपना योगदान देगा। उपर्युक्त पृष्टभूमि के साथ इंडस्ट्री 4.0 आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, आगमेंटेड रियलिटी, वर्चुअल रियलिटी, इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, इंडस्ट्रियल रोबोटिक्स, ड्रोन, इंडस्ट्रियल आईओटी, इंडस्ट्रियल 3D प्रिंटिंग तथा एआई से चलने वाली अन्य सम्बंधित तकनीकों के क्षेत्र में एसीओई को विशाखापट्टनम में स्थापित करने का अनुमोदन किया गया है। सीओई को सितंबर 2022 में लॉन्च किया गया है, इस सीईओ ने पांच वर्षों की अवधि में लगभग 175 नवाचारी स्टार्टअप्स को समर्थन देने का लक्ष्य रखता है। इस सीओई ने 08 स्टार्टअप्स को शामिल किया है, जिनके परिणामस्वरूप इन स्टार्टअप्स द्वारा 02 प्रोटोटाइप और 01 उत्पाद का विकास किया गया है।

भुवनेश्वर में इमर्जिंग टेक्नोलॉजी सीओई और बीपीयूटी, राउरकेला में सैटेलाइट सेंटर

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी विभाग (ओडिशा सरकार), एसटीपीआई, एसटीपीआईएनईएक्सटी, बीजू पटनायक प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ओडिशा, राउरकेला और आईआईआईटी भुवनेश्वर के सहयोग से भुवनेश्वर में उभरती प्रौद्योगिकी पर एक सीओई और बीपीयूटी, राउरकेला में सैटेलाइट सेंटर की स्थापना की गई है। यह सीओई 5 वर्षों की अवधि में एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, साइबर सिक्योरिटी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी प्रौद्योगिकियों में लगभग 150 स्टार्टअप को लक्षित करता है। सीओई को दिसंबर 2022 में लॉन्च किया गया था, जिसमें स्टार्ट-अप का चयन और ऑनबोर्डिंग चल रही है।

यह उत्कृष्टता केंद्र (CoE) पांच वर्षों की अवधि में लगभग 150 नवाचारी स्टार्टअप्स को समर्थन देने का लक्ष्य रखता है। एमटेक (Emtek) ने 07 स्टार्टअप्स को शामिल किया है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्टअप्स द्वारा 01 प्रोटोटाइप और 02 उत्पादों का विकास किया गया है।

गांधीनगर में फिनग्लोब सीओई

एसटीपीआई ने गुजरात सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से फिनग्लोब उत्कृष्टता केंद्र (CoE) को स्थापित किया है, जिसका उद्देश्य वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के विकास और प्रसार में उत्प्रेरक की भूमिका निभाना है। फिनग्लोब सीओई स्टार्टअप्स, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा, विशेषज्ञ मार्गदर्शन, और एक सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करके, उद्यमियों और स्थापित कंपनियों को फिनटेक, टेकफिन, बैंकिंग उद्योग और संबद्ध क्षेत्रों में समाधान प्रस्तुत करने, नवाचार करने और उन्हें विस्तार देने के लिए सशक्त बनाना चाहता है। फिनग्लोब सीओई का लक्ष्य पांच वर्षों की अवधि में 33 नवाचारी स्टार्टअप्स को समर्थन और पोषण देना है

प्रौद्योगिकी आधारित नवाचारों को सक्षम बनाना

नेक्स्ट जेनरेशन इन्क्यूबेशन स्कीम (एनजीआईएस)

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने चैंपियन सेक्टर सर्विसेज स्कीम के तहत नेक्स्ट जेनरेशन इनक्यूबेशन स्कीम (एनजीआईएस) को मंजूरी दी है। एसटीपीआई एनजीआईएस लागू कर रहा है, जो एक व्यापक इन्क्यूबेशन योजना है, जिसका उद्देश्य भारत को एक सॉफ्टवेयर उत्पाद राष्ट्र बनाना है ताकि भारत को नवाचार, कुशल और सुरक्षित सॉफ्टवेयर उत्पादों के विकास, उत्पादन और आपूर्ति में एक वैश्विक प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके। एनजीआईएस का उद्देश्य एक सुदृढ़ आईटी उद्योग के पूरक के लिए सतत विकास, नए रोजगार और अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए टियर-II और टियर-III शहरों में वाइब्रेंट सॉफ्टवेयर उत्पाद इकोसिस्टम प्रदान करना है । एनजीआईएस को 12 एसटीपीआई केन्द्रों (अगरतला, भिलाई, भोपाल, भुवनेश्वर, देहरादून, गुवाहाटी, जयपुर, लखनऊ, प्रयागराज,मोहाली, पटना और विजयवाड़ा) से शुरू किया गया है। एनजीआईएस आईटी/आईटीईएस/ईएसडीएम के क्षेत्र में लगभग 300 स्टार्टअप/उद्यमियों/एसएमई का समर्थन करेगा और उनसे 50 से अधिक पेटेंट/आईपीआर उत्पन्न करेगा। एनजीआईएस का कुल बजटीय परिव्यय 3 वर्ष की अवधि के लिए ₹95 करोड़ है।

16 चुनौती कार्यक्रमों के माध्यम से 593 स्टार्टअप्स का चयन किया गया (चुनौती - एडवांस इनहेबिटेड टेक्नोलॉजी इंटरवेन्शन के लिये एनजीआईएस के अधीन चैलेंजहंट)। 530 को सलाह, वजीफा और फंडिंग के रूप में समर्थन मिला है। विशेष रूप से, 325 स्टार्टअप को वजीफा प्राप्त हुआ है, और 103 स्टार्टअप को योजना के तहत धन प्राप्त हुआ है। 31 मार्च 2024 तक, एनजीआईएस (नेक्स्ट जेनरेशन इनक्यूबेशन स्कीम) के लाभार्थी स्टार्टअप्स ने कुल मिलाकर 661 उत्पाद विकसित किए हैं, 201 पेटेंट दाखिल किए हैं और 4518 रोजगार उत्पन्न किए हैं। इसके अलावा, एनजीआईएस के निवेश के अलावा, 127 स्टार्टअप्स को अन्य निवेशकों से भी वित्त पोषण प्राप्त हुआ है। लाभार्थी स्टार्टअप्स में से कुल 210 स्टार्टअप्स ने राजस्व उत्पन्न करने की सूचना दी है।

चालू वित्तीय वर्ष 2023 – 24 में, दो चुनौती कार्यक्रमों के माध्यम से 176 स्टार्टअप्स को चुना गया है। इसके अतिरिक्त, 8 मार्च 2024 को 17वां चुनौती कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसमें आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2024 थी और इसे 381 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

इस पहल के तहत, इस वर्ष भारत के विभिन्न हिस्सों, विशेष रूप से टियर 2 और 3 शहरों के स्केलिंग और ग्रोथ स्टेज में टेक स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए, लीप एहेड (लीप अहेड) (टेक उद्यमियों के लिए त्वरित विकास और अग्रणी बनने का लॉन्चपैड) नामक एक नई पहल शुरू की गई। 6 नवंबर 2023 को नई दिल्ली में स्टार्टअप समिट में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव द्वारा लीप एहेड का पहला संस्करण लॉन्च किया गया। इसके बाद भुवनेश्वर (28 नवंबर 2023), विजयवाड़ा (6 दिसंबर 2023) और चंडीगढ़ (13 दिसंबर 2023) में लीप एहेड स्टार्टअप समिट्स और इन-पर्सन पिचिंग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन सम्मेलनों को 100+ वक्ताओं, 55+ निवेशकों और 1400+ प्रतिभागियों (स्टार्टअप्स, शिक्षाविदों और स्टार्टअप इकोसिस्टम पार्टनर्स सहित) का उत्साहजनक प्रतिसाद मिला।

लीप एहेड का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले मार्गदर्शन, सह-निवेश मॉडल में फंडिंग और स्टार्टअप्स को वैश्विक कनेक्शनों के माध्यम से सहायता प्रदान करना था। स्केलिंग या ग्रोथ स्टेज में मौजूद टेक स्टार्टअप्स, जो उत्पाद विविधीकरण या नए भौगोलिक क्षेत्रों में विस्तार की योजना बना रहे थे, इस पहल के तहत मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता से लाभान्वित हुए। 27 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त 546 पूर्ण आवेदनों में से बहु-स्तरीय स्क्रीनिंग और मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद, लीप एहेड के पहले संस्करण के लिए 87 स्टार्टअप्स का चयन किया गया। इन 87 स्टार्टअप्स ने 23 जनवरी 2024 को नई दिल्ली के इंडियन हैबिटेट सेंटर में हाइब्रिड मोड में शुरू किए गए तीन महीने के गहन मार्गदर्शन कार्यक्रम में भाग लिया। 60+ उद्योग के नेता और सफल स्टार्टअप संस्थापकों ने मार्गदर्शन प्रदान किया, जिसमें विभिन्न विषय शामिल थे जैसे उत्पाद-बाजार फिट, ग्राहक अपनाना, व्यापार मॉडल, वित्तीय प्रबंधन, गो-टू-मार्केट रणनीतियां, विपणन, टीम निर्माण, अनुपालन, कानूनी पहलू, आईपी और इएसजी, वित्तीय मॉडलिंग, स्केलेबिलिटी, पिचिंग और धन उगाहना।

27 निवेशकों ने एमओयूस के माध्यम से एसटीपीआई के साथ साझेदारी की और लीप एहेड स्टार्टअप्स को फंड जुटाने में सहायता की, और इन निवेशकों ने नेक्सटजेन टेक्नोलॉजी फंड– I के साथ मिलकर इन स्टार्टअप्स को कई टर्म शीट जारी कीं।

संवर्धनात्मक कार्यकलाप

सूचना प्रौद्योगिकी में अनुकूल परिवेश बनाकर लघु और मध्यम उद्यमियों (एसएमई) को प्रोत्साहन

एसटीपीआई, इन्क्यूबेशन सेवाएं, कार्यक्रमों का आयोजन, प्रायोजन/सह आयोजन, कार्यक्रमों में भागीदारी, मानव संसाधन विकास और निर्यात संवर्धन प्रयासों द्वारा एसएमई और उनके उद्देश्यों को नीचे दिए अनुसार बढ़ावा दे रहा हैः

कार्यक्रमों का आयोजन

- "एसटीपीआई ने सीआईआई कोयंबटूर के साथ मिलकर 7 सितंबर 2023 को कोयंबटूर में 'एआई द्वारा संचालित व्यापार परिवर्तन: दृष्टि से वास्तविकता' विषय पर सीआईआई कनेक्ट कोयंबटूर 2023 के 22वें संस्करण की सह-मेजबानी की।"
- कनेक्ट मदुरै 2023 का 6वां संस्करण, एक प्रमुख आईसीटी कार्यक्रम जिसका विषय 'आईटी का मदुरै से वैश्विक स्तर तक' था, एसटीपीआई ने सीआईआई मदुरै के सहयोग से 29 सितंबर 2023 को मदुरै में सह-मेजबानी की।
- 2 नवंबर 2023 को एसटीपीआई ने ओडिशा सरकार की ओ-चिप पहल के तहत भुवनेश्वर में 'ओडिशा सेमीकंडक्टर डिज़ाइन चैलेंज' का आयोजन किया, जिसमें सरकार, उद्योग और अकादमी के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।
- 30 नवंबर से 2 दिसंबर 2023 के बीच एसटीपीआई निर्यात पुरस्कार 2022-23, पश्चिम बंगाल का आयोजन इन्फोकॉम 2023 के दौरान किया गया।
- 29 नवंबर से 1 दिसंबर 2023 के बीच एसटीपीआई ने भारत के प्रमुख आईटी और बीटी कार्यक्रम 'बेंगलुरु टेक समिट - 2023' को कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बीटी और एस एंड टी विभाग के साथ मिलकर बेंगलुरु में 'सीमाओं को तोड़ते हुए: भारत से नवाचार, विश्व के लिए प्रभाव' विषय पर सह-मेजबानी की।
- 14 फरवरी 2024 को एसटीपीआई ने एचवाईएसईए के साथ मिलकर हैदराबाद में 'एआई: भविष्य का जश्न' विषय पर 31वां एचवाईएसईए राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन और पुरस्कार कार्यक्रम की सह-मेजबानी की।
- 23-24 फरवरी 2024 को एसटीपीआई ने तमिलनाडु सरकार के सहयोग से नंदमबक्कम, तमिलनाडु में एशिया के प्रमुख तकनीकी, उद्यमियों और प्रतिभाओं के लिए मंच 'अमैजिनटीएन 2024' की सह-मेजबानी की।"

आयोजनों की भागीदारी/प्रायोजन/सह-प्रायोजन

- टाईकॉन यूएसए 2023 का आयोजन 3-5 मई 2023 को सांता क्लारा कन्वेंशन सेंटर, यूएसए में हुआ।
- 1 जून 2023 को नई दिल्ली में ग्लोबल प्राइवेसी और डेटा-प्रोटेक्शन लीडरशिप मीट का दूसरा संस्करण आयोजित किया गया।
- 2 जून 2023 को, टाईकॉन मुंबई 2023 का आयोजन जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, मुंबई में हुआ।
- 11 जून 2023 को, नेशनल ट्रेनिंग कॉन्क्लेव 2023 का आयोजन नई दिल्ली में हुआ।
- 15 जून 2023 को बिम्सटेक स्टार्ट-अप फोरम का आयोजन कोलकाता में हुआ।
- 30 जून 2023 को "बिजनेस आईटी कॉन्क्लेव (बीआईटीसी) -2023" के 14वें संस्करण का आयोजन कोलकाता में हुआ।
- 12 जुलाई 2023 को टाईकॉन कोलकाता 2023 का आयोजन कोलकाता में हुआ।
- 5 अगस्त 2023 को आईटी कॉन्क्लेव 2023 का आयोजन नागपुर में हुआ।
- 17-19 अगस्त 2023 को सीआईआई - इंडिया इनोवेशन समिट 2023 का आयोजन बेंगलुरु में हुआ।
- 18 अगस्त 2023 को द टेकमीट और टेक्नोलॉजी एक्सीलेंस अवार्ड्स के 8वें संस्करण का आयोजन कोलकाता में हुआ।
- 25 अगस्त 2023 को जागरण डिजिटल भारत – समिट और अवार्ड्स 2023 का आयोजन नई दिल्ली में हुआ।
- 15 सितंबर 2023 को ईआईआईटीएफ 2023 के 12वें संस्करण का आयोजन कोलकाता में हुआ।
- 27 सितंबर 2023 को 22वें सीआईआई आईसीटी ईस्ट, ईस्टर्न रीजन का आयोजन कोलकाता में हुआ।
- 27-29 अक्टूबर 2023 को '7वां इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2023' का आयोजन भारत मंडपम, नई दिल्ली में 'ग्लोबल डिजिटल इनोवेशन' थीम पर हुआ।
- 1 दिसंबर 2023 को नास्टेक 2023 का आयोजन कोलकाता में हुआ।
- 12-14 दिसंबर 2023 को ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन एआई (जीपीएआई) समिट का आयोजन भारत मंडपम, नई दिल्ली में हुआ।
- 12 दिसंबर 2023 को तमिलनाडु अनलिमिटेड समिट का आयोजन चेन्नई में हुआ।
- 27-29 दिसंबर 2023 को एग्रोटेक-2023, एक राज्य-स्तरीय कृषि प्रदर्शनी, का आयोजन अकोला, महाराष्ट्र में हुआ।
- 10-12 जनवरी 2024 को वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के 10वें संस्करण का आयोजन गांधीनगर, गुजरात में हुआ।
- 17-19 जनवरी 2024 को इंडियासॉफ्ट इंटरनेशनल आईटी एग्ज़िबिशन और कॉन्फ्रेंसेस का आयोजन प्रगति मैदान, नई दिल्ली में हुआ।
- 1-3 फरवरी 2024 को भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो का आयोजन भारत मंडपम, नई दिल्ली में हुआ।
- 24-25 जनवरी 2024 को आईईएसए विजन समिट-2024 बेंगलुरु का आयोजन बेंगलुरु में हुआ।
- 2 फरवरी 2024 को इंटरनेशनल एआई कॉन्क्लेव का आयोजन चेन्नई में हुआ।
- 3 फरवरी 2024 को वेजलपुर स्टार्टअप फेस्टिवल का आयोजन अहमदाबाद में हुआ।
- 20 फरवरी 2024 8वां डिजिटल राजस्थान कॉन्क्लेव का आयोजन को जयपुर में हुआ।
- 1-3 मार्च 2024 को टेक्नोलॉजी सभा - समिट और अवार्ड्स के 35वें संस्करण का आयोजन कोलकाता में हुआ।
- नैसकॉम एसएमई कॉन्फ्लुएंस (एनएससी) – 2024 का आयोजन 15 मार्च 2024 को चेन्नई और 21 मार्च को नई दिल्ली में हुआ।
- 18-20 मार्च 2024 को स्टार्टअप महाकुंभ का आयोजन भारत मंडपम, नई दिल्ली में हुआ।"

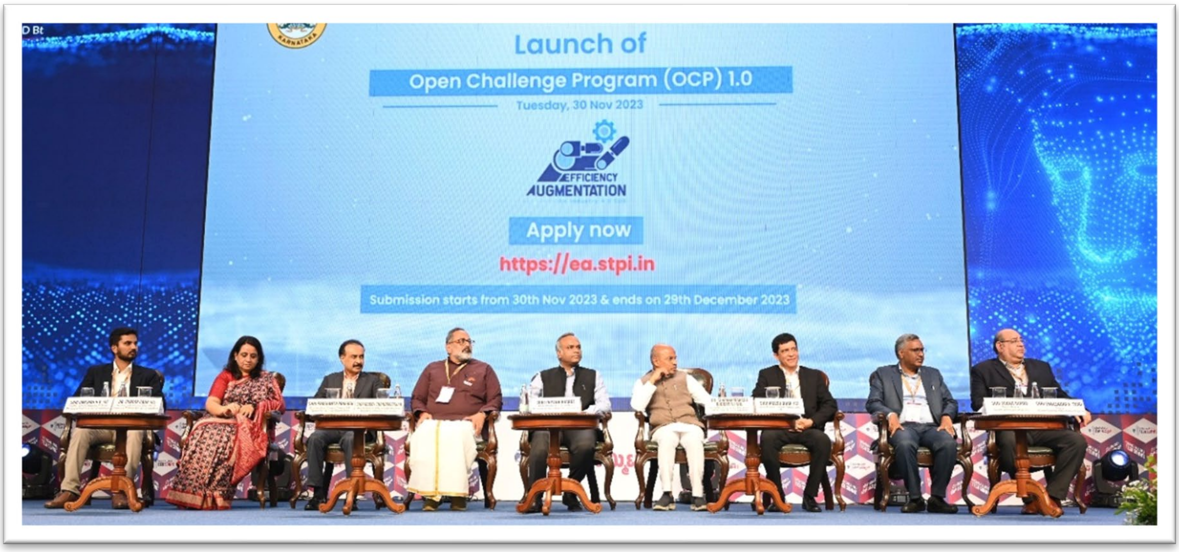

बेंगलुरु टेक समिट -2023 "ब्रेकिंग बाउंड्रीज: इनोवेशन फ्रॉम इंडिया, इम्पैक्ट फॉर द वर्ल्ड”

लीप अहेड स्टार्टअप समिट 2023, नई दिल्ली

आईटी/आईटीईएस उद्योग के लिए एसटीपीआई - नागपुर इन्क्यूबेशन सुविधा का शुभारंभ / उद्घाटन

एसटीपीआई बरेली केंद्र का शिलान्यास समारोह

जीपीएआई समिट 2023 में एआई इनोवेशन का प्रदर्शन करने वाले 9 स्टार्टअप्स को प्रदर्शित करने वाला एसटीपीआई पवेलियन

इन्फोकॉम 2023 के दौरान एसटीपीआई आईटी निर्यात पुरस्कार समारोह का आयोजन

एसटीपीआई का वित्तीय विश्लेषण

एसटीपीआई की वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान कुल राजस्व आय ₹ 303.21 करोड़ थी। ₹32.79 करोड़ के अधिशेष के साथ राजस्व व्यय ₹270.42 करोड (मूल्यह्रास के साथ) है। पूर्व अवधि के मदों के समायोजन के बाद तुलन-पत्र में ₹69.20 करोड़ के अधिशेष को लाया गया। निम्नलिखित ग्राफ आय और व्यय के रुझानो को प्रदर्शित करता हैः

(₹ करोड़ में)

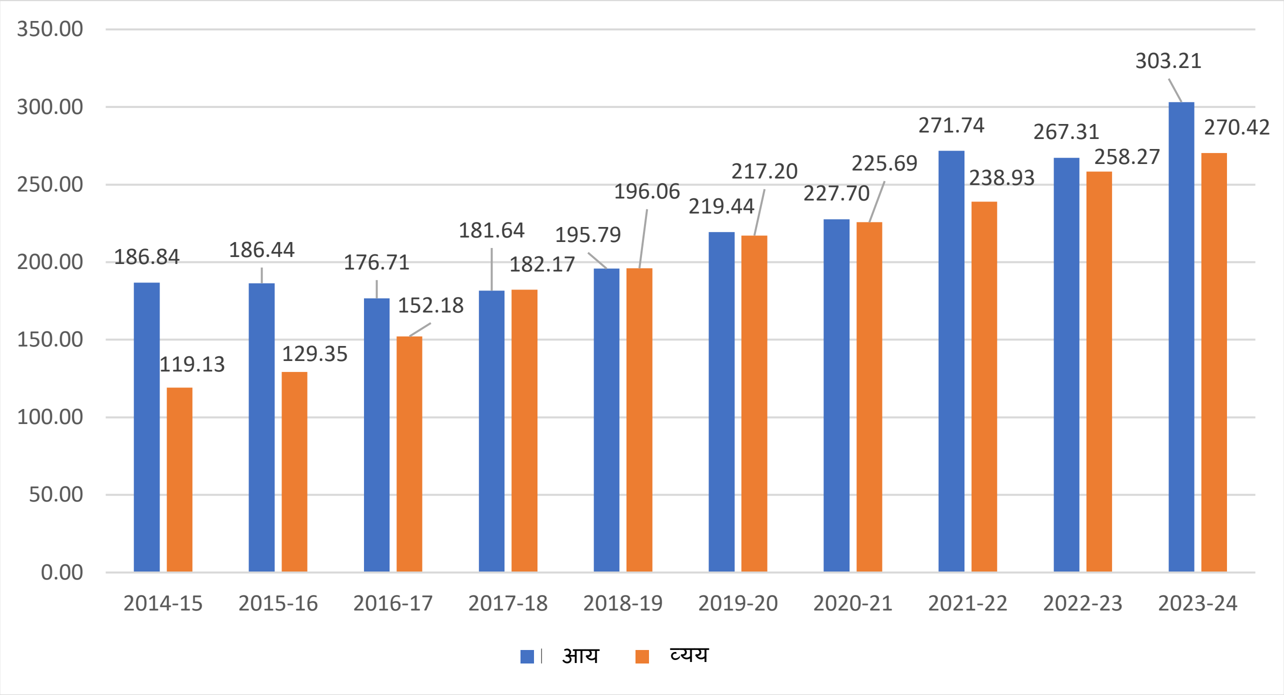

लेखा विवरण

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लेखाओं का संपरीक्षित विवरण अनुबंध-1 में दिया गया है ।

आभार

परिषद, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों, भारतीय रिजर्व बैंक, विभिन्न राज्य सरकारों, देशों में स्थित भारतीय मिशनों, अंतर्राष्ट्रीय वाहकों, हमारे बैंकर्स, एसटीपीआई इकाइयों के सदस्यों, सॉफ्टवेयर उद्योग संघों तथा सांविधिक लेखा परीक्षकों से प्राप्त सहयोग के लिये उनका कृतज्ञतापूर्वक आभार व्यक्त करती है। परिषद, एसटीपीआई के सफलतापूर्वक कार्य करने के लिए, इसके अधिकारियों/कर्मचारियों के अथक प्रयासों के लिये उनका भी आभार मानती है।

(अश्विनी वैष्णव)
अध्यक्ष, शासी परिषद,
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
और
रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी
एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार

अनुबंध -1

वार्षिक लेखा

समापन अवधि 31 मार्च, 2024 के लिए

स्वत्रंत लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में,

शासी परिषद, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,

योग्य राय

हमने सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के संलग्न वित्तीय विवरण पत्र की लेखा परीक्षा की है जिसमे 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र और इस वर्ष की समाप्ति पर आय और व्यय एवं नकदी प्रवाह विवरण-पत्र तथा महत्वपूर्ण लेखांकन प्रतियों का संक्षेप और अन्य विवरणात्मक सूचना और वित्तीय विवरण जिसमे भुवनेश्वर, बेंगलूरू, चेन्नई, कोलकाता, गांधीनगर, गुवाहाटी, हैदराबाद, महाराष्ट्र और तिरुवनंतपुरम के निदेशालय के लेखा परीक्षकों द्वारा उस तारीख को समाप्त वित्तीय वर्ष के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण पर टिप्पण शामिल हैं।

हमारी राय में एवं हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमे दिये गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, हमारी रिपोर्ट की योग्य राय के आधार के भाग में वर्णित मामलों के प्रभाव को छोड़कर, संलग्न वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2024 की तारीख की स्थिति के अनुसार सोसाइटी की वित्तीय स्थिति और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानकों के अनुरूप वर्ष की समाप्ति पर इसके वित्तीय निष्पादन और नकदी प्रवाह का एक सही और उचित चित्र प्रस्तुत करता है।

योग्य राय के आधार

सैटकॉम सर्विसेज (इंडिया) द्वारा प्राप्त 19.54 करोड़ रुपये का सहायता अनुदान, जिसे वर्ष 1995-96 में एसटीपीआई के साथ विलय कर दिया गया था, एसटीपीआई के खातों की पुस्तकों में लेखांकन मानक -12 (एएस -12) "सरकारी अनुदान के लिए लेखांकन" के अनुपालन के तहत समायोजन किया जाना बाकी है।

हमने अपनी लेखा परीक्षा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों (एसए) के अनुसार की है । उन मानकों के अनुसार हमारे उत्तरदायित्व हमारी रिपोर्ट के “*वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों के उत्तरदायित्व*” भाग में आगे वर्णित हैं। हम भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार सोसाइटी से स्वतंत्र हैं और इन अपेक्षाओं तथा आचार संहिता के अनुसार हमने अपने अन्य नैतिक दायित्वों का निर्वहन किया है। हमें विश्वास है कि हमें प्राप्त लेखा परीक्षा के साक्ष्य वित्तीय विवरण-पत्र हमारी लेखा परीक्षा संबंधी योग्य राय प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित हैं।

मुद्दों पर जोर:

हम निम्नलिखित बातों पर ध्यान आकर्षित करते हैं:

क. वित्तीय विवरण पत्र की अनुसूची 22क में टिप्पण संख्या 1 में दिए कुछ शेषों के संबंध में, जो समाधान/पुष्टि के अधीन हैं।
इन मामलों के संबंध में हमारी राय संशोधित नहीं है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबन्धन और प्रशासन से सम्बंधित व्यक्तियों का उत्तरदायित्व

इन वित्तीय विवरण को तैयार करने की जिम्मेदारी प्रबंधन की है, जो भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान और सोसाइटिज रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1860 द्वारा जारी, भारत में सामान्य तौर पर मान्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार सोसाइटी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय कार्य निष्पादन एवं नकदी प्रवाह का सही और उचित चित्र प्रस्तुत करता है। इस जिम्मेदारी में सोसाइटी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी तथा अन्य विनियमितताओं की पहचान करने और उसे रोकने के लिए पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड बनाए रखना, समुचित लेखांकन नीतियों का चयन और अनुप्रयोग, तर्कसंगत और विवेकपूर्ण निर्णय लेना और अनुमान व्यक्त करना और ऐसे पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की रूपरेखा तैयार करना, उसका कार्यान्वयन और उसका अनुरक्षण करना है, जो लेखांकन रिकॉर्ड की यथार्थता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावकारी रूप से कार्य कर रहा है, जो वित्तीय विवरण तैयार करने और उसके प्रस्तुतीकरण से संबन्धित हैं और यह धोखाधड़ी अथवा त्रुटि से उत्पन्न सभी प्रकार के मिथ्या कथन से मुक्त एकदम उचित तथा निष्पक्ष स्थिति प्रस्तुत करता है।

वित्तीय विवरणों की तैयारी में यह प्रबंधन की जिम्मेदारी होती है कि वह संस्था के एक उन्नतिशील प्रतिष्ठान बने रहने की क्षमता, उन्नतिशील प्रतिष्ठान से

सम्बंधित, यथा अनुप्रयोज्य, मामलों को दर्शाना, प्रतिष्ठान के लेखांकन आधार का प्रयोग करना, जब तक कि प्रबंधन संस्थान का परिसमापन करने अथवा इसका परिचालन समाप्त करने का इरादा न रखता हो या उसके पास ऐसा करने के अलावा और कोई वास्तविक विकल्प न हो ।

प्रशासन से सम्बंधित व्यक्तियों पर संस्थान के वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया के पर्यवेक्षण का दायित्व है ।

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के प्रति लेखा परीक्षकों का उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इस संबंध में यथोचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या धोखाधड़ी अथवा त्रुटि किसी भी वजह से वित्तीय विवरण समग्र रूप से मिथ्या कथन से मुक्त हैं और साथ ही राय से युक्त लेखा परीक्षा रिपोर्ट जारी करना है। यथोचित आश्वासन उच्च स्तरीय आश्वासन होता है किन्तु यह इस बात की सुनिश्चितता नहीं है कि लेखांकन मानकों के अनुसार की गयी लेखा परीक्षा मिथ्या कथन यदि विद्यमान भी हो, की सदैव पहचान कर लेगी। मिथ्या कथन धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न होती है और यदि अकेले या सामूहिक रूप से वे इन वित्तीय विवरणों के आधार पर प्रयोक्ता द्वारा लिए गए निर्णय पर प्रभाव डालते हैं तो उन्हें महत्वपूर्ण समझा जाता है।

लेखांकन मानक के अनुसार, लेखा परीक्षा के एक भाग के रूप में, हम पूरी लेखा परीक्षा में पेशेवर निर्णय लेते हैं और पेशेवर नजरिया बनाये रखते हैं। हम निम्नलिखित कार्य भी करते हैंः-

- वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण गलत विवरण के जोखिमों की पहचान और उसका मूल्यांकन करते हैं चाहे वे धोखाधड़ी के कारण हो या त्रुटि के कारण, उन जोखिमों से निपटने के लिए लेखा प्रक्रिया डिज़ाइन व निष्पादन करते हैं और लेखा परीक्षा करते हैं और लेखा परीक्षा सम्बन्धी साक्ष्य प्राप्त करते हैं जो हमारे राय के लिए पर्याप्त और समुचित हो। धोखाधड़ी के कारण उत्पन्न महत्वपूर्ण गलत विवरणों का पहचान न कर पाने के खतरे का प्रभाव त्रुटि के कारण उत्पन्न किसी खतरे से प्रभाव से अधिक होता है क्योंकि धोखाधड़ी में सांठ-गाँठ, जालसाजी, साभिप्राय चूक, गलतबयानी, आतंरिक नियंत्रण में उल्लंघन शामिल हो सकता है।
- ऐसी परिस्थितियों में उपयुक्त लेखा परीक्षा प्रक्रिया तैयार करने के लिए सम्बद्ध आतंरिक नियंत्रण प्रणाली हासिल करते हैं ।
- प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और लेखांकन आकलनों की विश्वसनीयता और प्रबंधन द्वारा किये गए सम्बंधित प्रकटन का मूल्यांकन करते हैं।
- प्रतिष्ठान के लेखांकन आधार का प्रबंधन द्वारा उपयोग और प्राप्त लेखा परीक्षा के आधार, चाहे कार्यकलापों से सम्बंधित अनिश्चितताएं विद्यमान हों अथवा ऐसी परिस्थितियां विद्यमान हों जिससे प्रतिष्ठान को चलाने में सोसाइटी की क्षमता पर व्यापक प्रभाव पड़ता हो, के आधार के औचित्य के संबंध में निष्कर्ष निकलना । यदि हम यह निष्कर्ष निकलते हैं कि अनिश्चितताएं विद्यमान हैं तो हम अपने लेखा परीक्षा रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों से सम्बंधित प्रकटन पर ध्यान आकर्षित करते हैं या यदि ऐसे प्रकटन अपर्याप्त होते हैं तो अपनी राय में परिवर्तन करते हैं। हमारी लेखा परीक्षा रिपोर्ट की निष्कर्षता लेखा परीक्षा रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित है । हालांकि भविष्य की गतिविधियों या परिस्थितियों के कारण हो सकता है की सोसाइटी चालू समुत्थान का विषय बना रह सकता है।
- वित्तीय विवरणों में प्रकटन सहित समग्र प्रस्तुतिकरण, संरचना और विषय वस्तु का मूल्यांकन करते हैं और इस बात का भी मूल्यांकन करते हैं कि क्या वित्तीय विवरणों में लेनदेन व घटनाएं इस प्रकार दी गयीं हैं कि निष्पक्षता प्रदर्शित होती हो ।
- समेकित वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए समूह और उसके सहयोगियों या संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं के भीतर संस्थाओं या व्यावसायिक गतिविधियों की वित्तीय जानकारी के बारे में पर्याप्त उचित लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करें। हम समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल ऐसी संस्थाओं के वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षा के निर्देश, पर्यवेक्षण और निष्पादन के लिए जिम्मेदार हैं, जिनके हम स्वतंत्र लेखा परीक्षक हैं। समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल अन्य संस्थाओं के लिए, जिनका अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षा की गई है, ऐसे अन्य लेखा परीक्षक उनके द्वारा किए गए लेखा परीक्षा के निर्देश, पर्यवेक्षण और निष्पादन के लिए जिम्मेदार रहते हैं। हम अपनी लेखा परीक्षा राय के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार रहते हैं।

महत्वपूर्ण समेकित वित्तीय विवरणों में गलत बयानों की वह मात्रा है जो व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर यह संभावना बनाती है कि वित्तीय विवरणों के उचित रूप से जानकार उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। हम (i) अपने लेखापरीक्षा कार्य के दायरे की योजना बनाने और अपने कार्य के परिणामों का मूल्यांकन करने में मात्रात्मक भौतिकता और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं; और (ii) वित्तीय विवरणों में पहचाने गए किसी भी गलत बयान के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए|

हम प्रशासन से सम्बंधित व्यक्तियों को अन्य बातों के अतिरिक्त योजनागत कार्य क्षेत्र, लेखा परीक्षा का समय और लेखा परीक्षा के दौरान पहचान किये गए आतंरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण खामियों सहित महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्षों की जानकारी देते हैं।

हम प्रशासन से सम्बंधित व्यक्तियों को इस संबंध में एक वक्तव्य भी प्रदान करते हैं कि हमने अपनी स्वतंत्रता में और उनके साथ सभी स्तरों पर संचार तथा ऐसे अन्य मामलों में, जिसका हमारी स्वंत्रता पर प्रभाव पड़ता हो, नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन किया है और जहाँ कहीं भी उपयुक्त हुआ सुरक्षोपाय अपनाये।

अन्य मामले

हमने नौ निदेशालयों के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा नहीं की है, जिनके वित्तीय विवरणों में 31 मार्च, 2024 की तारीख को कुल परिसंपत्तियां ₹48,364.86 लाख और उस तारीख को समाप्त वर्ष में कुल राजस्व ₹22,386.84 लाख दिखाए गए हैं। इन निदेशालयों के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा निदेशालयों के लेखा परीक्षकों द्वारा की गयी है जिनके रिपोर्ट हमें प्रस्तुत किये गए हैं और निदेशालयों से सम्बंधित राशि और प्रकटन के संबंध में हमारी राय केवल निदेशालयों के लेखा परीक्षकों के रिपोर्ट पर ही आधारित है।

इन मामलों के संबंध में हमारी राय संशोधित नहीं है।

अन्य विधिक एवं विनियामक आवश्यकताओं के बारे में रिपोर्ट

क) हमने ऐसी सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए है, जोकि हमारे सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजन से आवश्यक थे।

ख) हमारी राय में खाता बहियों की जांच से पता चलता है कि सोसाइटी ने खाता बहियों को विधि के अनुसार यथा अपेक्षित तरीके से रखा है।

ग) इस रिपोर्ट में चर्चा किये गए तुलन पत्र, आय-व्यय लेखा विवरण सहित नकदी प्रवाह विवरण सम्बद्ध बही खातों के अनुरूप हैं।

कृते ए. पी. टी एंड को एलएलपी
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या 014621C/N500088

(आशीष गोयल)
भागीदार
सदस्यता सं. 534775
स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: **31 अगस्त, 2024**
यूडीआईएन: 24534775BKAMNH9985

लेखा परीक्षक

वार्षिक लेखा

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सी एंड एजी आई) की सिफारिश के आधार पर एसटीपीआई के लिए सांविधिक और शाखा लेखा परीक्षक नियुक्त किए गए हैं। इनकी सूची निम्न प्रकार हैः-

क्रम सं	लेखा परीक्षक कम्पनी का नाम	लेखा परीक्षा के लिए आवांटित केन्द
1	एपीटी एंड को एलएलपी (डीई2689) ए-2/36, तृतीय तल, सफ़दरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली-110029	लेखा का समेकन, लेखा परीक्षा दिल्ली मुख्यालय, नोएडा व गुरूग्राम इकाइयों की लेखा परीक्षा
2	राम राज एंड कं. (बीए0256) सं.65, चतुर्थ तल, उनतीसवीं ए क्रॉस, गीता कॉलोनी, खंड-IV, बेंगलुरु - 560011, कर्नाटक	बेंगलुरु, हैदराबाद व चेन्नई इकाइयों की लेखा परीक्षा
3	पाटनकर एंड एसोसिएट्स (डब्लूआर0178) कार्यालय सं. 19-23, चतुर्थ तल, गोल्ड विंग्स, एस. सं. 118/ए, प्लॉट सं.543, पार्वतीनगर, सिंहगढ़ रोड, पुणे- 411030, महाराष्ट्र	पुणे व गांधीनगर इकाइयों की लेखा परीक्षा
4	एससीएम एसोसिएट्स (एसपीओ042) 98, प्रथम तल, खारवेल नगर, केशरी टॉकीज काम्प्लेक्स, भुबनेश्वर – 751001, ओड़िशा	भुवनेश्वर, गुवाहाटी व कोलकाता इकाइयों की लेखा परीक्षा
5	ए आर एस बी एंड एसोसिएट्स (एसआर1315) बालानिलयम, एयर रोड वज़ुथाकौड, तिरूवनंतपुरम-695014, केरल	तिरूवनंतपुरम की लेखा परीक्षा

तुलन-पत्र (31 मार्च, 2024 को)

(राशि ₹ में)

विवरण	अनुसूची सं.	चालू वर्ष	गत वर्ष
निधियों का स्रोत:			
सामान्य निधि	1	9,26,71,28,807	8,57,51,71,464
संचित एवं अधिशेष	2	3,22,11,605	3,22,11,592
चिन्हित निधि	3	1,17,13,07,776	98,73,74,529
(क)		**10,47,06,48,188**	**9,59,47,57,585**
अन्तर इकाई लेखा (ख)	4	-	-
ऋण निधि			
सुरक्षित ऋण	5	-	-
असुरक्षित ऋण		5,70,00,000	5,70,00,000
(ग)		5,70,00,000	5,70,00,000
आस्थगित कर देयताएं (घ)		-	-
कुल (क+ख+ग+घ)		**10,52,76,48,188**	**9,65,17,57,585**
निधियों का प्रयोग:			
संपत्ति संयत्र व उपस्कर			
सकल खण्ड	6	6,96,06,75,238	6,57,04,25,153
घटाव: संचित मूल्यह्रास		4,02,41,69,851	3,59,42,23,863
निवल खण्ड		2,93,65,05,389	2,97,62,14,628
पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य	7	4,58,29,48,427	3,31,83,78,308
(च)		**7,51,94,53,816**	**6,29,45,92,936**
निवेश (छ)	8	4,80,61,896	4,80,15,549
आस्थगित कर परिसम्पत्तियाँ (ज)		-	-
चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण व अग्रिम			
सामग्रियां	9	1,71,661	1,71,661
विविध देनदार	10	52,50,53,006	31,20,14,350
शेष नकद	11	-	2,780
ऋण व अग्रिम	12	2,74,86,38,984	3,11,75,57,497
बैंक में शेष	11	4,01,25,93,639	5,09,05,88,129
संचालन पूर्व खर्चे		1,16,49,042	1,24,34,826
घटाव: चालू देयताएं व प्रावधान			
चालू देयताएं	13	1,96,64,49,542	2,94,44,87,975
प्रावधान	14	2,37,15,24,313	2,27,91,32,168
शुद्ध चालू परिसम्पत्तियाँ (झ)		2,96,01,32,476	3,30,91,49,099
कुल(च+छ+ज+झ)		**10,52,76,48,188**	**9,65,17,57,585**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ तथा लेखाओं पर की गई टिप्पणियाँ	22 व 22क		

संलग्न नोट वित्तीय विवरण के अभिन्न भाग हैं।

उक्त तिथि के लिए हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार

कृते एपीटी एंड को एलएलपी

सनदी लेखाकार

पंजीकरण सं. 014621C/N500088

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया

(आशीष गोयल)
भागीदार
सदस्यता सं. 534775

(सचिन जैन)
मुख्य वित्त अधिकारी

(देवेश त्यागी)
वरिष्ठ निदेशक

(अरविन्द कुमार)
महानिदेशक

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक : 31 अगस्त, 2024

यूडीआईएन: 24534775BKAMNH9985

आय-व्यय खाता (समापन वर्ष 31 मार्च, 2024 के लिये)

(राशि ₹ में)

विवरण	अनुसूची सं.	चालू वर्ष	गत वर्ष
आय			
परिचालन आय	15	2,71,87,94,392	2,37,62,02,234
अर्जित ब्याज	16	27,21,50,201	25,21,71,409
अन्य आय	17	4,11,96,018	4,47,38,973
कुल		**3,03,21,40,610**	**2,67,31,12,616**
व्यय			
डाटा लिंक शुल्क		6,15,07,646	6,04,04,825
परियोजना व्यय		31,95,39,246	22,06,95,535
कर्मचारियों की पारिश्रमिक व लाभ	18	1,20,78,26,523	1,14,21,87,462
बिक्री, प्रशासन व अन्य व्यय	19	64,20,49,047	63,40,28,562
ब्याज व वित्त शुल्क	20	9,78,274	1,56,20,105
मूल्यह्रास	6	47,22,64,281	50,97,17,846
कुल		**2,70,41,65,017**	**2,58,26,54,335**
कर पूर्व अवधि के समायोजन से पूर्व अधिशेष/(घाटा)		**32,79,75,594**	**9,04,58,282**
पूर्व अवधि के समायोजन	21	36,39,81,748	(7,59,86,665)
कर से पूर्व अधिशेष/(घाटा)		**69,19,57,342**	**1,44,71,617**
कराधान के लिए प्रावधान			
वर्तमान आयकर		-	-
आस्थगित कर		-	-
कुल कर व्यय		-	-
कर के बाद अधिशेष/(घाटा)		**69,19,57,342**	**1,44,71,617**
तुलन-पत्र में ले जाया गया अधिशेष/(घाटा)		**69,19,57,342**	**1,44,71,617**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ तथा लेखाओं पर की गई टिप्पणियाँ	22 व 22 क		

संलग्न नोट वित्तीय विवरण के अभिन्न भाग हैं।

उक्त तिथि के लिए हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार

कृते एपीटी एंड को एलएलपी
सनदी लेखाकार
पंजीकरण सं. 014621C/N500088

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया

(आशीष गोयल)
भागीदार
सदस्यता सं. 534775

(सचिन जैन)
मुख्यवित्त अधिकारी

(देवेश त्यागी)
वरिष्ठ निदेशक

(अरविन्द कुमार)
महानिदेशक

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 31 अगस्त, 2024
यूडीआईएन: 24534775BKAMNH9985

नगदी प्रवाह विवरण (समापन वर्ष 31 मार्च, 2024 के लिये)

(राशि ₹ में)

	विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
1	**परिचालन गतिविधियों से नगदी प्रवाह**		
	कर एवं पूर्व अवधि के समायोजन से पहले शुद्ध अधिशेष	32,79,75,594	9,04,58,282
	समायोजन हेतु:-		
	मूल्यह्रास	47,22,64,280	50,97,17,846
	ब्याज व्यय	9,78,274	1,56,20,105
	विविध देनदारों सम्बन्धी प्रावधान का वापसी-लेखन	(18,07,263)	(18,93,234)
	संयुक्त उद्यम से प्राप्त लाभांश	(1,53,95,749)	(1,25,51,000)
	विविध जमा शेष प्रावधान का वापसी-लेखन	(62,09,472)	(2,45,99,861)
	सेवानिवृति लाभ व पी एफ ट्रस्ट हेतु प्रावधान	11,06,77,133	8,64,89,565
	संदेहास्पद ऋण हेतु प्रावधान	1,22,96,205	2,14,92,408
	माफ़ किए गए अशोध्य ऋण	95,550	3,35,246
	अचल सम्पत्ति की बिक्री पर शुद्ध हानि/(लाभ)	(3,17,922)	8,01,581
	निवेश की बिक्री/ मोचन पर शुद्ध हानि/(लाभ)	(27,60,423)	-
	ब्याज की आय	(27,21,50,201)	(25,21,71,409)
	पूर्व अवधि आय	(32,08,93,772)	(4,77,651)
	विदेशी मुद्रा अस्थिरता से शुद्ध हानि/(लाभ)	3,18,685	15,69,984
	कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पूर्व परिचालन अधिशेष	**30,50,70,920**	**43,47,91,861**
	समायोजन हेतु-:		
	विविध देनदारों में (वृद्धि)/ कमी	(21,30,38,655)	(7,59,05,208)
	ऋण व अग्रिम में (वृद्धि)/ कमी	(29,18,11,900)	7,98,83,884
	सामग्रियों में (वृद्धि)/ कमी	-	-
	चालू देयतायों व प्रावधान में वृद्धि /(कमी)	(69,28,72,007)	(76,33,57,924)
	पूर्व अवधि समायोजन से पहले परिचालन से उत्पन्न(प्रयुक्त)/ नगदी	**(89,26,51,642)**	**(32,45,87,387)**
	पूर्व अवधि समायोजन	36,39,81,748	(7,59,86,665)
	कर पूर्व परिचालन से उत्पन्न(प्रयुक्त) नकदी/	**(52,86,69,894)**	**(40,05,74,052)**
परिचालन गतिविधियों से प्रवाह /(में प्रयुक्त) निवल नगदी		**(52,86,69,894)**	**(40,05,74,052)**
2	**निवेश गतिविधियों से नगद प्रवाह**		
	अचल संपत्तियों खरीद	(8,32,68,054)	(5,76,61,906)
	परिसंपत्तियों की बिक्री	12,39,971	10,77,996
	निवेश की खरीद	(1,25,400)	3,333
	निवेश की बिक्री	28,39,476	-
	संयुक्त उद्यम से प्राप्त लाभांश	1,31,13,749	57,05,000
	पूंजीगत निर्माणाधीन कार्य	(93,51,54,781)	(1,10,82,11,328)
	अनुसूचित बैंकों में जमा	(14,53,71,447)	2,01,83,85,048
	प्राप्त ब्याज	34,94,85,950	15,59,40,966
	संचालन पूर्व व्यय में (वृद्धि)/ कमी	(30,74,733)	(2,11,45,490)
निवेश गतिविधियों से प्रवाह /(में प्रयुक्त) निवल नगदी		**(80,03,15,267)**	**99,40,93,619**
3	**वित्तीय गतिविधियों से नगद प्रवाह**		
	ब्याज व्यय	(9,78,274)	(1,56,20,105)
	चिन्हित कोष में वृद्धि/(कमी)	18,39,33,247	12,17,76,251
	सुरक्षित ऋण में वृद्धि/(कमी)	-	-
	असुरक्षित ऋण में वृद्धि/(कमी)	-	-
वित्तीय गतिविधियों से प्रवाह /(में प्रयुक्त) निवल नगदी		**18,29,54,973**	**10,61,56,146**
4	**नगद व नगद समान में निवल वृद्धि/(कमी)**	(1,14,60,30,188)	69,96,75,713
5	**वर्ष के आरम्भ में नगद व नगद समान**	1,95,80,17,849	1,25,83,42,136
	वर्ष के अंत में नगद व नगद समान	**81,19,87,661**	**1,95,80,17,849**

उक्त तिथि के लिए हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार

कृते एपीटी एंड को एलएलपी
सनदी लेखाकार
पंजीकरण सं. 014621C/N500088

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया

(आशीष गोयल)
भागीदार
सदस्यता सं. 534775

(सचिन जैन)
मुख्य वित्त अधिकारी

(देवेश त्यागी)
वरिष्ठ निदेशक

(अरविन्द कुमार)
महानिदेशक

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 31 अगस्त, 2024
यूडीआईएन: 24534775BKAMNH9985

31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलन-पत्र का भाग हैं

अनुसूची 1 : सामान्य निधि (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
सामान्य निधि		
वर्ष के प्रारंभ में	8,57,51,71,464	8,48,65,92,873
जोड़: वर्ष के दौरान वृद्धि	69,19,57,342	1,44,71,617
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग / समायोजन	(20,84,33,628)	7,41,06,974
कुल	**9,26,71,28,807**	**8,57,51,71,464**

अनुसूची 2 : संचित व अधिशेष (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
संचित पूँजी		
वर्ष के प्रारंभ में	3,22,11,592	10,63,18,566
जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्त	13	-
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग / समायोजन	-	7,41,06,974
कुल	**3,22,11,605**	**3,22,11,592**

अनुसूची 3 : आबंटित निधि (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
सहायतार्थ अनुदान-अपना		
वर्ष के प्रारंभ में	94,44,00,396	88,59,30,169
जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्ति	20,01,85,604	12,74,50,000
जोड़: वर्ष के दौरान समायोजन	-	9,19,344
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग	97,72,954	6,98,99,117
घटा: वर्ष के दौरान समायोजन	4,17,994	-
(क)	**1,13,43,95,051**	**94,44,00,396**
सहायतार्थ अनुदानअन्य इकाइयाँ-		
वर्ष के प्रारंभ में	4,29,74,133	5,57,58,777
जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्ति	71,00,000	71,00,000
जोड़: वर्ष के दौरान समायोजन	-	-
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग	1,31,61,408	1,98,84,644
घटा: वर्ष के दौरान समायोजन	-	-
(ख)	**3,69,12,725**	**4,29,74,133**
कुल(क+ख)	**1,17,13,07,776**	**98,73,74,529**

31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलन-पत्र का भाग हैं

अनुसूची 4 : अन्तर इकाई लेखा **(राशि ₹ में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
एसटीपीआई - मुख्यालय	5,12,57,10,981	4,79,12,63,871
एसटीपीआई - भिलाई	(8,46,22,688)	(10,20,91,270)
एसटीपीआई - इन्दौर	89,00,327	(11,61,45,156)
एसटीपीआई - जयपुर	(13,73,59,763)	(14,14,78,762)
एसटीपीआई - जोधपुर	1,56,41,860	1,57,85,452
एसटीपीआई - मोहाली	77,38,33,208	68,22,42,134
एसटीपीआई - शिमला	(20,43,22,753)	(4,29,31,284)
एसटीपीआई - श्रीनगर	(12,18,27,689)	(14,09,59,322)
एसटीपीआई - जम्मू	16,38,124	28,32,487
एसटीपीआई - बैंगलुरू	(73,72,91,132)	(77,19,89,508)
एसटीपीआई - मैसूर	-	-
एसटीपीआई - मणिपाल	-	-
एसटीपीआई - हुबली	-	-
एसटीपीआई - मैंगलुरु	-	-
एसटीपीआई - हैदराबाद	7,49,09,575	5,14,36,367
एसटीपीआई - विशाखापत्तनम	(54,60,981)	(99,80,610)
एसटीपीआई - विजयवाड़ा	(26,63,40,497)	(30,91,45,457)
एसटीपीआई - वारंगल	(21,13,592)	(16,91,728)
एसटीपीआई - तिरूपति	(1,44,24,366)	(1,57,67,597)
एसटीपीआई - काकीनाडा	(71,06,420)	(86,70,222)
एसटीपीआई - नवी मुम्बई	10,73,04,272	9,64,15,501
एसटीपीआई - पूणे	4,86,65,902	2,54,36,572
एसटीपीआई - औरंगाबाद	2,45,862	(8,97,298)
एसटीपीआई - नागपुर	(18,73,94,555)	(8,49,10,667)
एसटीपीआई - कोल्हापुर	(46,05,606)	(49,47,118)
एसटीपीआई - नासिक	(19,04,141)	6,21,211
एसटीपीआई - नोएडा	(47,31,36,263)	(65,44,32,375)
एसटीपीआई - देहरादून	(13,93,91,341)	(5,60,72,949)
एसटीपीआई - लखनऊ	(31,88,821)	(30,02,745)
एसटीपीआई - कानपुर	(36,92,449)	(51,62,945)
एसटीपीआई - प्रयागराज	(9,42,37,228)	(10,96,10,176)
एसटीपीआई - चेन्नई	20,58,11,789	19,85,06,430
एसटीपीआई - कोयम्बटूर	48,71,649	1,07,84,888
एसटीपीआई - पॉन्डिचेरी	(17,39,421)	(15,06,659)
एसटीपीआई - त्रिची	(14,73,229)	(10,35,706)
एसटीपीआई - तिरुनेलवेली	(13,008)	(8,681)
एसटीपीआई - मदुरै	(12,81,369)	(21,03,037)
एसटीपीआई - गंगटोक	(15,05,586)	(40,62,234)
एसटीपीआई - गुवाहाटी	(22,63,93,424)	(23,09,93,135)
एसटीपीआई - इम्फाल	(24,71,529)	(25,98,732)
एसटीपीआई - भुवनेश्वर	3,98,50,380	(7,66,79,332)

विवरण	चालू वर्ष	चालू वर्ष
एसटीपीआई - दुर्गापुर	60,18,160	57,60,810
एसटीपीआई - कोलकाता	(1,13,11,28,841)	(1,00,40,23,682)
एसटीपीआई - राऊरकेला	4,83,66,095	7,51,92,510
एसटीपीआई - खड़गपुर	6,60,804	1,10,200
एसटीपीआई - रांची	(13,28,63,003)	(14,38,57,791)
एसटीपीआई - सिलीगुड़ी	88,90,555	81,40,024
एसटीपीआई - हल्दिया	81,56,315	75,18,911
एसटीपीआई - शिलाँग	(9,31,330)	(32,85,979)
एसटीपीआई - पटना	(35,49,69,729)	(14,87,21,947)
एसटीपीआई - भिवाड़ी	-	
एसटीपीआई - तिरुवनंतपुरम	(56,41,69,550)	(44,43,38,527)
एसटीपीआई - गांधीनगर	(4,39,21,789)	(7,91,60,753)
शाखा पुनर्मिलान	(46,271)	19,138
एसटीपीआई - बेरहामपुर	(3,16,05,922)	(2,99,56,508)
एसटीपीआई - आइजोल	(73,13,104)	(60,36,687)
एसटीपीआई - अगरतला	(2,80,28,599)	(3,50,93,653)
एसटीपीआई - गुरुग्राम	(1,08,87,90,173)	(1,10,97,48,482)
एसटीपीआई - गोवा	(1,72,82,998)	(2,36,15,073)
एसटीपीआई - देवघर	(91,04,843)	(39,13,481)
एसटीपीआई - धनबाद	(35,000)	(4,61,11,443)
एसटीपीआई - कोहिमा	(4,58,61,399)	3,42,247
एसटीपीआई - भोपाल	(10,31,57,653)	93,071
एसटीपीआई - ग्वालियर	(35,56,872)	90,405
एसटीपीआई - मेरठ	(19,00,67,267)	41,46,483
एसटीपीआई - आगरा	61,770	-
एसटीपीआई - अमृतसर	(34,05,433)	-
कुल	-	-

अनुसूची 5 : ऋण निधि **(राशि ₹ में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
सुरक्षित ऋण		
बैंकों से नकद-उधार	-	-
वित्तीय संस्थानों से	-	-
सुरक्षित ऋण पर अर्जित तथा देय ब्याज	-	-
(क)	-	-
असुरक्षित ऋण	-	-
भारत सरकार से	-	-
राज्य सरकारों से	5,00,00,000	5,00,00,000
अन्य संस्थानों और एजेंसियों से	70,00,000	70,00,000
असुरक्षित ऋण पर अर्जित तथा देय ब्याज	-	-
(ख)	5,70,00,000	5,70,00,000
कुल (क+ख)	5,70,00,000	5,70,00,000

31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलन-पत्र का भाग हैं

अनुसूची 6: स्थायी परिसंपत्तियां एवं मुल्हास

(राशि ₹ में)

विवरण	सकल ब्लॉक					मूल्यह्रास				शुद्ध ब्लॉक	
	01.04.23 को	संयोजन		कटौती/ समायोजन	31.03.24 को	01.04.23 को	गत वर्ष का	गत वर्ष के दौरान समायोजन/ पूर्ण अवधि मुल्ह्रास	31.03.24 को	31.03.24 को	31.03.23 को
		180 वा उससे अधिक दिनों के लिए	180 से नाम दिनों के लिये								
मूर्त संपत्तियां											
भूमिः											
मुक्तिधारित	1,70,41,374	-	-	-	1,70,41,374	-	-	-	-	1,70,41,374	1,70,41,374
पट्टाधारित	1,56,65,582	13	-	-	1,56,65,595	10,41,991	1,71,937	-	12,13,928	1,44,51,667	1,46,23,591
भवनः											
आवासीय	16,94,07,838	-	-	-	16,94,07,838	1,63,66,281	56,53,178	-	2,20,19,459	14,73,88,379	15,30,41,557
अन्य	3,60,94,55,171	4,37,63,902	32,08,63,973	11,48,728	3,97,29,34,318	1,63,89,25,718	24,63,73,001	(2,64,922)	1,88,55,63,641	2,08,73,70,678	1,97,05,29,453
अस्थायी निर्माण	85,55,285	-	-	-	85,55,285	85,55,285	-	-	85,55,285	-	-
फर्नीचर व फिक्सचर	48,32,87,929	1,92,50,769	5,77,249	1,33,80,677	48,97,35,271	23,55,94,018	3,90,69,241	1,32,14,659.57	26,14,48,598	22,82,86,673	24,76,93,911
विद्युत् फिटिंग	37,46,90,740	8,14,170	3,02,078	-	37,58,06,988	25,18,41,107	4,21,17,081	16,27,606	29,23,30,582	8,34,76,407	12,28,49,633
एचएसडीसी उपस्कर	32,87,74,768	21,50,214	39,36,037	1,59,98,340	31,88,62,679	29,43,49,215	1,45,64,961	1,55,60,213	29,33,53,964	2,55,08,715	3,44,25,553
विद्युत् उपकरण	94,91,39,506	1,55,73,050	8,73,837	51,97,533	96,03,88,861	66,05,39,526	8,34,42,599	46,32,879	73,93,49,247	22,10,39,615	28,85,99,981
कार्यालय उपस्कर	23,16,95,756	54,28,675	30,27,378	17,80,485	23,83,71,323	18,46,38,683	1,32,95,602	13,79,289	19,65,54,996	4,18,16,327	4,70,57,072
वाहनः											
कार	1,05,36,625	-	-	-	1,05,36,625	73,66,583	14,89,477	-	88,56,060	16,80,564	31,70,041
अन्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कंप्यूटर एवं उपांत उपस्कर	15,76,19,995	1,33,58,375	48,12,234	71,40,517	16,86,50,088	13,19,58,827	1,36,07,046	61,13,594	13,94,52,279	2,91,97,809	2,56,61,167
अग्निशमन उपस्कर	9,37,06,992	1,76,998	-	12,588	9,38,71,402	5,50,07,697	94,99,055	54,973	6,44,51,779	2,94,19,624	3,86,99,295
अमूर्त संपत्तियां	6,30,78,268	-	-	-	6,30,78,268	5,02,69,608	29,81,103	-	5,32,50,711	98,27,557	1,28,08,660
संयंत्र व मशीनरी	5,77,69,323	-	-	-	5,77,69,323	5,77,69,323	-	-	5,77,69,323	-	-
वर्तमान वर्ष का कुल	**6,57,04,25,153**	**10,05,16,166**	**33,43,92,787**	**4,46,58,868**	**6,96,06,75,238**	**3,59,42,23,863**	**47,22,64,280**	**4,23,18,292**	**4,02,41,69,851**	**2,93,65,05,389**	**2,97,62,14,628**
पिछले वर्ष का कुल	**6,06,31,96,071**	**52,31,00,486**	**4,97,33,027**	**6,56,04,431**	**6,57,04,25,153**	**3,13,31,86,109**	**50,97,17,846**	**4,95,32,886**	**3,59,42,23,863**	**2,97,62,14,628**	**2,93,00,09,956**

31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलन-पत्र का भाग हैं

अनुसूची 7 : पूंजीगत निर्माणाधीन कार्य **(राशि ₹ में)**

विवरण	प्रारंभिक शेष 01.04.2023 को	संयोजन	पूँजीगत / समायोजन	अंत शेष 31.03.2024 को
मूर्त संपत्ति				
भूमि:				
मुक्तधारिता	-	-	-	-
पट्टे पर	8,681	1	-	8,682
भवन:				
आवासीय	-	-	-	-
अन्य	3,25,23,50,048	1,61,25,72,693	38,04,92,618	4,48,44,30,123
अस्थायी निर्माण	-	-	-	-
फर्नीचर एवं फिक्सर	2,42,28,216	1,37,25,154	-	3,79,53,370
विद्युत स्थापना	-	-	-	-
एचएसडीसी उपस्कर	1,85,76,105	-	-	1,85,76,105
विद्युत उपस्कर	-	16,00,924	-	16,00,924
कार्यालय उपस्कर	-	-	-	-
कम्प्यूटर व बाह्य उपस्कर	1,82,10,415	-	-	1,82,10,415
अग्निशमन उपस्कर	-	-	-	-
अमूर्त सम्पत्तियां	-	10,50,965	-	10,50,965
मुद्रा परिवर्तन दर में अन्तर	-	-	-	-
प्लांट व मशीनरी	-	1,18,59,901	-	1,18,59,901
कुल (क)	3,31,33,73,465	1,64,08,09,638	38,04,92,618	4,57,36,90,485
निर्माण के दौरान आकस्मिक व्यय	50,04,843	42,53,099	-	92,57,941
चालू वर्ष का कुल	**3,31,83,78,308**	**1,64,50,62,737**	**38,04,92,618**	**4,58,29,48,427**
गत वर्ष	**2,49,02,71,908**	**1,34,92,12,000**	**52,11,05,600**	**3,31,83,78,308**

31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलन-पत्र का भाग हैं

अनुसूची 8 : पूँजीनिवेश **(राशि ₹ में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
संयुक्त उद्यम में निवेश	4,69,40,000	2,44,40,000
सहायक कम्पनियों में निवेश	-	-
भारत सरकार के प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
बांड में निवेश	-	-
अन्य में निवेश	11,21,896	2,35,75,549
कुल	**4,80,61,896**	**4,80,15,549**

अनुसूची 9 : सामग्रियां **(राशि ₹ में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
भंडार एवं पुर्जे	1,71,661	1,71,661
एसटीपीआई प्रकाशन / पुस्तकें	-	-
निर्माणाधीन परियोजनाएं	-	-
कुल	**1,71,661**	**1,71,661**

अनुसूची 10 : विविध देनदार **(राशि ₹ में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
6 महीने से ज्यादा बकाया	26,94,41,275	26,38,72,896
अन्य बकाया	40,33,51,850	19,10,68,749
कुल(क)	**67,27,93,125**	**45,49,41,645**
घटा: संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान (ख)	(14,77,40,119)	(14,29,27,294)
कुल (क-ख)	**52,50,53,006**	**31,20,14,350**

31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलन-पत्र का भाग हैं

अनुसूची 11 : नकद व बैंक में जमा राशि **(राशि ₹ में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
हस्तगत नकद	-	-
फ़ूड वाउचर और हस्तगत स्टाम्प	-	2,780
(क)	-	**2,780**
अनुसूचित बैंकों के पास शेष रकम		
अनुसूचित बैंक के चालू खाते में	-	-
अनुसूचित बैंक के बचत खाते में	81,19,87,661	1,95,80,17,849
अनुसूचित बैंक के ईईएफसी खाता में		-
अनुसूचित बैंक के जमा खाता में	1,79,02,72,493	41,44,17,000
हस्तगत और मार्गस्थ चेक / डीडी	-	-
जमा रकम पर अर्जित ब्याज पर अभी देय नहीं	13,38,72,661	21,12,08,411
(ख)	**2,73,61,32,815**	**2,58,36,43,260**
अन्य नकद और बैंक में जमा राशि		
3 महीने से अधिक सावधि जमा	1,19,47,68,464	2,36,75,18,934
ग्रहणाधिकार के तहत सावधि जमा	8,16,92,360	13,94,25,936
(ग)	**1,27,64,60,824**	**2,50,69,44,870**
कुल(ख+ग)	**4,01,25,93,639**	**5,09,05,88,129**
कुल (क+ख+ग)	**4,01,25,93,639**	**5,09,05,90,909**

31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलन-पत्र का भाग हैं

अनुसूची 12 : ऋण व अग्रिम **(राशि ₹ में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
ऋण (असुरक्षित पर वसूली योग्य समझे गए) :		
कर्मचारीगत	75,24,293	76,86,151
सहायक कंपनियां	-	-
अन्य	3,12,795	-
(क)	**78,37,088**	**76,86,151**
अग्रिम		
पूर्तिकर्ता व ठेकेदारों को	25,74,35,805	82,21,03,562
कर्मचारियों को (ब्याज सहित)	7,85,754	11,28,759
वसूली योग्य दावे	18,63,60,941	15,50,67,672
अन्य	61,24,58,392	47,84,39,982
(ख)	**1,05,70,40,891**	**1,45,67,39,975**
प्रीपेड व्यय	45,12,181	51,06,034
प्रतिभूति / जमा अग्रिम धन	6,89,70,037	6,52,40,149
अग्रिम आयकर	1,72,46,23,413	1,69,23,29,815
(ग)	**1,79,81,05,631**	**1,76,26,75,997**
कुल (क+ख+ग)	**2,86,29,83,610**	**3,22,71,02,124**
घटा: संदेहात्मक ऋण व अग्रिम के लिए (घ)	11,43,44,626	10,95,44,626
कुल (क+ख+ग-घ)	**2,74,86,38,984**	**3,11,75,57,497**

31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलन-पत्र का भाग हैं

अनुसूची 13 : चालू देयताएं **(राशि ₹ में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
विविध लेनदार :		
(क) सेवाओं के लिए	10,37,19,275	8,53,95,382
(ख) सप्लाई के लिए	4,24,67,854	7,78,94,569
(ग) अन्य व्ययों के लिए	3,24,47,057	2,67,92,252
	17,86,34,186	**19,00,82,203**
ठेकेदारों व अन्य से प्राप्त जमानत व जमा	24,36,02,153	26,62,41,282
ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम:		
(क) सेवाओं तथा अन्यों के लिए	11,73,31,333	20,01,19,472
(ख) परियोजना के लिए	33,47,70,472	17,45,21,597
	45,21,01,805	**37,46,41,070**
अन्य देयताएं	54,39,86,944	78,16,74,942
परियोजना के लिए अग्रिम	54,81,24,455	1,33,18,48,478
कुल	**1,96,64,49,542**	**2,94,44,87,975**

अनुसूची 14 : प्रावधान **(राशि ₹ में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
आय कर	1,49,11,00,000	1,49,11,00,000
कर्मचारियों के लिए लाभ	85,18,68,808	75,94,76,664
प्रावधान: अन्य	2,85,55,505	2,85,55,505
कुल	**2,37,15,24,313**	**2,27,91,32,168**

31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो आय व्यय लेखा का भाग है

अनुसूची 15 : परिचालन आय **(राशि ₹ में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
सॉफ्ट प्वाइंट	-	-
सॉफ्ट लिंक	19,63,47,310	20,23,15,917
सैटेलाइट गेटवे सेवाएं	-	-
सांविधिक शुल्क	1,56,97,63,886	1,43,01,09,129
परियोजना क्रियान्वयन, प्रबंधन व परामर्श	45,75,42,960	29,57,96,132
इंक्यूबेशन आय	38,78,57,655	36,82,04,667
अन्य सेवाएं	10,72,82,581	7,97,76,389
इंटरनेट टेलीफोनी सेवाएं	-	-
कुल	**2,71,87,94,392**	**2,37,62,02,234**

अनुसूची 16 : ब्याज आय **(राशि ₹ में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
बैंकों के पास जमा राशि से	22,45,91,773	19,10,48,135
बैंकों के पास बचत खाते से	3,22,33,607	3,41,69,299
भारत सरकार की प्रतिभूति में निवेश से	-	-
बांड में निवेश से	-	-
कर्मचारियों को ऋण देने से	1,97,031	2,13,880
अन्यों से	1,51,27,789	2,67,40,095
कुल	**27,21,50,201**	**25,21,71,409**

अनुसूची 17 : अन्य आय **(राशि ₹ में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
अनुदान व अनुवृति	-	-
विदेशी मुद्रा के उतारचढ़ाव से लाभ-	-	1,63,076
अग्रिमो के लिए प्रावधान का वापसी-लेखन	63,298	41,612
विविध देनदारों के लिए प्रावधान का वापसी-लेखन	18,07,263	18,93,234
विविध जमा शेष का वापसी-लेखन	61,46,174	2,45,99,861
अचल संपत्ति की बिक्री/ निपटान से लाभ	8,56,497	5,42,536
निवेश की बिक्री/ विमोचन से लाभ	27,60,423	-
संयुक्त उद्यम से लाभांश	1,53,95,749	1,25,51,000
सहायक कंपनियों से लाभांश	-	-
अन्यों से लाभांश	-	-
अन्य विविध आय	1,41,66,613	49,47,653
कुल	**4,11,96,018**	**4,47,38,973**

31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो आय व्यय लेखा का भाग है

अनुसूची 18 : कर्मचारियों के पारिश्रमिक तथा लाभ **(राशि ₹ में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
वेतन, मजदूरी व अन्य लाभ	1,09,40,36,853	1,03,76,19,094
भविष्य व अन्य निधियों में अंशदान	8,49,02,502	7,62,30,226
ग्रेच्युटी निधि में अंशदान	1,53,46,576	1,20,20,810
कर्मगारों व कर्मचारियों के कल्याणार्थ	1,35,40,592	1,63,17,331
कुल	**1,20,78,26,523**	**1,14,21,87,462**

अनुसूची 19 : बिक्री, प्रशासनिक व अन्य व्यय **(राशि ₹ में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
स्टोर एवं पुर्जों की खपत	44,47,594	28,79,063
किराया	1,17,05,227	1,23,50,589
दरें व कर	2,34,51,341	3,70,10,800
प्रशिक्षण एवं भर्ती	53,07,977	23,95,986
बीमा	28,34,797	35,49,216
मरम्मत व रख-रखाव - भवन	10,50,66,605	9,89,04,365
मरम्मत व रख-रखाव - अर्थ स्टेशन	78,46,890	89,02,763
मरम्मत व रख-रखाव - अन्य	4,07,80,347	4,55,78,246
संचार व्यय	1,08,66,266	1,05,10,519
यात्रा व संवहन व्यय	1,44,44,468	1,60,22,850
वाहन चालन व किराया शुल्क	2,17,66,944	2,25,39,397
लेखा परीक्षकों की अदायगी	8,48,439	8,28,120
विज्ञापन व प्रचार व्यय	1,88,74,178	1,66,21,182
सुरक्षा व्यय	9,89,49,833	8,83,19,727
व्यवसाय संवर्धन	51,94,100	23,44,484
मुद्रण व लेखन सामग्री	37,74,546	35,89,760
अखबार, पुस्तकें व पत्रपत्रिकाएं	5,69,896	5,12,483
बैंक शुल्क	4,43,178	7,51,430
बिजली, ईंधन व पानी शुल्क	20,74,56,334	18,51,04,299
कंप्यूटर किराया व परिचालन व्यय	25,43,807	29,14,633
विधि शुल्क	3,52,380	19,63,616
व्यावसायिक व परामर्श शुल्क	1,59,51,342	95,25,137
दान	-	-
विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव से हानि	3,18,685	17,33,060
अचल सम्पति बिक्री/निपटान से हानि	5,38,575	13,44,117
निवेश की बिक्री/ शोधन पर घाटा	-	-
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	74,96,205	2,13,57,823
संदेहास्पद अग्रिमों के लिए प्रावधान	48,00,000	1,34,585
अप्रयुक्त स्टॉक के लिए प्रावधान	-	-
बट्टे खाते डाले गए अशोध्य ऋण	95,550	3,35,246
अन्य व्यय	2,53,23,543	3,60,05,067
कुल	**64,20,49,047**	**63,40,28,562**

31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो आय व्यय लेखा का भाग है

अनुसूची 20: ब्याज व वित्त शुल्क **(राशि ₹ में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
भारत सरकार से प्राप्त ऋण पर ब्याज	-	-
बैंकों से लिए गए ऋण पर ब्याज	-	-
वित्तीय संस्थान से लिए गए ऋण पर ब्याज	-	-
विदेशी मुद्रा ऋण पर ब्याज	-	-
भारतीय मुद्रा में लिए ऋण पर किया गया खर्च	-	-
विदेशी मुद्रा में लिए ऋण पर किया गया खर्च	-	-
अन्यों पर ब्याज	9,78,274	1,56,20,105
कुल	**9,78,274**	**1,56,20,105**

अनुसूची 21: पूर्व अवधि के समायोजन **(राशि ₹ में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
पूर्व अवधि का व्यय		
डाटा लिंक शुल्क	12,00,482	2,38,193
परियोजना व्यय	5,25,718	1,07,25,510
कर्मचारी परिश्रमिकी व्यय	2,53,046	11,96,454
मूल्यह्रास	75,08,163	82,24,707
संचार व्यय	-	5,898
यात्रा व परिवहन	-	1,80,720
विद्युत व जल	5,67,221	7,79,097
सेवाएं	-	-
ब्याज	-	-
अन्य	78,70,105	5,81,74,973
	1,79,24,735	**7,95,25,552**
पूर्व अवधि से आय		
सेवाएं	6,06,16,447	31,65,411
ब्याज	3,96,265	(1,04,175)
अन्य	32,08,93,772	4,77,651
	38,19,06,484	**35,38,887**
कुल	**36,39,81,748**	**(7,59,86,665)**

अनुसूची-22

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, जो लेखाओं का भाग है।

1. लेखांकन परिपाटियाँ

क) लेखा ऐतिहासिक लागत परंपरा, अर्जन आधारित तथा चालू संस्थान के सिद्धांत पर तैयार किए गए हैं।

ख) लेखांकन नीतियाँ जिनका विशेष रूप से किसी स्थान पर अन्यत्र उल्लेख नहीं किया गया है, संगतपूर्ण हैं तथा सामान्य रूप से स्वीकृत भारतीय लेखांकन पद्धतियों/ सिद्धांतों के अनुरूप हैं, जिसमे आईसीएआई द्वारा जारी अनिवार्य लेखांकन मानकों सहित सिद्धांत, मार्गदर्शी टिप्पणियां तथा जारी अन्य घोषणाएं शामिल है।

ग) उपभोज्य सामग्रियों की खरीद को व्यय के रूप में लिया जाता है, भले ही अंत में उनका उपभोग किया हो या स्टॉक में रखा गया हो, क्योंकि समग्र प्रभाव महत्वपूर्ण नहीं है।

घ) उपभोक्ताओं के स्थलों पर प्रतिस्थापित रेडियो मास्ट की लागत को उपयोज्य मद होने के कारण व्यय शीर्ष में प्रभारित किया जाता है और इसे ग्राहकों से वसूल किया जाता है और तदनुसार इसे साफ्टप्वाइंट/साफ्टलिंक आय में दर्ज किया गया है।

ङ) ₹5,000/- से कम राशि के पूर्व अवधि व्यय और आय को चालू वित्तीय वर्ष के दौरान संबंधित लेखा शीर्ष में सीधा खाते में डाला/जमा किया जाता है।

2. अनुमानों का प्रयोग

वित्तीय विवरणियाँ तैयार करते समय अनुमानों और पूर्वानुमानों की जरूरत होती है जिनका प्रभाव उस अवधि के आय तथा व्यय की बताई गई राशि, परिसम्पतियों तथा देयताओं के लिए दर्शाई गई राशि तथा वित्तीय विवरण की तिथि के अनुसार आकस्मिक देयताओं पर पड़ता है। वास्तविक परिणामों तथा अनुमानों के बीच के अंतर को उस अवधि का माना जाता है जिस अवधि में परिणाम का पता लगता है/पूरा हो जाता है।

3. मूल्यह्रास

क) संयोजन वर्ष में ₹ 5,000/- तथा उससे कम की परिसम्पतियों का शत-प्रतिशत की दर से मूल्यह्रास किया जाता है।

ख) नीचे दी गयी विनिर्धारित दरों के आधार पर सरल रेखापद्धति के अनुसार अन्य परिसम्पतियों का मूल्यह्रास किया जाता है।

1.	भवन	10%
2.	कम्प्यूटर व बाह्य उपस्कर	25%
3.	विद्युत स्थापन	15%
4.	फर्नीचर व फिक्सचर	10%
5.	कार्यालय उपस्कर	15%
6.	एचएसडीसी उपस्कर	20%
7.	टावर व मास्ट	20%
8.	मोबाईल फोन	25%
9.	वाहन	20%
10.	प्लांट व मशीनरी	30%

ग) अमूर्त परिसम्पतियों का अनुमानित लाभप्रद अवधि के आधार पर परिशोधन किया जाता है। तेजी से होने वाले प्रौद्योगिकी परिवर्तनों और अप्रचलन की तेज दर के कारण साफ्टवेयर व्ययों को उद्भूत वर्ष का ही माना जाता है।

4. राजस्व अभिज्ञान

क) वार्षिक सेवा शुल्क वर्ष के आरंभ में अस्थायी रूप से यूनिट के पिछले वर्ष के अनुमानित/वास्तविक निर्यात कारोबार में से उच्चतम पर लगाया जाता है। वास्तविक आंकड़े प्राप्त होने पर शुल्क में अंतर/परिवर्तन दर्ज किया जाता है।

ख) स्थान तथा मूलभूत सुविधाएँ मुहैया कराने के लिए मासिक आधार पर शुल्क लगाया जाता है।

ग) डी-बॉन्डिंग अथवा शिथिल ईकाइयों के मामलों में न्यूनतम शुल्क लगाया जाता है और इसे पंजीकरण के समय प्राप्त अग्रिम जमा में से समायोजित किया जाता है। इसके बाद शेष अग्रिम रकम को न्यूनतम शुल्क से कम होने पर अन्य आय के रूप में माना जाता

है।

5. संपत्ति संयंत्र व उपस्कर

क) संपत्ति संयंत्र व उपस्कर की लागत में निम्नलिखित शामिल होते हैंः

i. खरीद मूल्य, जिसमे आयात शुल्क सहित व्यापार में छूट और रियायत के बाद गैर वापसी योग्य क्रय कर।

ii. प्रबंधन द्वारा इच्छित तरीके से संचालन करने में सक्षम होने के लिए परिसंपत्तियों को आवश्यक स्थान व स्थिती में लाने के लिए आवश्यक कोई भी सीधी लागत।

ख) संचालन पूर्व खर्च को पूंजी में परिणत किया जाता है तथा अभिचालित होने पर विभिन्न परिसम्पत्तियों में संविभाजित किया जाता है।

6. विदेशी मुद्रा का लेन देन

विदेशी मुद्रा के लेन देन बैंक द्वारा निर्दिष्ट औसत दरों पर लेन-देन की अवधि के दौरान दर्ज किए गए हैं। लेखा वर्ष की समाप्ति पर असमायोजित शेष मौजूदा परिसंपत्तियों और देनदारियों का पुनर्मूल्यांकन वर्ष की समाप्ति पर उनके मूल्य दर पर किया जाता है और विनिमय में अंतर को यथास्थिति के अनुरूप उस वर्ष के आय अथवा व्यय माना जाता है।

7. अनुदान

पूंजीगत व्यय के लिए प्राप्त अनुदान को तब तक देयता के रूप में दर्शाया जाता है जब तक कि परिसंपतियाँ, संयत्र व उपस्कर निर्मित अथवा सृजित नहीं कर ली जाती है । इस अनुदान से अचल संपत्ति के निर्माण/सृजन के बाद देयता निर्मित/सृजित संपत्ति के मूल्य के बराबर कम हो जाएगी और उपयोग की गयी राशि सम्बद्ध परिसंपतियाँ, संयत्र और उपस्कर की लागत से कम कर दी जाती है ।

8. निवेश का लेखांकन

दीर्घावधि निवेश को लागत के आधार पर दर्शाया जाता है। अगर गिरावट अस्थायी नहीं है, तो मूल्यह्रास का प्रावधान लेखांकन मानक-13 (एएस-13) 'निवेश के लिए लेखांकन' के अनुसार किया जाता है।

9. कर्मचारी लाभ

कर्मचारियों के लाभ से संबधित व्यय व देयताओं को आईसीएआई द्वारा जारी संशोधित लेखांकन मानक-15 (एएस-15) "कर्मचारी लाभ (संशोधित 2005)" के अनुसार दर्ज किया जाता है।

क) **भविष्य निधि**

कर्मचारी के भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि में नियोक्ता के अंशदान को उचित आधार पर खाता में डाला जाता है तथा इसे आय व व्यय लेखा में वसूला जाता है।

ख) **ग्रेच्युटी**

ग्रेच्युटी रोजगार के बाद का लाभ है और एक परिभाषित लाभ योजना की प्रकृति में है। ग्रेच्युटी के लिए तुलन-पत्र में भावी देयता अमान्य बिमांकिक लाभ अथवा हानि तथा पिछली सेवा लागत का समायोजन सहित योजनागत परिसंपत्तियों के उचित मूल्य को घटा कर तुलन-पत्र की तारीख में विनिर्धारित लाभ/देयता का वर्तमान मूल्य है। अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का इस्तेमाल करते हुए जीवन बीमा निगम द्वारा निश्चित लाभ/देयता की गणना तुलन-पत्र की तारीख अथवा इसके आस-पास के आधार पर किया जाता है।

पिछले अनुभव तथा बिमांकिक धारणाओं के परिवर्तन से हुई लाभ तथा हानि को जिस वर्ष की लाभ तथा हानि लेखा से संबंधित है, के आय तथा व्यय लेखा में व्ययित अथवा जमा किया जाता है।

ग) **छुट्टी का नगदीकरण**

तुलन-पत्र की तारीख के बाद देय अथवा देय योग्य छुट्टी के नगदीकरण का अनुमान देयता के बारे में अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का इस्तेमाल करते हुए एक स्वतंत्र बिमांकिक द्वारा बिमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

घ) **अन्य अल्पकालीन लाभ**

अन्य अल्पकालीन लाभों के व्यय को कर्मचारियों द्वारा की गई सेवाओं के दौरान अदायगी योग्य अवधि के लिए अथवा अदा की

गई रकम के आधार पर खाते में दर्ज किया जाता है।

10. पट्टाधारिता

परिसम्पत्ति का पट्टा, जिसके अंतर्गत स्वामित्व का सभी लाभ तथा जोखिम पट्टाकार के पास रहता है, को परिचालन पट्टा के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। परिचालन पट्टा को शुल्क करारनामे की शर्तों के अनुसार, जो सोसायटी के लाभ की समय पद्धति का सूचक है, आय तथा व्यय लेखा में व्यय के रूप में दर्ज किया जाता है।

11. आय पर कर

क) वर्तमान कर का प्रावधान आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार किया जाना अपेक्षित है।

ख) भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखांकन मानक एएस-22 ' आय पर कर के लिए लेखांकन' के अनुसार लेखा लाभ तथा आय कर लाभ के बीच की अवधि से उत्पन्न आस्थगित कर देयता/परिसंपत्ति को खाते में उस समय के लिए लागू कर की दर के अनुसार बाद के वर्षों में तय किया जाता है। तथापि वसूली की पर्याप्त/वास्तविक निश्चितता होने पर ही आस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्यता दी जाती है।

12. अमूर्त परिसंपत्तियाँ

एएस- 26 'अमूर्त परिसंपत्तियाँ' में दिए गए सिद्धांतों के अनुसार पहचान योग्य गैर-मुद्रा संबंधी परिसंपत्ति के क्रय एवं विकास पर किए गए पूँजीगत व्यय को बिना किसी वास्तविक आधार पर सॉफ्टवेयर व्यय को छोड़कर, को अमूर्त परिसंपत्तियों के रूप में माना जाता है। इन्हें वर्गीकृत किया जाता है तथा इन्हें परिसंपतियाँ, संयत्र और उपस्कर की अनुसूची में अलग से दर्शाया जाता है। इनकी अनुमानित कार्यकारी स्थिति तक इन्हें परिशोधित किया जाता है।

13. परिसंपत्तियों की हानि

प्रबंधक-वर्ग समय समय पर बाहरी एवं आन्तरिक स्रोतों का इस्तेमाल करते हुए, परिसंपत्तियों की हानि का आकलन करता है। परिसंपत्ति के निरंतर इस्तेमाल और अंततः इसके निपटान के फलस्वरूप भविष्य में होने वाले लेन-देन में दर्ज मूल्य के वर्तमान मूल्य से अधिक होने पर हानि होती है। हानि पर होने वाले व्यय का निर्धारण परिसंपत्ति के निवल बिक्री मूल्य अथवा यथा निर्धारित वर्तमान मूल्य के अंकित मूल्य से आधिक्य के आधार किया जाता है। तुलन-पत्र की तारीख को ऐसा कोई संकेत होने पर कि पूर्व आकलित हानि अब नहीं है, तो वसूली योग्य राशि का पुनः आकलन करके परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि को लागत के अधिकतम मूल्यह्रास के अंतर्गत दर्शाया जाता है।

14. प्रावधान तथा आकस्मिक खर्च

ऐसे किसी पिछले आयोजन, जहां वास्तविक अनुमान लगाया जा सकता है, के फलस्वरूप अनिश्चित अवधि अथवा राशि के वर्तमान दायित्वों के लिए प्रावधान किया जाता है तथा संभवतः आर्थिक लाभ के लिए स्रोतो की निकासी अपेक्षित होने अथवा राशि का आकलन विश्वसनीय रूप से नहीं कर पाने पर यदि स्रोतो की निकासी से आर्थिक लाभ की संभावना कम नहीं है, तो इस दायित्व को आकस्मिक देयता के रूप में दर्शाया जाता है।

संभावित दायित्वों, जिनके मौजूद होने की पुष्टि किसी एक अथवा अधिक अनिश्चित आयोजन के होने अथवा नहीं होने से ही की जाएगी, को भी स्रोतो की निकासी से आर्थिक लाभ की संभावना कम नहीं होने पर आकस्मिक देयताओ के रूप में दर्शाया जाता है।

15. नगदी व समरूप नगदी

नगदी और समरूप नगदी में बैंक और हाथ में नगदी तथा तीन माह या इससे कम अवधि के अल्पावधि निवेश शामिल है।

अनुसूची-22क

31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वर्ष के लिए टिप्पणियाँ, जो लेखाओं का भाग है।

1. सोसाइटी द्वारा विविध देनदारों, विविध लेनदारों को दिए गए और लिए गए ऋण और अग्रिम की शेष राशि संबंधित पार्टियों से पुष्टि और लेखाओं के मिलान के अधीन हैं।

2. सोसाइटी के राय से सभी ज्ञात देयताओं के लिए लेखाओं में पर्याप्त प्रावधान किया गया है तथा चालू परिसंपत्तियों, ऋण तथा अग्रिम का तुलनपत्र में उल्लिखित मूल्य उतना है जितना सामान्य कारोबार में इनका हो सकता है।-

3. (क) सीमा शुल्क विभाग के पास ₹40,62,780/- (गत वर्ष ₹40,62,780/-) मूल्य की संपत्तियाँ, संयत्र और उपस्कर बंधक है।

   (ख) 31.03.2024 को उपलब्ध संपत्तियों, संयत्र और उपस्कर में वे उपस्कर भी शामिल हैं जो पुराने हो गए हैं और उपयोग में नहीं हैं। इन उपस्करों का मूल लागत और ह्रासित मूल्य दिनांक 31.03.2024 को क्रमश ₹5,82,38,696/-(गत वर्ष ₹7,16,47,728/-) तथा 4/- (गत वर्ष ₹ शुन्य) था।

4. जारी की गई बैंक प्रतिभूति के लिए ₹12,23,44,304/- की सावधि जमा (गत वर्ष ₹13,94,25,935/-) बैंक के पास ग्रहणाधिकार में है।

5. (क) हैदराबाद स्थित इन्क्यूबेशन सेंटर बिल्डिंग, जिसे पूंजीकृत किया गया/ इस्तेमाल योग्य बनाया गया समानुपात शेयर वर्ष 2009-10 के दौरान विकासकर्ता को हस्तांतरित कर दिया गया था, को वर्ष 2010-11 के दौरान खातों में दर्ज कर दिया गया है। भूमि का 61 प्रतिशत अंश जिसका मूल्य ₹78,29,533/- है, जोकि विकासकर्ता के अंश का भाग है, क़ानूनी औपचारिकता के लंबित होने के कारण इसे अभी तक विकासकर्ता को नहीं सौंपा गया है। इसके अलावा, परिसमाप्त क्षति के रूप में ₹11.40 करोड़ और ₹21.20 लाख का दावा और संपत्ति कर में डेवलपर का हिस्सा, मामले को मध्यस्थता के लिए भेजा गया था और मध्यस्थ ने एसटीपीआई के पक्ष में निर्णय पारित किया है। । लेकिन विकासकर्ता ने अतिरिक्त मुख्य न्यायाधीश,सिटी सिविल कोर्ट, हैदराबाद में अपील दायर की है और मामला न्यायनिर्णयन में है।

   (ख) एसटीपीआई ने ईआरपी के कार्यान्वयन के लिए अनुबंध प्रदान किया था। लेकिन समझौते के अनुसार कार्यान्वयन और कार्य निष्पादन नहीं होने के कारण, एसटीपीआई ने अनुबंध समाप्त कर दिया है और वसूली के लिए दावा किया है। चुंकि मध्यस्थता की कार्यवाही चल रही है अत: कार्य प्रगति पर दर्शाते हुए ₹1,82,10,415/- का प्रावधान किया गया है।

   (ग) एसटीपीआई ने इंफोसिस को एसटीपीआई के कंप्यूटरीकरण का अनुबंध प्रदान किया था। किन्तु इंफोसिस ("सिस्टम इंटीग्रेटर") अनुबंध दायित्वों के निर्वहन में असफल रहा और इसलिए ₹1,70,84,658/- की राशि का पीबीजी जब्त कर लिया गया और उसे वर्तमान देयता के रूप में दिखाया गया है। मामले को मध्यस्थ के पास भेजा गया और मध्यस्थ ने दिनांक 10.10.2022 के फैसले के तहत माना कि पीबीजी का नकदीकरण वैध है। हालाँकि, मध्यस्थ ने अनुबंध समाप्ति में देरी के कारण एसटीपीआई को इंफोसिस को ₹ 1.0 करोड़ का भुगतान करने का निर्देश दिया है। हालाँकि, इंफोसिस ने आज तक एसटीपीआई से राशि का दावा नहीं किया है।

   (घ) एसटीपीआई नोएडा ने वीसेट सेवा प्रदान करने के लिए इनसेट सिस्टम का स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) और लाइसेंस शुल्क के लिए डीओटी के साथ पत्र संख्या 1-7/CCA/Assmt/Comm-VSAT(SUC)/2008-09 दिनांक 22.05.23 और 1-7/CCA/Assmt/Comm-VSAT/2008-09 दिनांक 01-05-23 के द्वारा हस्ताक्षरित लाइसेंस समझौता 815-82/2003 LR दिनांक 22.03.2004 के तहत अक्टूबर 2008 तक राजस्व साझा करने संबंधित डीओटी की ₹ 2,52,36,062/- (₹2,51,59,034 (लाइसेंस शुल्क) + ₹77,028 (एसयूसी)) की मांग का कोई प्रावधान नहीं किया है। यह मामला विचाराधीन है और समझौते की शर्तों के अनुसार गणना की जा रही है। इससे पहले, एसटीपीआई-नोएडा ने 2014-15 में

दूरसंचार विभाग को स्पेक्ट्रम शुल्क ₹54,36,709/- का सविरोध भुगतान किया था, जिस पर दूरसंचार विभाग ने उपरोक्त मांग की गणना करते समय विचार किया था।

(ङ) एसटीपीआई ने इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय/राज्य सरकार से सीओई परियोजनाओं के संबंध में प्राप्त अनुदान से ₹35,74,29,054/- की संपत्ति अर्जित की है। ।

(च) नकद और बैंक शेष में केंद्रीय नोडल एजेंसी खाते ("सीएनए") के संबंध में केनरा बैंक, पार्लियामेंट स्ट्रीट में रखे गए ₹10,42,12,879/- शामिल हैं।

6. ₹4,21,45,016/- राशि के लेखाओं के कथित दुर्विनियोग/गबन के बारे में दायर दिवानी आपराधिक मामला अभी भी न्याय/ निर्णयण के लिए सक्षम न्यायालय में लंबित है। फिर भी इस रकम के लिए पूरा प्रावधान कर दिया गया है।

7. वित्त वर्ष में लेखा परीक्षक को प्रदत्तदेय पारिश्रमिकी/

(राशि ₹ में)

	2023-24	2022-23
केंद्रीय सांविधिक लेखा परीक्षक	₹ 3,22,500/-	₹ 3,22,500/-
शाखा लेखा परीक्षक	₹ 4,57,500/-	₹ 4,57,500/-

8. **वर्तमान करः** सोसाइटी आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12क के तहत पंजीकृत है और इसने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 11 के तहत छूट का दावा किया है। निर्धारण वर्ष 2006-07, 2007-08 और 2008-09 के लिए आयकर अपीलीय अधिकरण दिल्ली के हाल के आदेशों में,आयकर अपीलीय अधिकरण ने भी आयकर अधिनियम,1961 की धारा 11 के तहत एसटीपीआई की छूट के दावे को स्वीकार किया है। इसके अतिरिक्त माननीय दिल्ली उच्च न्यालायाय ने भी अपने आदेश दिनांक 30 जुलाई,2019द्वारा उस अवधि की उस स्थिति को स्वीकार किया है और आयकर अपीलीय अधिकरण के आदेश के खिलाफ राजस्व विभाग द्वारा दायर अपील को स्वीकार नहीं किया है और भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय ने भी राजस्व विभाग द्वारा दायर अपील को ख़ारिज करते हुए निर्धारण वर्ष 2007-08 तथा 2008-09के लिए उसी स्थिति की पुष्टि की है। इसके अलावा, विभाग ने एसटीपीआई के पक्ष में निर्धारण वर्ष 2018-19 के लिए धारा 143(3) और निर्धारण वर्ष 2019-20, 2020-21 और 2021-22 के लिए धारा 143(1) के तहत आदेश पारित किया था। तदनुसार सोसाइटी ने वर्तमान कर के लिए वित्त वर्ष 2014-15 से कोई प्रावधान नहीं किया है ।

9. लेखांकन मानक-15 'कर्मचारियों को लाभ'

सोसाइटी ने संशोधित लेखांकन मानक-15 'कर्मचारी लाभ' स्वीकार किया है।

सुनिश्चित अंशदान योजना

वर्ष के दौरान व्यय के रूप में मान्य सुनिश्चित अंशदान योजना में अंशदान नीचे दिए अनुसार है:
भविष्य निधि में नियोक्ता का अंशदान ₹7,57,77,348/-(गत वर्ष ₹6,71,83,931/-)

सुनिश्चित लाभ योजना

कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी निधि योजना एक सुनिश्चित लाभ योजना है। देयताओं के वर्तमान मूल्य को अनुमानित इकाई जमा प्रणाली का प्रयोग करके बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित किया जाता है जिसमे यह माना जाता है कि प्रत्येक सेवा अवधि से कर्मचारी की लाभ पात्रता में एक अतिरिक्त इकाई की वृद्धि होती है और देयताओं का अंतिम रूप से निर्धारण करते समय ऐसी प्रत्येक इकाई की अलग-अलग गणना की जाती है। छुट्टी नगदीकरण की देयताओं के लिए भी ग्रेच्यूटी की ही पद्धति अपनाई जाती है।

ग्रेच्यूटी

1. सुनिश्चित लाभ योजना देयताओं के आरंभिक और इतिशेष का मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2023-24	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20
वर्ष के आरम्भ में सुनिश्चित लाभ देयता	33,02,68,536	30,38,01,344	27,81,95,030	29,11,48,343	23,87,80,482
वर्तमान सेवा लागत	1,97,88,198	1,85,66,561	1,75,70,007	1,83,88,102	2,09,43,397
ब्याज लागत	2,34,14,519	2,25,42,060	1,99,30,279	2,05,02,267	1,82,90,585
बीमांकिक (लाभ)/हानि	(5,90,211)	(74,93,872)	(24,05,597)	(4,73,44,503)	1,46,53,439
प्रदत्त लाभ	(1,12,23,751)	(71,47,557)	(94,88,375)	(44,99,179)	(15,19,560)
विगत सेवा लागत	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में सुनिश्चित लाभ देयता	**36,16,57,291**	**33,02,68,536**	**30,38,01,344**	**27,81,95,030**	**29,11,48,343**

2. योजना परिसम्पतियो के वास्तविक मूल्य के आरंभिक और इतिशेष का मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2023-24	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20
वर्ष के आरम्भ में योजना परिसम्पतियों का वास्तविक मूल्य	35,58,45,014	31,92,61,494	31,07,57,163	25,12,05,509	21,26,92,647
अनुमानित लाभ	2,60,61,311	2,36,89,203	2,18,15,153	1,73,83,421	1,59,51,949
बीमंकिक लाभ/ (हानि)	16,40,638	(8,42,129)	(28,05,106)	6,18,425	10,64,656
नियोक्ता द्वारा अंशदान	3,21,87,005	1,98,66,662	-	4,60,48,987	2,30,15,817
प्रदत्त लाभ	(1,12,23,751)	(61,30,216)	(1,05,05,716)	(44,99,179)	(15,19,560)
अदायगी लागत	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में योजना परिसम्पतियों का वास्तविक मूल्य	**40,45,10,217**	**35,58,45,014**	**31,92,61,494**	**31,07,57,163**	**25,12,05,509**
योजना सम्पत्तियों का वास्तविक लाभ	2,77,01,949	2,28,47,074	1,90,10,047	1,80,01,846	1,70,16,605

3. तुलन –पत्र में मान्य धनराशि का पुनर्मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2023-24	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20
वित्तीय वर्ष के अंत में योजना परिसम्पतियों का वास्तविक मूल्य	40,45,10,217	35,58,45,014	31,92,61,494	31,07,57,163	25,12,05,509
वित्तीय वर्ष के अंत में देयताओ का वर्तमान वास्तविक मूल्य	36,16,57,291	33,02,68,536	30,38,01,344	27,81,95,030	29,11,48,343
तुलन-पत्र में स्वीकृत निवल परिसम्पतियों/ (देयताएं)	**4,28,52,926**	**2,55,76,478**	**1,54,60,150**	**3,25,62,133**	**(3,99,42,834)**

4. वर्ष के दौरान स्वीकृत व्यय कर्मचारियों की परिश्रमिकी और लाभ शीर्ष के तहत)

(राशि ₹ में)

विवरण	2023-24	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20
वर्तमान सेवा लागत	1,97,88,198	1,85,66,561	1,75,70,007	1,83,88,102	2,09,43,397
ब्याज लागत	2,34,14,519	2,25,42,060	1,99,30,279	2,05,02,267	1,82,90,585
योजना सम्पत्तियों पर अनुमानित लाभ	(2,60,61,311)	(2,36,89,203)	(2,18,15,153)	(1,73,83,421)	(1,59,51,949)
विगत सेवा लागत	-	-	-	-	-
अवधि के दौरान मान्य निवल बीमांकिक (लाभ)/ हानि	(22,30,849)	(66,51,743)	3,99,509	(4,79,62,927)	1,35,88,783
आय एवं व्यय लेखा विवरण में मान्य व्यय	**1,49,10,557**	**1,07,67,675**	**1,60,84,642**	**(2,64,55,979)**	**3,68,70,816**

5. मुख्य बीमांकिक मान्यताएँ

विवरण	2023-24	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20
मृत्युदर सारणी (एलआईसी)	आईएएलएम (2012-14)	आईएएलएम (2012-14)	आईएएलएम (2012-14)	आईएएलएम (2012 - 14)	आईएएलएम (2012 - 14)
31मार्च की स्थिति के अनुसार कटौती दर	7.20%	7.45%	7.42%	7.02%	6.92 %
भावी वेतन वृद्धि	8.00%	8.00%	8.00%	8.00 %	8.00 %
योजना परिसम्पतियों पर अनुमानित लाभ दर	7.20%	7.45%	7.42%	7.02%	7.43 %
सेवानिवृत्त आयु	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष
आहरण दर					
आयु					
वर्ष तक 30	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%
वर्ष तक 44	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%
वर्ष 44से अधिक	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%

6. योजना परिसम्पतियों पर वास्तविक लाभ

(राशि ₹ में)

विवरण	2023-24	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20
योजना परिसम्पतियों पर अनुमानित लाभ	2,60,61,311	2,36,89,203	2,18,15,153	1,73,83,421	1,59,51,949
बीमांकिक लाभ/ (हानि)	16,40,638	(8,42,129)	(28,05,106)	6,18,425	10,64,656
योजना परिसम्पतियों पर वास्तविक लाभ	**2,77,01,949**	**2,28,47,074**	**1,90,10,047**	**1,80,01,846**	**1,70,16,605**

छुट्टी नकदीकरण

1. सुनिश्चित लाभ देयताओं के आरंभिक और इतिशेष का मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2023-24	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20
वर्ष के आरंभ में सुनिश्चित लाभ देयताओं	42,92,08,128	39,14,09,040	34,58,77,312	30,03,75,803	23,76,66,455
अंदर/(बाहर) स्थानांतरण दायित्व	65,868	1,94,464	-	-	-
वर्तमान सेवा	3,58,04,570	2,69,27,480	3,67,58,845	3,07,17,730	2,38,60,045
ब्याज लागत	3,06,05,713	2,81,57,192	2,46,87,186	2,15,64,430	1,82,05,250
बीमांकिक (लाभ)/ हानि	2,89,20,274	63,84,083	1,10,31,375	1,32,98,094	3,44,27,370
प्रदत्त लाभ	(3,43,93,036)	(2,38,64,131)	(2,69,45,678)	(2,00,78,745)	(1,37,83,317)
विगत सेवा	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में सुनिश्चित लाभ देयता	**49,02,11,517**	**42,92,08,128**	**39,14,09,040**	**34,58,77,312**	**30,03,75,803**

2. तुलन पत्र में मान्य धनराशि का मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2023-24	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20
वित्तीय वर्ष के अंत में योजना परिसम्पतियों का वास्तविक मूल्य	-	-	-	-	-
वित्तीय वर्ष के अंत में देयताओं का वर्तमान वास्तविक मूल्य	49,02,11,517	42,92,08,128	39,14,09,040	34,58,77,312	30,03,75,803
तुलन पत्र में स्वीकृत निवल परिसम्पति/ (देयताएं)	**(49,02,11,517)**	**(42,92,08,128)**	**(39,14,09,040)**	**(34,58,77,312)**	**(30,03,75,803)**

3. वर्ष के दौरान स्वीकृत व्यय) कर्मचारियों की परिश्रमिकी और लाभ शीर्ष के तहत(

(राशि ₹ में)

विवरण	2023-24	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20
वर्तमान सेवा लागत	3,58,04,570	2,69,27,480	3,67,58,845	3,07,17,730	2,38,60,045
ब्याज लागत	3,06,05,713	2,81,57,192	2,46,87,186	2,15,64,430	1,82,05,250
योजना सम्पत्तियों सम्पतियों पर अनुमानित लाभ	-	-	-	-	-
विगत सेवा लागत	-	-	-	-	-
अवधि के दौरान मान्य निवल बीमांकिक (लाभ)/ हानि	2,89,20,274	63,84,083	1,10,31,375	1,32,98,094	3,44,27,370
आय एवं व्यय लेखा विवरण में मान्य व्यय	**9,53,30,557**	**6,14,68,755**	**7,24,77,406**	**6,55,80,254**	**7,64,92,665**

4. मुख्य बीमांकिक मान्यताएँ

विवरण	2023-24	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20
मृत्युदर सारणी (एलआईसी)	आईएएलएम (2012-14)	आईएएलएम (2012-14)	आईएएलएम (2012-14)	आईएएलएम (2012 - 14)	आईएएलएम (2012 - 14)
31मार्च की स्थिति के अनुसार कटौती दर	7.20%	7.45%	7.42%	7.02%	6.92%
भावी वेतन वृद्धि	8.00%	8.00%	8.00%	8.00 %	8.00 %
योजना परिसम्पति से अपेक्षित प्रतिलाभ	-	-	-	-	-
सेवानिवृत्त आयु	60 years	60 years	60 years	60 years	60 years
आहरण दर					
आयु					
वर्ष तक 30	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%
वर्ष तक 44	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%
वर्ष 44से अधिक	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%

बीमांकिक मूल्यांकन में वेतन में वृद्धि दर का अनुमान, मुद्रा-स्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति के साथ साथ रोजगार बाजार में माँग और आपूर्ति-जैसेसुसंगत कारकों को ध्यान में रख कर लगाया जाता है । बिमांकिक द्वारा छुट्टी नगदीकरण और ग्रेच्यूटी को प्रमाणित किया जाता है।

10. निकाय संयुक्त नियंत्रित :

एसटीपीआई ने, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (तत्कालीन सूचना प्रौद्योगिकी विभाग,संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) भारत सरकार के अनुमोदन के अनुसार इंडिया डाट इन पोर्टल और संबंधित सेवाओं के कार्यान्वयन के लिए एमटीएनएल के साथ दिनांक 03.02.2006 को संयुक्त उद्यम के रूप में एक कंपनी का गठन किया। तद्नुसार, कंपनी का नाम एमटीएनएल-एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लिमिटेड रखा गया। यह कंपनी 5,000 लाख रुपये की अधिकृत शेयर पूंजी से जो 10 रुपये प्रति शेयर मूल्य के 500,00,000 शेयर में विभाजित करके निगमित की गई। इन शेयरों को एसटीपीआई और एमटीएनएल ने बराबर मात्रा में अभिदत्त किया है। कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा इस संबंध में दिनांक 31.03.2006 को निगमन प्रमाण पत्र जारी है। संगम ज्ञापन के अनुसरण में सोसाइटी से प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से 10 रुपये मूल्य के प्रति शेयर की दर से 22,82,000 शेयरों की खरीद की है तथा वर्ष के दौरान तुलन-पत्र की तारीख तक इन्हें दिखाया गया है। ₹ 2.44 करोड़ के निवेश में व्यय/परिसंपत्ति के लिए ₹ 16.20 लाख भी शामिल है जिसे अभी दर्ज नहीं किया गया है।

नाम	**स्वामित्व हित**	
	31.03.2024	**31.03.2023**
एमटीएनएल.एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लि-	50%	50%

एएस-27 "संयुक्त उद्यम में हितों की वित्तीय रिपोर्टिंग" के अनुरूप संयुक्त नियंत्रित निकाय की परिसंपत्तियों, देयताओं, आय, व्यय, आकस्मिक देयताओं और पूँजीगत प्रतिबद्धताओं में संस्था की अधिभागिता इस प्रकार हैः

(राशि सौ में)

	विवरण	31.03.2024	31.03.2023
i)	**परिसंपत्तियाँ**		
	संपत्ति संयत्र व उपस्कर	1,48,996.08	14,474.76
	पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य	-	1,62,263.80
	आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	4,956.97	3015.61
	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	4.02	4.02
	आय कर परिसंपत्तियां(निवल)	-	-
	अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	3,79,588.32	4,11,705.09
ii)	**देयताएं**		
	चल देयताएं	1,73,705.30	2,76,924.76
	अचल देयताएं	8,457.50	8,457.50
iii)	**आय**	4,73,910.04	3,67,249.55
iv)	**व्यय**	2,30,394.83	2,00,656.69
v)	**आकस्मिक देयताएं**	6,06,941.76	6,49,253.42

11. सोसाइटी केवल एक ही लक्ष्य यथा आईटी तथा आईटीईएस उद्योग के संवर्धन पर कार्य करती है।

12. एसटीपीआई केंद्र सरकार और राज्य सरकारों से अनुदान प्राप्त कर रहा है। ये अनुदान पूंजी के साथ-साथ राजस्व प्रकृति के होते हैं। नए केंद्र की स्थापना या नई पूंजीगत संपत्तियों के अधिग्रहण जैसे पूंजीगत व्यय के लिए पूंजीगत अनुदान दिया जाता है और एएस-12 के अनुपालन में खाते की पुस्तकों में दर्ज है। हालांकि, सैटकॉम सर्विसेज (इंडिया), जिसे वर्ष 1995-96 में एसटीपीआई के साथ विलय कर दिया गया था, द्वारा प्राप्त 19.54 करोड़ रुपये के सहायता अनुदान का एसटीपीआई के खातों की पुस्तकों में समायोजन किया जाना बाकी है।

13. राज्य सरकार से ₹5,70,00,000/- की राशि ब्याज मुक्त असुरक्षित ऋण के रूप में प्राप्त हुई है।

14. सोसाइटी ने वर्ष के लिए 26एएस का मिलान किया है, उपलब्ध कुल राशि में से असमाशोधित राशि ₹14,04,337/- है।

15. सोसाइटी ने एसटीपीआई-बैंगलोर में भवन से राजस्व का सृजन शुरू कर दिया है। हालाँकि, सीपीडब्ल्यूडी द्वारा निपटान/बिल जमा न करने के कारण उक्त संपत्तियों को पूंजीकृत नहीं किया गया है और प्रगति पर पूंजीगत निर्माणाधीन कार्य के तहत दिखाया गया है। एसटीपीआई इसे पूंजीकरण करने की प्रक्रिया में है।

16. सोसायटी एमएसएमईडी अधिनियम 2006 से संबंधित अनुपालन के लिए प्रगति पर है।

17. **संबंधी पार्टी सूचना** -:

    वर्ष के दौरान सम्बंधित पार्टी के साथ निम्नलिखित लेन-देन किया गया-:

    1. एमटीएनएल-एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लि.(संयुक्त उद्यम)

लाभांश प्राप्त	:	₹1,36,92,000/-
सेवाओं के लिए राजस्व	:	₹2,96,92,241/-
अन्य लेन-देन से राजस्व	:	₹18,22,153/-
31.03.2024 को शेष राशि	:	₹1,43,13,073/-

2. एआईसी एसटीपीआई नेक्स्ट इनिशिएटिव्स

परियोजना निधि प्रेषित : ₹16,73,58,442/-

31.03.2024 को शेष राशि : ₹3,23,57,234/-

18. **आकस्मिक देयताएं**

(राशि ₹ में)

	विवरण	2023-24	2022-23
(क)	पूंजी लेखा के शेष अनुमानित रकम को पूरा किया जाना है जिनका प्रावधान नहीं किया गया	96,63,06,077	68,88,72,144
(ख)	बकाया बैंक गारंटी	9,02,23,774	10,37,22,215
(ग)	कंपनी के विरुद्ध दावे/विवादित देयताएँ जिनको ऋण नहीं माना गया है		
(i)	बिक्री कर/वैट/प्रवेश कर सम्बन्धी मामले	13,83,363	32,39,672
(ii)	सेवा कर सम्बन्धी मामले	5,60,11,463	5,60,11,463
(iii)	आईएसपी आईटी के संदर्भ में-डीओटी लाईसेंस शुल्क	-	1,09,76,650
(iv)	परिसमापन क्षति	82,43,499	82,43,499
(v)	वीसेट सेवाए	2,52,36,062	2,52,36,062
(vi)	कोई अन्य आकस्मिक देनदारियाँ	47,13,920	47,13,920

(घ) आय कर विभाग ने निर्धारण वर्ष 2009-10 से 2022-23 के लिए मांग किया है। मामलों की वर्तमान स्थिति नीचे दिए अनुसार है:

निर्धारण वर्ष	मांग की गयी (राशि ₹ में)	पुस्तकों में किए गए प्रावधान	आकस्मिक देयता	किस विभाग में मामला लम्बित पड़ा है।
2009-10	34,39,38,812	शून्य	34,39,38,812	एसटीपीआई ने सीआईटी-(ए) के समक्ष अपील दायर की है।
2010-11	38,64,15,426	36,61,00,000	2,03,15,426	एसटीपीआई ने सीआईटी-(ए) के समक्ष अपील दायर की है।
2014-15	31,35,88,480	शून्य	31,35,88,480	एसटीपीआई ने सीआईटी-(ए) के समक्ष अपील दायर की है।
2016-17	26,82,03,457	शून्य	26,82,03,457	एसटीपीआई ने सीआईटी-(ए) के समक्ष अपील दायर की है।
2017-18	32,84,50,974	शून्य	32,84,50,974	एसटीपीआई ने सीआईटी-(ए) के समक्ष अपील दायर की है।
2022-23	28,86,42,721	शून्य	28,86,42,721	एसटीपीआई ने सीआईटी-(ए) के समक्ष अपील दायर की है।
	44,76,743	शून्य	44,76,743	टीडीएस देयतायें

उपरोक्त के अलावा, एसटीपीआई ने कर निर्धारण वर्ष 2013-14 के लिए ₹8.80 करोड़ की मांग के विरुद्ध सीआईटी (ए) के समक्ष अपील दायर की है। अपीलीय प्राधिकरण के निर्णय और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों की व्याख्या के आधार पर सोसायटी का मानना है कि मांग को समाप्त किया जा सकता है। तदनुसार, कर निर्धारण वर्ष 2015-16 से आयकर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

19. निम्नलिखित मामलों में पट्टाधारी दस्तावेजों पर कार्रवाई की जानी हैः

केन्द्र का नाम	कार्य	मूल लागत	ह्रासित मूल्य
आइजोल	भूमि व भवन	₹1/- प्रति वर्ष	शून्य
इम्फाल	भूमि व भवन	₹1/- प्रति वर्ष	शून्य
शिलांग	भूमि व भवन	₹1/- प्रति वर्ष	शून्य

20. चालू वर्ष के आंकड़ों से तुलन योग्य बनाने के लिए आवश्यक होने पर गत वर्ष के आंकड़ों को पुनर्गठित या पुनः वर्गीकृत किया गया है।

21. सभी आंकडों को निकटतम रुपयों में दर्शाया गया है।

कृते एपीटी एंड को एलएलपी
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या 014621C/N500088

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया

(आशीष गोयल)
भागीदार
सदस्यता सं.-534775
दिनांक: **31 अगस्त, 2024**
यूडीआईएन: 24534775BKAMNH9985

(सचिन जैन)
मुख्य वित्त अधिकारी

(देवेश त्यागी)
वरिष्ठ निदेशक

(अरविंद कुमार)
महानिदेशक

सूचना का अधिकार

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 2(ज) के शर्तों के अंतर्गत लोक प्राधिकारी है। एक आरटीआई सेल एसटीपीआई मुख्यालय,नई दिल्ली में स्थित है जिसमे 11 केन्द्रों के सहायक लोक सूचना अधिकारी, एक केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी और एक प्रथम अपीलीय प्राधिकारी कार्य कर रहे हैं। आरटीआई सेल का कार्य सूचना का अधिकार आवेदन को हार्डकॉपी के रूप में और आरटीआई वेब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्राप्त करना है और आवेदनकर्ता द्वारा एसटीपीआई से सम्बंधित मांगी गयी स्वीकार्य सूचना प्रस्तुत करना है। सेल का उत्तरदायित्व है कि वह मुख्य सूचना आयुक्त को अधिनियम में उल्लिखित उपबंधो के अनुसार अपेक्षित विवरण भी प्रस्तुत करे।

1 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 तक आरटीआई सेल में प्राप्त आवेदनों/अपील की संख्या निम्न प्रकार है :

प्राप्त आरटीआई आवेदनों की संख्या	**निपटाए गए आरटीआई आवेदनों की संख्या**	**लंबित**
199	199	0
प्राप्त आरटीआई अपील की संख्या	**निपटाए गए आरटीआई अपील की संख्या**	
15	15	0

एसटीपीआई के केन्द्र

1.	**अगरतला** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया दूसरी मंजिल, लीचू बागान मार्केट कॉम्प्लेक्स, लीचूबागान, अगरतला (त्रिपुरा) टेलीफ़ोन.: 0381-2416005 ई-मेल: shibendu.debbarma@stpi.in यूआरएल: https://guwahati.stpi.in/agartala	2.	**आइजोल** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया दूसरी मंजिल, चि. चुंगा बस टर्मिनल बिल्डिंग, थुआमपुई, आइजोल-796017 टेलीफ़ोन.: 91-9666990060 ई-मेल: chandravarma.kv@stpi.in यूआरएल: https://guwahati.stpi.in/aizawl
3.	**छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद)** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया प्लॉट नं. T-25, एमआईडीसी, चिकालथाना गरवेयर स्टेडियम के पास, छत्रपति संभाजीनगर, औरंगाबाद, - 431210, (महाराष्ट्र) टेलीफ़ोन.: +91-240 - 2473859 ई-मेल: praful.patinge@stpi.in यूआरएल: https://pune.stpi.in	4.	**भागलपुर** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के पास, मेर्राचक रोड, बुरारी, भागलपुर-812001
5.	**कोच्चि** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया किन्फ्रा हाई-टेक पार्क, एचएमटी कॉलोनी, कलामास्सेरी, कोच्चि 683503 (केरला) टेलीफ़ोन: +91 484 291 6535/36 ईमेल: kochi.office@stpi.in यूआरएल: https://thiruvananthapuram.stpi.in/Kochi	6.	**काकीनाडा** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया कलेक्टर कार्यालय परिसर, काकीनाडा- 533 001 (आंध्र प्रदेश) टेलीफ़ोन: +91-884-6660112/123 ईमेल: mallesh.av@stpi.in यूआरएल: https://hyderabad.stpi.in/Kakinada
7.	**कानपुर** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया यूपीएसआईडीए कॉम्प्लेक्स, ए-1/4, लखनपुर, कानपुर-208024 (उत्तर प्रदेश) टेलीफ़ोन: 0512-2584765 ईमेल: praveen.dwivedi@stpi.in यूआरएल: https://noida.stpi.in/Kanpur	8.	**कोयंबटूर** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया एस.एफ. नंबर 333/1, ग्राउंड फ्लोर, कुमारगुरु कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी कैम्पस, चिन्नावेदमपट्टी, कोयंबटूर – 641049 (तमिलनाडु) टेलीफ़ोन: 91-422-2669682 ई-मेल: jinubala.v@stpi.in वेबसाइट: https://chennai.stpi.in/coimbatore
9.	**कोलकाता** निदेशक सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया 6वीं मंजिल, आईटी पार्क बिल्डिंग, प्लॉट नंबर 5/1, ब्लॉक डीपी, सेक्टर-V, सॉल्ट लेक, कोलकाता-700091 (पश्चिम बंगाल) टेलीफ़ोन: +91-33-23673598/99 ईमेल: kol.info@stpi.in यूआरएल: https://kolkata.stpi.in	10.	**कोल्हापुर** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया प्लॉट नंबर पी-5, आईटी पार्क, हॉकी स्टेडियम, नॉर्थ स्टार अस्पताल के सामने, कोल्हापुर-416012 (महाराष्ट्र) टेलीफ़ोन: +91-231-2644429 ईमेल: sachin.narule@stpi.in यूआरएल: https://pune.stpi.in/Kolhapur

11.	**कोहिमा** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार निदेशालय, थिजामा रोड, कोहिमा – 797001 (नागालैंड) टेलीफ़ोन: 9092086321 ईमेल: abhishek.misra@stpi.in यूआरएल: https://guwahati.stpi.in/kohima	12.	**खड़गपुर** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया डब्ल्यूबीआईआईडीसी औद्योगिक विकास केंद्र, प्लॉट नंबर- 3, सेक्टर- बी, निमपुरा, खड़गपुर, जिला पश्चिम मेदिनीपुर, पिन- 721303 (पश्चिम बंगाल) टेलीफ़ोन: +91-3222-234436/233014 ईमेल: kharagpur.oic@stpi.in यूआरएल: https://kolkata.stpi.in/en/Kharagpur
13.	**गंगटोक** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया शीर्ष मंजिल, सिक्किम ज्वैलर्स लिमिटेड कॉम्प्लेक्स, एनएच-10, टांडोग, गंगटोक-737102 (सिक्किम) टेलीफ़ोन: 03592-711193 ईमेल: siddaiah.ns@stpi.in यूआरएल: https://guwahati.stpi.in/gangtok	14.	**गांधीनगर** निदेशक सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया 9वीं मंजिल, गिफ्ट वन टॉवर, ब्लॉक - 56, रोड-5सी, ज़ोन-5, गिफ्ट सिटी, गांधीनगर – 382355 (गुजरात) टेलीफ़ोन: +91-79-66748531/32 ई-मेल: gnr.info@stpi.in वेबसाइट: https://gandhinagar.stpi.in
15.	**गुरुग्राम** निदेशक सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया प्लॉट नंबर 30, इलेक्ट्रॉनिक सिटी, फेज IV, उद्योग विहार, सेक्टर 18, गुरुग्राम -122015 (हरियाणा) टेलीफ़ोन: +91-124-2455050 ईमेल: ashokg@stpi.in यूआरएल: https://gurugram.stpi.in	16.	**गुवाहाटी** निदेशक सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया एल.जी.बी.आई. एयरपोर्ट रोड, बोरझार, -781015 (गुवाहाटी) टेलीफ़ोन: 0361-2841269 ईमेल: Vandana@stpi.in यूआरएल: https://guwahati.stpi.in
17.	**ग्वालियर** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया गांव गंगा मलनपुर, मुरैना लिंक रोड, ग्वालियर – 474010 (मध्य प्रदेश) टेलीफ़ोन: 9893022844 ईमेल: ravi.varma@stpi.in यूआरएल: https://noida.stpi.in/en/gwalior	18.	**गोवा** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया दूसरी मंजिल, उद्योग भवन, पणजी-403001 (गोवा) टेलीफ़ोन: +91-832-2226828 ईमेल: dinesh.bhagat@stpi.in यूआरएल: https://pune.stpi.in
19.	**चेन्नई** निदेशक सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया नं. 5, तृतीय मंजिल, राजीव गांधी सलाई, तारामणि, चेन्नई - 600 113 (तमिलनाडु) टेलीफ़ोन.: 91-44-23703525/22541201 ई-मेल: v.mahadesha@stpi.in यूआरएल: https://www.chennai.stpi.in	20.	**जम्मू** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया ई.पी.आई.पी, करथोली, बाड़ी ब्राह्मणा जम्मू 181133 (जम्मू और कश्मीर) टेलीफ़ोन: +91-191-2300381 ईमेल: asim.khan@stpi.in यूआरएल: https://gurugram.stpi.in/jammu

21	**जयपुर** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया आईटी-21, आईटी पार्क, ईपीआईपी, सीतापुरा, औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर-302022 (राजस्थान) टेलीफ़ोन: +91-141-2770635/2770891 ईमेल: rajkumar.verma@stpi.in यूआरएल: https://gurugram.stpi.in/jaipur	22.	**जोधपुर** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया साइबर वन, साइबर पार्क, आरआईआईसीओ, भारी औद्योगिक क्षेत्र, सरस डेयरी के पास, जोधपुर-342003 (राजस्थान) टेलीफ़ोन: +91-141-2770635 ईमेल: rajkumar.verma@stpi.in यूआरएल: https://gurugram.stpi.in/jodhpur
23.	**तिरुनलवेली** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया मनोनमियन सुंदरनार विश्वविद्यालय परिसर, अभिषेकपत्ति, तिरुनलवेली- 627012 (तमिलनाडु) टेलिफोन: +91-9842119566 ई-मेल: s.lakshman@stpi.in यूआरएल: https://chennai.stpi.in/Tirunelveli	24.	**तिरुपति** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया सर्वे नंबर 234, शहरी हाट के पीछे तिरुचानुर रोड, तिरुपति-517503 (आंध्र प्रदेश) टेलीफ़ोन: +91-877-2239262 / 2239680 ई-मेल: varaprasad.y@stpi.in यूआरएल: https://hyderabad.stpi.in/tirupati
25.	**तिरुवनंतपुरम** निदेशक सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया टेक्नोपार्क, तिरुवनंतपुरम -695581 (केरल) टेलीफ़ोन: +91-471-2700404/ 607/ 707/ 807 ई-मेल: tvpm.do@stpi.in यूआरएल: https://thiruvananthapuram.stpi.in	26.	**त्रिची** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया B-9, लाइट इंजीनियरिंग शेड, तिरुचि क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज साइंस एंड टेक्नोलॉजी उद्यमियों पार्क (TREC-STEP) NIT परिसर, त्रिची - 620 015 (तमिलनाडु) टेलीफोन: +91-431-2501586 ई-मेल: r.pattabi@stpi.in यूआरएल: https://chennai.stpi.in/trichy
27.	**दुर्गापुर** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया सहिद सुकुमार बनर्जी सरणी, (स्पेंसर के सामने), जिला- पश्चिम बर्धमान, पिन-713213 (पश्चिम बंगाल) टेलीफ़ोन: +91-343-2531294/95 ई-मेल: durgapur.oic@stpi.in वेबसाइट: https://kolkata.stpi.in/en/durgapur	28.	**देहरादून** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया प्लॉट नंबर आईटी-01, आईटी पार्क, तृतीय ई, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून - 248013 (उत्तराखंड) टेलीफ़ोन: 0135-2608003 ई-मेल: maneesh.kumar@stpi.in वेबसाइट: https://noida.stpi.in/en/Dehradun
29.	**देवघर** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया प्लॉट नंबर एनएस.15 (आंशिक), औद्योगिक क्षेत्र, जसीदीह, देवघर – 814142 (झारखंड) टेलीफ़ोन: 9431103879 ई-मेल: Siddharth.rai@stpi.in वेबसाइट: https://bhubaneswar.stpi.in/en/deoghar	30.	**नासिक** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया प्लॉट नंबर IT-1, आईटी पार्क, ई-2 ब्लॉक के सामने, एमआईडीसी, अंबड, नासिक – 422010 (महाराष्ट्र) टेलीफ़ोन: +91-253-2382835 ई-मेल: parag.modi@stpi.in यूआरएल: https://pune.stpi.in/nasik

31.	**नोएडा** निदेशक सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया गंगा सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी कॉम्प्लेक्स सेक्टर-29, नोएडा - 201303 (उत्तर प्रदेश) टेलीफ़ोन: 0120-2470502 ई-मेल: sanjay.gupta@stpi.in यूआरएल: https://noida.stpi.in/	32.	**पटना** निदेशक सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया 13वीं मंजिल, बिस्कोमान टॉवर, मॉड्यूल-A5, पश्चिम गांधी मैदान, पटना – 800001 (बिहार) टेलीफ़ोन: 0612-2205627 ई-मेल: amit.bansal@stpi.in यूआरएल: https://bhubaneswar.stpi.in/patna
33.	**पुदुचेरी** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया पुदुचेरी टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (PTU) कैंपस, पूर्व में पांडिचेरी इंजीनियरिंग कॉलेज (PEC), टेक्नोपोलिस बिल्डिंग - I, पिल्लैचावडी, पुदुचेरी - 605014 टेलीफ़ोन: 91-413-2656317 ई-मेल: senthilv@stpi.in यूआरएल: https://chennai.stpi.in/puducherry	34.	**पुणे** निदेशक सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया प्लॉट नंबर P-1, फेज-1, राजीव गांधी इन्फोटेक पार्क, एमआईडीसी, हिंजवाड़ी, पुणे – 411057 (महाराष्ट्र) टेलीफ़ोन: +91-20-22981000/22934475 ई-मेल: ajay.srivastava@stpi.in यूआरएल: https://pune.stpi.in
35.	**प्रयागराज** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया एमएनएनआईटी कैंपस, लखनऊ रोड, प्रयागराज - 211004 (उत्तर प्रदेश) टेलीफ़ोन: +0532-25452270 ई-मेल: praveen.dwivedi@stpi.in यूआरएल: https://noida.stpi.in/en/prayagraj	36.	**श्रीनगर** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया शेड नंबर 6-SIDCO, इलेक्ट्रॉनिक्स परिसर, ओल्ड एयरपोर्ट रोड, रंगरेथ, श्रीनगर-191132 (जम्मू और कश्मीर) टेलीफ़ोन: +91-194-2300520/ 381 ई-मेल: asim.khan@stpi.in यूआरएल: https://gurugram.stpi.in/srinagar
37.	**बेहरामपुर** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया प्लॉट नं. 860/4562, इनकम टैक्स ऑफिस के पास, अम्बापुआ, बेहरामपुर - 760011, गंजाम, ओडिशा टेलीफ़ोन.: 0680-2404300 ई-मेल: rajeshkumar.t@stpi.in यूआरएल: https://bhubaneswar.stpi.in/en/berhampur	38.	**बेंगलुरु** निदेशक सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया नं. 76 और 77, साइबर पार्क, छठी मंजिल, इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी, होसुर रोड, बेंगलुरु – 560100 (कर्नाटक) टेलीफ़ोन.: +91-080-66186000-07 ई-मेल: sanjay.tyagi@stpi.in यूआरएल: https://bengaluru.stpi.in
39.	**भुवनेश्वर** निदेशक सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया एसटीपीआई एलीट टॉवर, प्लॉट नं. 2/ए, आईडीसीओ औद्योगिक क्षेत्र, गोथापटना, पोस्ट-मालिपड़ा, भुवनेश्वर, ओडिशा 751003 टेलीफ़ोन.: 0674-2623000 ई-मेल: surya.pattanayak@stpi.in यूआरएल: https://bhubaneswar.stpi.in	40.	**भोपाल** निदेशक सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया प्लॉट नं. C-11, आईटी पार्क, आरजीपीवी के पास, नई जेल रोड, गांधी नगर, भोपाल - 462038 (मध्य प्रदेश) टेलीफ़ोन.: 0755-2986688 ई-मेल: ravi.varma@stpi.in यूआरएल: https://noida.stpi.in/en/bhopal

41.	**भिलाई** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया मंगल भवन, नेहरू नगर (पूर्व), भिलाई - 490020 टेलीफ़ोन.: 09718108616 ई-मेल: mukuldhar.sharma@stpi.in यूआरएल: https://noida.stpi.in/en/bhilai	42.	**मदुरै** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया त्यागराजा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग कैंपस, मदुरै - 625015 (तमिलनाडु) टेलीफ़ोन: +91-452-2482294 ईमेल: s.lakshman@stpi.in यूआरएल: https://chennai.stpi.in/madurai
43.	**मणिपाल** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया दूसरी मंजिल, कर्मिक बिल्डिंग, राजीव नगर, 80 बडगुबेट्टू, अलेवूर रोड, मणिपाल पार्कला पोस्ट, उडुपी जिला -567107 (कर्नाटक) टेलीफ़ोन: 08202575752 ईमेल: ravindra.aroor@stpi.in यूआरएल: https://bengaluru.stpi.in/manipal	44.	**मंगलुरु** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया ब्लूबेरी हिल, हरि पदव रोड, डेरबैल, मंगलुरु -575008 (कर्नाटक) टेलीफ़ोन: +91-824-2212189/2212139 ईमेल: ravindra.aroor@stpi.in यूआरएल: https://bengaluru.stpi.in/mangaluru
45.	**मोहाली** निदेशक सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया प्लॉट नंबर C-184, इंडस्ट्रियल एरिया फेज-8A, एस.ए.एस नगर, मोहाली -160071 (पंजाब) टेलीफ़ोन: +91-172-2237067/62 ईमेल: shailendra.tyagi@stpi.in यूआरएल: https://gurugram.stpi.in/en/mohali	46.	**मैसूर** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया एसजेसीई-एसटीईपी कैंपस, मानस गंगोत्री, मैसूर-570 006 (कर्नाटक) टेलीफ़ोन: +91-821-2412090/2517780/790 ई-मेल: jayaprakash@stpi.in यूआरएल: https://bengaluru.stpi.in/en/mysuru
47.	**मेरठ** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया प्लॉट नंबर आईटीपी-03, एनएच-58 बाईपास के पास, वेदव्यास पुरी योजना, मेरठ -201303 (उत्तर प्रदेश) टेलीफ़ोन: 01202470451 ईमेल: sanjaykumar@stpi.in यूआरएल: https://noida.stpi.in/en/meerut	48.	**नवी मुंबई** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया चौथी मंजिल, समृद्धि वेंचर पार्क, गाला नंबर 4, एमआईडीसी, सेंट्रल रोड, अंधेरी (पूर्व) मुंबई - 400 093 (महाराष्ट्र) टेलीफ़ोन: +91-22-28384907/28343742 ई-मेल: ashok.yadav@stpi.in यूआरएल: https://pune.stpi.in/mumbai
49.	**नागपुर** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया प्लॉट नंबर 3, आईटी पार्क, पारसोड़ी, वीआरसीई टेलीफोन एक्सचेंज के पास, नागपुर - 440022 (महाराष्ट्र) टेलीफ़ोन: +91-712-2227774 ई-मेल: sanjay.darne@stpi.in यूआरएल: https://pune.stpi.in	50.	**रांची** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया प्लॉट नंबर 8 भाग, नामकुम औद्योगिक क्षेत्र, नामकुम, रांची - 834010 (झारखंड) टेलीफ़ोन: +9928041114 ई-मेल: ramesh.meena@stpi.in यूआरएल: https://bhubaneswar.stpi.in/ranchi

51.	**राउरकेला** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया एसटीपीआई काम्प्लेक्स सेक्टर-5, पंथनिवास के पास, राउरकेला-769002 (ओडिशा) टेलीफ़ोन: +9937358079 ईमेल: jagannath.oraon@stpi.in यूआरएल: https://bhubaneswar.stpi.in/en/rourkela	52.	**लखनऊ** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया एसटीपी परिसर, गोमती बैराज के पास गोमती नगर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) टेलीफ़ोन: 05222307913/15 ईमेल: praveen.dwivedi@stpi.in यूआरएल: https://noida.stpi.in/en/lucknow
53.	**वारंगल** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया काकातिया आईटी पार्क, एच. नंबर 2-5-906/1, 2 सर्किट हाउस रोड, हनमकोंडा, वारंगल-506001 (टीएस) टेलीफ़ोन: +91-870-2446944 ई-मेल: rangareddy.k@stpi.in यूआरएल: https://hyderabad.stpi.in/warangal	54.	**विजयवाड़ा** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर, स्टेला कॉलेज के सामने, बेंज सर्किल के पास विजयवाड़ा -520008 (आंध्र प्रदेश) टेलीफ़ोन: +91-866-2494243 ई-मेल: vinaykumar.b@stpi.in यूआरएल: https://hyderabad.stpi.in/vijayawada
55.	**विशाखापत्तनम** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया यूनिट नंबर 9, SDF-1 बिल्डिंग, विशाखापत्तनम विशेष आर्थिक क्षेत्र, दुव्वाड़ा रेलवे स्टेशन के पास, विशाखापत्तनम -530049 (आंध्र प्रदेश) टेलीफ़ोन: +91-741-6452474/91-891-2587226 ई-मेल: suresh.b@stpi.in यूआरएल: https://hyderabad.stpi.in/visakhapatnam	56.	**शिलांग** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया शॉर्ट राउंड रोड, पूर्व खासी हिल्स, लुमजिंगशाई, शिलांग - 793001 (मेघालय) टेलीफ़ोन: +0364-2591022 ई-मेल: motilal.sarma@stpi.in यूआरएल: https://guwahati.stpi.in/shillong
57.	**सिलीगुड़ी** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया प्लॉट नंबर - JL 86 (उत्तोरायन के सामने), माटिगारा, सिलीगुड़ी, जिला. दार्जिलिंग-734010 (पश्चिम बंगाल) टेलीफ़ोन: +91-353-2571986/87 ई-मेल: siliguri.oic@stpi.in यूआरएल: https://kolkata.stpi.in/en/siliguri	58.	**सूरत** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया FP 27, TP 22, जीआव- बुडिया रोड, नज़दीक सोमेश्वर सोसाइटी, गाँव: भेस्तान, तालुका: चोरासी, सूरत- 395023 (गुजरात) टेलीफ़ोन: +91-261-2972755 ई-मेल: surat.info@stpi.in यूआरएल: https://gandhinagar.stpi.in/en/surat
59	**शिमला** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया ब्लॉक नंबर- 24, एसडीए परिसर, कुसुम्पटी, शिमला - 171009 (हिमाचल प्रदेश) टेलीफ़ोन: +91-177-2627858 ई-मेल: abbas.mehdi@stpi.in यूआरएल: https://gurugram.stpi.in/en/shimla	60	**इंफाल** प्रभारी अधिकारी सॉफ़्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया मंत्रिपुखरी, इंफाल पश्चिम, इंफाल-795002 (मणिपुर) टेलीफ़ोन: 0385-2423237 ईमेल: Arunkumar.singh@stpi.in यूआरएल: https://stpi.in/en/imphal

61.	**हल्दिया** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया, प्लॉट नंबर-149, देभोग, भवानीपुर, हल्दिया, जिला पूर्व मेदिनीपुर, पिन-721657 (पश्चिम बंगाल) टेलीफ़ोन: +91-3224-255062/92 ईमेल: haldia.oic@stpi.in यूआरएल: https://kolkata.stpi.in/en/haldia	62.	**हैदराबाद** निदेशक सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया 6Q3, छठी मंजिल, साइबर टावर्स हाइटेक सिटी, माधापुर, हैदराबाद - 500081 (तेलंगाना) टेलीफ़ोन: +91-40-66415600/11 ईमेल: c.kavitha@stpi.in यूआरएल: https://hyderabad.stpi.in
63.	**हुब्बल्ली** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया चौथी मंजिल, ब्लॉक A, आईटी पार्क, इंदिरा ग्लास हाउस के सामने, हुब्बल्ली -580029 (कर्नाटक) टेलीफ़ोन: +91-836-2257090/092/093 ईमेल: v.sasikumar@stpi.in यूआरएल: https://stpi.in/en/hubballi	64.	**दावणगेरे** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया केएसओयू क्षेत्रीय केंद्र, जेएच पटेल लेआउट, शमन्नूर, नागनुर रोड के पीछे, दावणगेरे - 577004 (कर्नाटक) टेलीफ़ोन: 08192-200892/893/894 ई-मेल: v.sasikumar@stpi.in वेबसाइट: https://stpi.in/en/davanagere
65.	**इंदौर** प्रभारी अधिकारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया एमपीएसईडीसी, एसटीपी बिल्डिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स, परदेशीपुरा, इंदौर-452010 (मध्य प्रदेश) टेलीफ़ोन: 0731-4024440/4030880 ईमेल: ravi.varma@stpi.in यूआरएल: https://noida.stpi.in/en/indore		

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई)

पहली मंजिल, प्लेट–बी, कार्यालय ब्लॉक – 1, पूर्वी किदवई नगर, नई दिल्ली – 110023

Phone: +91 11 24628081 | Website: www.stpi.in